डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/ 110/2024-26
R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष :13 | अंक : 192 | पेज: 8 | जयपुर, शनिवार 21 जून 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2026 में भारत का रिकॉर्ड

रैंकिंग में देश के 54 संस्थान शामिल, आईआईटी दिल्ली टॉप पर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत ने शिक्षा के क्षेत्र में एक नया ऐतिहासिक मुकाम हासिल किया है। क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2026 में इस बार 54 भारतीय उच्च शिक्षण संस्थानों ने जगह बनाई है। यह अब तक की सबसे बड़ी उपलब्धि है, जिसकी जानकारी केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने गुरुवार को दी। उन्होंने कहा कि 2014 में जहां केवल 11 भारतीय विश्वविद्यालय इस वैश्विक सूची में शामिल थे, वहीं आज यह संख्या पांच गुना बढ़कर 54 हो गई है। उन्होंने इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक में लागू की गई शिक्षा सुधार नीतियों और नई शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 का नतीजा बताया। इस साल की रैंकिंग में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली को 123वां स्थान मिला है, जो भारत का सर्वोच्च स्थान है। इसके अलावा कई अन्य आईआईटी और प्रमुख विश्वविद्यालयों ने भी उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है।

2014 में केवल 11 भारतीय विवि थे शामिल

शिक्षा मंत्री प्रधान ने दी जानकारी, इसे बताया 'क्रांति का परिणाम'

यह देश की शिक्षा प्रणाली में परिवर्तन और प्रगति का प्रमाण

एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट करते हुए धर्मेंद्र प्रधान ने लिखा कि क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2026 में रिकॉर्ड 54 संस्थानों की भागीदारी भारत की शिक्षा प्रणाली में आए परिवर्तन और प्रगति का प्रमाण है। यह सिर्फ बदलाव नहीं, बल्कि एक शैक्षिक क्रांति है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत अब जी 20 देशों में सबसे तेजी से बढ़ती शिक्षा प्रणाली है और अमेरिका, यूके और चीन के बाद चौथा सबसे अधिक प्रतिनिधित्व वाला देश बन चुका है।

लंदन स्थित वैश्विक उच्च शिक्षा विश्लेषण फर्म कर रही रैंकिंग

क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग का प्रकाशन लंदन स्थित वैश्विक उच्च शिक्षा विश्लेषण फर्म क्यूएस्क्युरेली साइमंज्स द्वारा किया जाता है। यह रैंकिंग कई मानकों (जैसे- अकादमिक प्रतिष्ठा, फैकल्टी-स्टूडेंट अनुपात, शोध प्रभाव, अंतरराष्ट्रीय छात्रों की उपस्थिति और स्नातकों की रोजगार क्षमता) पर आधारित होती है।

भारत बना चौथा सबसे बड़ा प्रतिनिधि देश

इस साल भारत से 8 नए संस्थानों को पहली बार रैंकिंग में शामिल किया गया है। अब भारत इस सूची में अमेरिका (192), यूके (90), और चीन (72) के बाद चौथा सबसे बड़ा प्रतिनिधित्व वाला देश बन चुका है।किसी भी अन्य देश ने इस साल रैंकिंग में इतनी अधिक संख्या में संस्थानों को शामिल नहीं किया है।

प्रधानमंत्री ने भारत के शिक्षा क्षेत्र के लिए बहुत अच्छी खबर बताया

दिल्ली ने 2 वर्ष में 70 से अधिक पायदान चढ़कर प्रतिष्ठा प्राप्त की

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि 'क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग' 2026 भारत के शिक्षा क्षेत्र के लिए बहुत अच्छी खबर लेकर आई है। इस

रैंकिंग में भारत के 54 संस्थानों को शामिल किया गया है। मोदी ने 'एक्स' पर लिखा, क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी 2026 रैंकिंग हमारे शिक्षा क्षेत्र के लिए बहुत अच्छी खबर लेकर आई है। हमारी सरकार भारत के युवाओं के लाभ के लिए अनुसंधान और नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को और मजबूत बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। गुरुवार सुबह जारी रैंकिंग के अनुसार, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी)-दिल्ली सर्वोच्च रैंकिंग वाला भारतीय संस्थान है। संस्थान ने दो वर्षों में 70 से अधिक पायदान चढ़कर प्रतिष्ठित सूची में 123वां स्थान प्राप्त किया है।

खबर संक्षेप

रेलवे ट्रैक पर कटे मिले युवक-युवती के शव

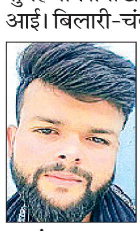

मुरादाबाद। बिलारी क्षेत्र में गुरुवार सुबह सनसनीखेज घटना सामने आई। बिलारी-चंदौसी रेलवे लाइन पर स्थित कुआं खेड़ा हाल्ट के पास युवक और युवती के ट्रेन से कटे शव मिलने से सनसनी फैल गई। भोला उर्फ सुशांत पुत्र राजपाल सिंह और युवती आशी पुत्री मित्र पाल दोनों सैफपुर जगना गांव के निवासी थे।भोला गांव में रहकर खेती करने के साथ ट्रैक्टर भी चलाता था।

झारखंड में भारी बारिश से 3 बच्चों की मौत

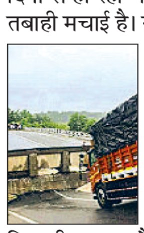

रांची। झारखंड में पिछले कुछ दिनों से हो रही भारी बारिश ने खूब तबाही मचाई है। सूबे के खूंटी जिले की मुरहू पंचायत में बुधवार दोपहर करीब 2 बजे एक निर्माणाधीन कुआं ढह गया। इस हादसे में दो स्कूली बच्चे, जिनकी उम्र 9 और 10 साल थी, मिट्टी के मलबे में दब गए। बताया जा रहा गुरुवार दोपहर करीब 12:30 बजे दोनों बच्चों के शव मलबे से निकाले गए।

लोकल ट्रेन दुर्घटना में घायल समेत 5 मौतें

ठाणे। ठाणे जिले के मुंब्रा स्टेशन के पास 9 जून को हुई उपनगरीय ट्रेन दुर्घटना में घायल एक यात्री की गुरुवार को एक निजी अस्पताल में मौत होने के बाद इस हादसे में मृतकों की संख्या बढ़कर 5 हो गई। ठाणे के तहसीलदार उमेश पाटिल ने कहा कि घायल यात्री अनिल मोरे का निजी अस्पताल में इलाज हो रहा था और आज 11 बजे उनकी मौत हो गई।

खराब मौसम के कारण हेलीकॉप्टर को उतारा

कोच्चि। तट की नियमित गश्त पर निकले तटरक्षक बल के हेलीकॉप्टर को गुरुवार को खराब मौसम के कारण एहतियातन केरल के कॉलेज के मैदान में उतरना पड़ा। चेतक गश्त से लौट रहा था तभी मौसम खराब हो गया। चालक दल ने एर्नाकुलम के कोठामंगलम के पास चेलाड में सेंट ग्रेगोरियस डेंटल कॉलेज के फुटबॉल मैदान में एहतियातन उतारा।

सतारा में बस पेड़ से टकराई, 20 घायल

सतारा। महाराष्ट्र के सतारा जिले में गुरुवार सुबह राज्य परिवहन की एक बस के सड़क किनारे पेड़ से टकराने के कारण कम से कम 20 यात्री घायल हो गए। दुर्घटना सुबह करीब आठ बजे ढेबेवाडी-पाटण रोड पर जणुगादेवी गांव के पास हुई, जब महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम (एमएसआरटीसी) के पाटण डिपो की एक बस ढेबेवाडी जा रही थी।

गृहमंत्री ने कहा- देश को समझने के लिए विदेशी भाषा पर्याप्त नहीं

बदलाव का समय निकट आया, आगामी समय में अंग्रेजी बोलने में 'शर्म' आएगी

भारतीय भाषाओं के महत्व पर जोर देते हुए यह टिप्पणी की

भाषा विवाद के बीच शाह का बड़ा ऐलान

दुनिया का नेतृत्व करने का समय आ गया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

राष्ट्र की पहचान उसकी अपनी भाषा से होती है। भारतीय भाषाओं के महत्व पर जोर देते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि भारत की भाषाई विरासत को दोबारा प्राप्त करने और देशी भाषाओं पर गर्व के साथ दुनिया का नेतृत्व करने का समय आ गया है। शाह ने कहा कि इस देश में अंग्रेजी बोलने वालों को जल्द ही शर्म आएगी। ऐसे समाज का निर्माण दूर नहीं है, केवल दृढ़ निश्चयी लोग ही बदलाव ला सकते हैं। मेरा मानना है कि हमारे देश की भाषाएं हमारी संस्कृति के रत्न हैं। अपनी भाषाओं के बिना हम सच्चे भारतीय नहीं हैं। अपने देश, अपनी संस्कृति, अपने इतिहास और अपने धर्म को समझने के लिए कोई भी विदेशी भाषा पर्याप्त नहीं हो सकती है।

भाषा विवाद और 'हिंदी थोपना'

गृहमंत्री शाह की टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब कुछ दक्षिणी और विपक्षी शासित राज्यों ने केंद्र पर 'त्रि-भाषा फार्मूले' के कार्यान्वयन के माध्यम से हिंदी थोपने का आरोप लगाया है। ये नई शिक्षा नीति (एनईपी) का एक हिस्सा है।

औपनिवेशिकता को बताया गुलामी का प्रतीक

शाह ने यह भी भविष्यवाणी की कि दुनिया भर में अंग्रेजी को औपनिवेशिक गुलामी के प्रतीक के रूप में देखा जाएगा। उन्होंने कहा कि हमारे देश, हमारी संस्कृति, हमारे इतिहास और हमारे धर्म को समझने के लिए कोई भी विदेशी भाषा पर्याप्त नहीं हो सकती। अधूरी विदेशी भाषाओं के माध्यम से संपूर्ण भारत की कल्पना नहीं की जा सकती। केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि मुझे पूरा अहसास है कि यह लड़ाई कितनी कठिन है, लेकिन मुझे पूरा विश्वास है कि भारतीय समाज इसे जीतेगा। एक बार फिर, आत्मसम्मान के साथ, हम अपने देश को अपनी भाषाओं में चलाएंगे और दुनिया का नेतृत्व भी करेंगे।

प्रधानमंत्री के पंच प्रण का किया जिक्र

उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के पंच प्रण का जिक्र किया। विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करना, गुलामी की हर सोच से मुक्ति पाना, विरासत पर गर्व करना, एकता और एकजुटता, प्रत्येक नागरिक में कर्तव्य की भावना जगना। उन्होंने कहा कि ये पांच प्रतिज्ञाएं देश के नागरिकों का संकल्प बन गई हैं। 2047 के विकसित भारत की यात्रा में हमारी भाषाएं प्रमुख भूमिका निभाएंगी।

पूर्व आईएएस की पुस्तक का किया विमोचन

शाह पूर्व आईएएस आशुतोष अग्निहोत्री की पुस्तक 'मैं बूंद स्वयं, खुद सागर हूं' के विमोचन में गुरुवार को शामिल हुए। उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों के प्रशिक्षण मॉडल में सहानुभूति लाने पर जोर दिया। शाह ने कहा कि यह मॉडल ब्रिटिश काल से प्रेरित है, इसलिए यहां सहानुभूति की कोई जगह नहीं है। मेरा मानना है कि कोई शासक अगर सहानुभूति के बिना शासन करता है, तो वह अपने वास्तविक उद्देश्य को प्राप्त नहीं कर सकता है।

कल आएंगे छत्तीसगढ़

रायपुर में नेशनल फोरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी की नींव रखेंगे, जवानों से मिलेंगे

रायपुर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 22 जून को 2 दिनी दौरे पर छत्तीसगढ़ आएंगे। इस दौरान वे यहां नवा रायपुर अटल नगर में राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय (एनएफएसयू) और राज्य की फॉरेंसिक लैब की आधारशिला रखेंगे। राज्य के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने गुरुवार को यह जानकारी दी। शर्मा ने बताया कि शाह बस्तर क्षेत्र में सुरक्षाबलों के एक शिविर का भी दौरा करेंगे। अपने दौरे के दौरान नक्सल विरोधी अभियानों पर एक बैठक की अध्यक्षता करेंगे। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने नवा रायपुर में एनएफएसयू के लिए 40 एकड़ जमीन आवंटित की है। केंद्र सरकार इस यूनिवर्सिटी को करीब 400 करोड़ की लागत बनाएगी। उपमुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य फोरेंसिक लैब एनएफएसयू के करीब ही छह से सात एकड़ भूमि पर स्थापित की जाएगी। उन्होंने बताया कि शाह अगले दिन सुरक्षाबलों के एक शिविर (बस्तर क्षेत्र में) का दौरा करेंगे।

ओडिशा में भाजपा सरकार का एक वर्ष का शासन

महिलाओं व बच्चियों के लिए बेहद खतरनाक और असुरक्षितः कांग्रेस

रॉयल पत्रिका

कांग्रेस ने ओडिशा में भाजपा सरकार के पिछले एक वर्ष के शासन को महिलाओं व बच्चियों के लिए बेहद खतरनाक और असुरक्षित बताया है। कांग्रेस मुख्यालय इंदिरा भवन में पत्रकार वार्ता करते हुए महिला कांग्रेस की अध्यक्ष अलका लांबा, ओडिशा महिला कांग्रेस अध्यक्ष मीनाक्षी बाहिनीपति, ओडिशा की विधायक सोफिया फिरदौस ने राज्य में व्याप्त असुरक्षित माहौल पर गंभीर सवाल उठाए। लांबा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद ओडिशा के चुनाव प्रचार में उतरे और आधी आबादी से उनकी सुरक्षा का वादा करके वोट हासिल किए। लेकिन राज्य में महिलाओं पर अत्याचार लगातार बढ़ते जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि ओडिशा की महिला एवं बाल विकास मंत्री प्रावती परिदा ने स्वयं स्वीकार किया है कि 11 महीनों में 28,000 महिलाएं और बच्चियां अत्याचार का शिकार हुई हैं।

कुछ प्रमुख घटनाओं का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि एक दुष्कर्म के आरोपी ने जमानत पर छूटने के बाद पीड़िता की हत्या कर दी और उसके शव के टुकड़े सड़क पर फेंक दिए। उन्होंने स्कूलों और अस्पतालों में हुए यौन उत्पीड़न और दुष्कर्म की घटनाओं के अलावा बालासोर में एक नाबालिग बच्ची से दुष्कर्म के बाद उसकी हत्या की गंभीर वारदात का भी उल्लेख किया। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर अपराधियों को इतनी हिम्मत

कहां से मिल रही है? लांबा ने ओडिशा में 36,000 महिलाओं और 8,400 बच्चियों के गायब होने का मुद्दा उठाते हुए पूछा कि सरकार अब तक कितनी महिलाओं और बच्चियों को वापस ला पाई है? फिरदौस ने कहा कि राज्य में महिलाओं की शक्ति को समर्पित रज पर्व मनाया जाता है। लेकिन दुर्भाग्यवश इस पर्व के दौरान महज तीन दिनों के भीतर राज्य में 3 सामूहिक दुष्कर्म की घटनाएं घटित हुईं। गोपालपुर जैसे प्रमुख पर्यटन स्थल पर एक लड़की के साथ 10 लोगों द्वारा सामूहिक दुष्कर्म का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि पीड़िता को खुद जाकर पुलिस में शिकायत दर्ज करानी पड़ी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के गृह जिले क्योंझर में छोटी बच्ची के साथ दुष्कर्म कर उसकी हत्या कर दी गई। एक शादीशुदा महिला के साथ होटल में 4 लोगों द्वारा सामूहिक दुष्कर्म किया गया। फिरदौस ने न्याय में देरी एवं अपराधियों के बेखौफ होने पर सवाल उठाए और जोर देकर कहा कि तीन दिनों में सामूहिक दुष्कर्म की तीन घटनाएं सामान्य नहीं मानी जा सकतीं। उन्होंने बताया कि आदिवासी क्षेत्र में स्कूल की छात्रा ने हॉस्टल में बच्चे को जन्म दिया। फिरदौस ने बताया कि राज्य में प्रतिदिन महिलाओं के खिलाफ औसतन 15 अपराध हो रहे हैं।

सामाजिक न्याय पर सीजेआई गवई ने कहा

सामाजिक-आर्थिक न्याय अहम, संविधान की वजह से ही तोड़ पाया जाति की बेड़ियां

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत के प्रधान न्यायाधीश बी आर गवई ने कहा है कि समाज के बड़े हिस्से को हाशिए पर रखने वाली असमानताओं पर ध्यान दिए बिना कोई भी देश असल में प्रगतिशील या लोकतांत्रिक होने का दावा नहीं कर सकता। उन्होंने कहा है कि समाज में स्थिरता, सामंजस्य और सतत विकास करने के लिए सामाजिक-आर्थिक न्याय सबसे अहम है। सीजेआई बुधवार को मिलान में सामाजिक-आर्थिक न्याय प्रदान करने में संविधान की भूमिकाः भारतीय संविधान के 75 वर्षों के प्रतिबिंब' विषय पर बोलने के लिए आमंत्रित किया गया था।

भारतीय संविधान कठिन संघर्ष के बाद बना

'भारतीय संविधान के 75 वर्षों के प्रतिबिंब' पर दिए उद्गार

जस्टिस गवई ने कहा कि मुझे यह कहते हुए गर्व हो रहा है कि भारतीय संविधान के निर्माता इसके प्रावधानों का मसौदा तैयार करते समय सामाजिक-आर्थिक न्याय की अनिवार्यता को लेकर सचेत थे। संविधान को लंबे और कठिन संघर्ष के बाद तैयार किया गया था।

संवैधानिक आदर्शों का उत्पाद हूं : उन्होंने कहा, मैं आज यहां फिर दोहराता हूं कि समावेश और परिवर्तन के इस संवैधानिक दृष्टिकोण के कारण ही मैं भारत के प्रधान न्यायाधीश के रूप में आपके सामने खड़ा हूं। मैं उन्हीं संवैधानिक आदर्शों का उत्पाद हूं, जो अवसरों को लोकतांत्रिक बनाने और जाति की बेड़ियों को तोड़ने की मांग करते हैं।

भारी बारिश से छग से गुजरने वाली ट्रेनों की चाल बिगड़ी

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे चक्रधरपुर रेल मंडल के टाटानगर स्टेशन यार्ड में वर्षा के कारण जल भराव हो गया है, जिससे बिलासपुर होकर मुंबई और हरिद्वार की ओर जाने वाली ट्रेनें घंटों विलंब से बिलासपुर पहुंच रही हैं। जानकारी के अनुसार दक्षिण पूर्व रेलवे चक्रधरपुर मंडल के टाटानगर स्टेशन यार्ड में अत्यधिक वर्षा के कारण जल भराव की स्थिति बन चुकी है। इसकी वजह से ट्रेनों के पहियों की गति धीमी होने के कारण लेट लतीफी का सिलसिला बना हुआ है।

सिकल सेल दिवस पर स्वास्थ्य मंत्रालय ने दी जानकारी

'भारत सिकल सेल मुक्त भविष्य अभियान'

इस बीमारी का पता लगाने के लिए 5.72 करोड़ लोगों की स्क्रीनिंग की

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत ने अब तक लगभग 5.72 करोड़ लोगों की जांच की है। यह सब 'भारत सिकल सेल मुक्त भविष्य अभियान' के तहत हो रहा है। इसकी जानकारी भारत के स्वास्थ्य मंत्रालय ने गुरुवार को सिकल सेल दिवस के मौके पर दी। विश्व सिकल सेल दिवस हर साल 19 जून को मनाया जाता है। इसका मकसद लोगों को सिकल सेल बीमारी (एससीडी) के बारे में जागरूक करना होता है।

समय पर इलाज नहीं तो यह खतरनाक बन जाएगी

एससीडी एक जेनेटिक ब्लड डिसऑर्डर है, जो सीधे हमारे खून की लाल रक्त कोशिकाओं को प्रभावित करती है। इस बीमारी में शरीर में आरबीसी की संख्या कम हो जाती है, जिससे शरीर के अंगों तक सही मात्रा में ऑक्सीजन नहीं पहुंच पाता। ऐसे में थकान, दर्द और कमजोरी जैसी परेशानियां हो सकती हैं। अगर वक्त पर इसका इलाज न हो, तो यह बीमारी खतरनाक भी बन सकती है।

देश को इससे मुक्त करेंगे : स्वास्थ्य मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पोस्ट में कहा कि इस विश्व सिकल सेल दिवस पर, भारत अब सिकल सेल मुक्त भविष्य की तरफ एक कदम और बढ़ गया है।

सांसद थरूर ने पार्टी के अंदर चर्चा करने की बात कही

पार्टी में मेरे कुछ मतभेद, मैं देशसेवा से पीछे नहीं हटूंगा

पीएम मोदी के साथ केवल सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के मामलों पर की थी चर्चा

एजेंसी ▶▶ तिरुवनंतपुरम

तिरुवनंतपुरम लोकसभा से सांसद शशि थरूर ने पार्टी के अंदर मतभेद की बात कबूल की है। उन्होंने कहा है कि पीएम मोदी के साथ बातचीत पर कहा है कि वो चर्चा केवल सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल से जुड़े मामलों पर थी। उन्होंने कहा कि देश की सेवा के लिए वे हमेशा तैयार हैं। तिरुवनंतपुरम में मीडियाकर्मियों से साथ थरूर ने कहा कि मैं पिछले 16 सालों से कांग्रेस में काम कर रहा हूं। पार्टी के साथ मेरे कुछ मतभेद हैं, और मैं पार्टी के अंदर इस पर चर्चा करूंगा। समय आने दीजिए।

थरूर को लेकर सियासत गरम

थरूर समेत सभी प्रतिनिधिमंडल के नेता जब विदेश दौरों के बाद वापस आए थे, तो पीएम मोदी ने उनसे मुलाकात की थी और उनसे उनके एक्सपीरियंस भी जाने थे। थरूर को लेकर सियासत इसलिए भी गरम है क्योंकि कांग्रेस पार्टी ने डेलिगेशन के लिए जिन नेताओं के नाम भेजे थे, उसमें थरूर का नाम नहीं था। पर, भारत सरकार ने थरूर को न केवल डेलिगेशन में शामिल किया, बल्कि उन्हें एक डेलिगेशन का मुख्य लीडर भी बनाया था।

पीएम मोदी के साथ बात पर दी सफाई

पीएम मोदी के साथ चर्चा को लेकर थरूर ने कहा कि प्रधानमंत्री के साथ चर्चा सिर्फ सांसदों के प्रतिनिधिमंडल से जुड़े मामलों पर थी। जब देश के लिए कोई मुद्दा उठता है, तो देश के साथ खड़े होना हमारी जिम्मेदारी है। जब देश को मेरी सेवा की जरूरत होगी, तो मैं हमेशा तैयार हूं।

ट्रंप के साथ मुनीर के लंच का 'उड़ाया मजाक'

'फूड फॉर थॉट' मिला होगा

नई दिल्ली। थरूर ने पाक के सेना प्रमुख आसिम मुनीर के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ लंच पर तंज कसा है। थरूर ने उम्मीद जताई कि मुनीर को ट्रंप के साथ भोजन करते समय 'फूड फॉर थॉट' (सोचने के लिए कुछ) मिला होगा। मुनीर ने कहा था कि ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार मिलना चाहिए।इसके तुरंत बाद उन्हें व्हाइट हाउस में भोजन से पुरस्कृत किया गया।

कर्नाटक में हासन की फिल्म रिलीज केस

सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से अड़चन पर सख्त एक्शन लेने को कहा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

एक्टर कमल हासन की फिल्म 'ठग लाइफ' की कर्नाटक में अटकी रिलीज पर गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार को आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि राज्य में फिल्म की स्क्रीनिंग में अड़चन डालने वालों के खिलाफ सख्त एक्शन लिया जाए।

17 जून को आदेश में कहा था कि इस फिल्म को राज्य में रिलीज किया जाना चाहिए। कोर्ट ने कहा था कि कानून के अनुसार सीबीएफसी मंजूरी वाली फिल्म को हर राज्य में रिलीज किया जाना चाहिए। न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां और

न्यायमूर्ति मनमोहन की पीठ ने राज्य सरकार का यह आश्वासन दर्ज किया कि यदि राज्य में फिल्म प्रदर्शित की गई तो वह सिनेमाघरों को पर्याप्त सुरक्षा मुहैया कराएगी। पीठ ने कहा कि वह ऐसी स्थिति पैदा नहीं होने देना चाहती, जिसमें किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचे और फिल्म की रिलीज रोक दी जाए।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

तुर्की की वस्तुओं का भारत में बहिष्कार शुरू

भारत-पाकिस्तान के बीच हुए युद्ध की मार अब तुर्की पर भी पड़ने लगी है। तुर्की, अज़रबैजान और चीन ने पाकिस्तान का खुलकर साथ दिया। तुर्की ने पाकिस्तान को अति आधुनिक ड्रोन, मिसाइल एवं एंटी मिसाइल सिस्टम दिए, जिनका पाकिस्तान ने भारतीय ठिकानों पर आक्रमण करने में इस्तेमाल किया। तुर्की के ड्रोन के कारण पाकिस्तान भारत का कुछ हद तक मुकाबला कर सका। यही नहीं तुर्की के राष्ट्रपति अर्दोगान ने पाकिस्तान के पक्ष में स्टेटमेंट भी दिए और खुलकर साथ देने का ऐलान भी किया। तुर्की की इस हरकत से भारत और भारत की जनता बेहद नाराज दिखाई दे रही है। भारत सरकार ने तो आधिकारिक तौर पर तुर्की के साथ व्यापार रोकने की कोई घोषणा नहीं की है, लेकिन भारत के कुछ व्यापारियों ने तुर्की के साथ आयात निर्यात रोकने और तुर्की देश की बनी वस्तुओं के बहिष्कार के लिए आंदोलन चलाया है। वैसे भारत तुर्की को 6.65 अरब डॉलर का निर्यात करता है और 3.78 अरब डॉलर का आयात करता है। भारत तुर्की व्यापार अधिशेप भारत के पक्ष में है। भारत में तुर्की के प्रति काफी नफरत देखी जा रही है। वैसे यदि भारत तुर्की के बीच आयात निर्यात रुकता है तो इसका नुकसान भारत को ज्यादा होगा, क्योंकि भारत तुर्की की वस्तुओं का निर्यात ज्यादा करता है और आयात कम करता है। भारत वर्तमान में आईडियोलॉजी पर चलने वाला देश बन गया है। आर्थिक रूप से भारत को कितना भी नुकसान हो फिर भी वह संबंध नहीं रखता है। इसका उदाहरण इज़राईल माना जा सकता है। भारत ने इजराईल से अच्छे संबंध कायम किए, जबकि दर्जनों मुस्लिम देश इजराईल से दुश्मनी रखते हैं। इजराईल की बजाय भारत की पूर्ववर्ती सरकारों ने फिलिस्तीन की स्वतंत्रता का समर्थन किया था, लेकिन भारत की वर्तमान सरकार इजराईल का एक तरफा समर्थन करती है और फिलिस्तीन उसकी प्राथमिकता में नहीं है। इसलिए माना जा रहा है कि भारत और तुर्की के संबंधों में दूरियां बढ़ने वाली हैं, क्योंकि तुर्की ने दुश्मन देश पाकिस्तान का एक तरफा समर्थन करके भारत से दुश्मनी मोल ली है। वैसे भारत और तुर्की एक दूसरे के पड़ौसी देश नहीं हैं। इसलिए दोनों के बीच सीमाओं पर युद्ध जैसी गतिविधि नहीं हो सकती है। तुर्की प्रत्यक्ष रूप से पाकिस्तान का साथ देकर भारत से दुश्मनी निकाल सकता है या फिर अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत के खिलाफ बोल सकता है। तुर्की का पाकिस्तान के प्रति लगाव ऐसे ही दिखाई नहीं दे रहा है, तुर्की पाकिस्तान को इस्लाम के नाम पर भाई-भाई बता रहा है। लेकिन इसके पीछे तुर्की की मंशा कुछ और ही दिखाई दे रही है। तुर्की विश्व में मुस्लिम देशों का खलीफा बनना चाहता है, क्योंकि तुर्की 13वीं से 18वीं सदी तक बड़ा साम्राज्य रह चुका है और अपनी पुरानी बादशाहत कायम करना चाहता है। इसके लिए वह तेजी से आगे बढ़ रहा है। विश्व में शक्तिशाली बनने के लिए किसी देश के पास परमाणु हथियार होना जरूरी है। तुर्की क्योंकि खुद परमाणु हथियार बना नहीं सका है, इसलिए पाकिस्तान से परमाणु तकनीक हासिल करने के लिए तुर्की उसका साथ आगे बढ़कर दे रहा है। पाकिस्तान पर कोई भरोसा नहीं करता कि वह परमाणु हथियारों के प्रयोग के मामले में गंभीर देश है। पाकिस्तान तुर्की को परमाणु तकनीक दे सकता है? तुर्की को एक बार परमाणु बम बनाने की तकनीक मिल जाने के बाद वह अपनी असलियत दिखाने में देर नहीं करेगा। तुर्की का पाकिस्तान को आगे बढ़कर मदद करने के पीछे परमाणु बम बनाने की तकनीक हासिल करने का लक्ष्य दिखाई देता है।

क्या है फास्टैग का असली सच?

भारत सरकार ने टोल प्लाजा पर वाहनों की लंबी कतारों को खत्म करने और डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'फास्टैग' प्रणाली को लागू किया था। यह एक ऐसा कदम था जिसे शुरुआत में 'डिजिटल इंडिया' के एजेंडे का हिस्सा माना गया और यह दावा किया गया कि इससे देश की टोल प्रणाली पारदर्शी, तेज़ और कुशल बनेगी। लेकिन आज जब हम इस व्यवस्था की वास्तविकता को देखते हैं, तो कई सवाल उठते हैं – क्या वाकई फास्टैग से सुविधा बढ़ी है? क्या टोल वसूली में पारदर्शिता आई है? क्या आम जनता को इससे फायदा हुआ या यह सिर्फ एक और बोझ साबित हुआ?

इस संपादकीय लेख में हम फास्टैग की हकीकत, इसके फायदे, चुनौतियां, सरकारी दावे और ज़मीनी हकीकत की गहराई से पड़ताल करेंगे।

फास्टैग क्या है?

फास्टैग एक रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन आधारित तकनीक है जिसे वाहन के सामने वाले शीशे पर लगाया जाता है। जब वाहन टोल प्लाज़ा पर पहुंचता है, तब यह टैग टोल बूथ पर लगे सेंसर से जुड़कर ऑटोमेटिक भुगतान की अनुमति देता है। यह भुगतान वाहन मालिक के लिंक किए गए बैंक खाते या वॉलेट से सीधे कट जाता है।

यह प्रणाली 2016 में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू की गई थी और फरवरी 2021 से इसे सभी चारपहिया वाहनों के लिए अनिवार्य कर दिया गया।

फास्टैग की शुरुआत: एक क्रांतिकारी पहल?

फास्टैग की शुरुआत सबसे पहले 2014 में एक पायलट प्रोजेक्ट के रूप में की गई थी, लेकिन इसे व्यापक स्तर पर लागू करने की शुरुआत 2016-17 में हुई। 15 फरवरी 2021 से इसे अनिवार्य कर दिया गया – यानी देश के सभी टोल प्लाजा पर कैशलेस भुगतान के लिए फास्टैग जरूरी कर दिया गया। इसका उद्देश्य था टोल बूथ पर लगने वाली भीड़ को कम करना, ईंधन की बचत करना और वाहनों की आवाजाही को सुगम बनाना। यह टोल भुगतान की एक ऐसी प्रणाली है जो रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन (RFID) तकनीक पर आधारित है। वाहन की विंडस्क्रीन पर लगाया गया एक छोटा सा टैग टोल प्लाजा पर लगे सेंसर से जुड़ जाता है और खाते से स्वतः भुगतान हो जाता है।

सरकारी दावे: तेज़ यात्रा, पारदर्शिता और बचत

सरकार की ओर से यह बताया गया कि फास्टैग से वाहनों को टोल पर रुकना नहीं पड़ेगा, जिससे समय की बचत होगी। वाहनों को ब्रेक और एक्सेलेरेटर पर बार-बार ज़ोर नहीं देना पड़ेगा, जिससे ईंधन की खपत कम होगी। नकद लेन-देन खत्म होगा, जिससे भ्रष्टाचार कम होगा। टोल वसूली डिजिटल होगी, जिससे राजस्व में पारदर्शिता आएगी। नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (NHAI) के अनुसार, फास्टैग के कारण टोल प्लाज़ा की क्षमता बढ़ी है और औसतन 30-40% अधिक गाड़ियां टोल प्लाज़ा पार कर पा रही हैं।

ज़मीनी हकीकत: सच्चाई उतनी सीधी नहीं

हालांकि यह दावे आकर्षक लगते हैं, लेकिन ज़मीनी हकीकत काफी अलग है। आम लोगों के अनुभवों से कई परेशानियां सामने आई हैं, जो इस व्यवस्था की खामियों की ओर इशारा करती हैं

1. तकनीकी समस्याएं

कई बार टोल प्लाज़ा पर लगे स्कैनर सही तरीके से टैग को नहीं पढ़ पाते। इससे वाहन चालकों को वहीं रुकना पड़ता है और मैनुअल इंटरवेंशन की ज़रूरत होती है। कभी-कभी पैसा कट भी जाता है लेकिन गाड़ी पास नहीं होती, जिससे विवाद होते हैं।

2. ग्राहक सेवा की कमी

जब फास्टैग में पैसा कटने के बाद भी टोल प्लाज़ा से वाहन को रोक लिया जाता है, तो इसकी शिकायत के लिए हेल्पलाइन पर संपर्क करना पड़ता है। लेकिन बैंक, NHAI या ऑपरेटर के बीच तालमेल की कमी के चलते शिकायतें लंबे समय तक सुलझाई नहीं जातीं।

3. डबल कटौती और गलत चार्जेस

कई वाहन चालकों ने शिकायत की है कि एक ही टोल पर दो बार भुगतान लिया गया। कुछ मामलों में गलत तरीके से जुर्माना या दोहरी कटौती की गई। इस तरह की त्रुटियां खासकर निजी बैंकों द्वारा जारी फास्टैग में अधिक देखी गई हैं।

4. असमानता और भेदभाव

फास्टैग की अनिवार्यता के बाद टोल प्लाज़ा पर दोहरी कतार खत्म होने की बात की गई थी, लेकिन कई जगह आज भी कैश लेन चालू हैं। इसके चलते नियमों का पालन करने वाले को भी उन्हीं समस्याओं से जूझना पड़ता है, जिससे बचने के लिए उन्होंने फास्टैग अपनाया था।

क्या है फास्टैग का असली उद्देश्य?

यह सवाल बेहद अहम है। सरकार ने इसे "सुविधा" और "डिजिटलाइजेशन" के नाम पर पेश किया, लेकिन इसका एक आर्थिक पहलू भी है। फास्टैग के माध्यम से सरकार को हर वाहन के मूवमेंट का डेटा मिलता है। इससे न केवल राजस्व पर नज़र रखी जाती है, बल्कि यह निगरानी प्रणाली का हिस्सा भी बन जाती है। बैंक और प्राइवेट ऑपरेटर इससे मुनाफा कमा रहे हैं। कई बार रिचार्ज, मेंटेनेंस या अन्य सेवाओं पर शुल्क लिया जाता है जो वाहन मालिकों को वित्तीय बोझ लगता है।

प्रशासनिक लापरवाही और जवाबदेही की कमी

भारत में व्यवस्था लागू करने में सबसे बड़ी कमी होती है – जवाबदेही। यदि कोई व्यक्ति गलती से डबल चार्ज हो जाए, तो उसके पैसे वापस मिलने में महीनों लग जाते हैं। कोई स्पष्ट शिकायत निवारण प्रणाली नहीं है। टोल ऑपरेटर, बैंक और सरकार – तीनों अपनी जिम्मेदारी एक-दूसरे पर डाल देते हैं।

इसके अलावा, ग्रामीण क्षेत्रों में या छोटे वाहन मालिकों के लिए फास्टैग के रजिस्ट्रेशन, केवाईसी और मेंटेनेंस अपने आप में एक जटिल प्रक्रिया है। डिजिटली साक्षरता की कमी के कारण यह सुविधा आम आदमी के लिए उल्टा परेशानी बन गई।

वैकल्पिक दृष्टिकोण: क्या टोल प्रणाली ही सही है?

भारत में टोल प्रणाली को लेकर एक बड़ा विमर्श यह भी है कि क्या आम जनता पर इस तरह से बार-बार टैक्स लेना उचित है? एक तरफ तो पेट्रोल-डीज़ल पर टैक्स लिया जा रहा है, रोड टैक्स भी लिया जा रहा है, फिर टोल टैक्स क्यों?

फास्टैग के ज़रिए टोल वसूली को सुव्यवस्थित करना एक बात है, लेकिन मूल सवाल यह है कि:

क्या टोल हटाकर रोड सेस के ज़रिए एकसमान शुल्क व्यवस्था लागू नहीं की जा सकती?

क्या राष्ट्रीय राजमार्गों पर मुफ्त यात्रा नागरिकों का अधिकार नहीं होना चाहिए, खासकर जब वे पहले ही कई करों के बोझ से दबे हों?

निजीकरण और मुनाफाखोरी का खतरा

एक और चिंता की बात यह है कि फास्टैग प्रणाली के ज़रिए टोल वसूली को कई निजी कंपनियों के हवाले कर दिया गया है। इससे पारदर्शिता की बजाय निजी मुनाफे की प्रवृत्ति हावी होती जा रही है। यदि टोल की दरें मनमानी बढ़ाई जाती हैं, तो आम नागरिक के पास विरोध का कोई साधन नहीं बचता।

समाधान क्या हो सकते हैं?

पारदर्शिता और जवाबदेही

सरकार को फास्टैग डाटा के इस्तेमाल और शेयरिंग को लेकर स्पष्ट नीति बनानी चाहिए।

नागरिकों को यह जानने का अधिकार होना चाहिए कि उनके डाटा का किस उद्देश्य से इस्तेमाल हो रहा है।

विकल्प की आज़ादी

हर नागरिक को यह विकल्प मिलना चाहिए कि वह फास्टैग का इस्तेमाल करे या नकद भुगतान करे, बिना दंड के।

सुरक्षा व्यवस्था

फास्टैग डाटा को सुरक्षित रखने के लिए साइबर सुरक्षा उपायों को और सख़्त करना होगा।

निजी कंपनियों को इस डाटा तक पहुंच देने से पहले उन्हें सख़्त नियमों में बांधना होगा।

इंसानी ज़िन्दगी में पानी की एहमियत

पानी ज़मीन पर बसने वाली हर ज़िन्दा मख़लूक़ के लिए सबसे अहम तत्वों में से एक है। इस्लाम ने पानी के सही इस्तेमाल की जितनी तालीम दी है, वो इसी से शुरू होती है कि इंसान को ये एहसास दिलाया जाए कि ये नेमत कितनी बड़ी है। अल्लाह तआला ने तमाम ज़िन्दा चीज़ों को पानी से पैदा किया, और उसी की ताक़त से हमें पीने लायक पानी मयस्सर होता है। फिर इस्लामी शरीअत ने कुरआन और सुन्नत से उसूल निकालकर पानी की मुख़्तलिफ़ क़िस्मों और हालतों के हिसाब से हुक्म तय किए — कहाँ पानी पाक है, कहाँ नापाक, किस तरह उसका इस्ते'माल जायज़ है और कहाँ उसे ज़ाया करना या गंदा करना हराम है। अकसर ऐसा होता है कि इंसान जिस नेमत में डूबा होता है, उसी को भूल जाता है। पानी भी एक ऐसी ही नेमत है, जब तक ये आम है, हम इसकी क़द्र नहीं करते। लेकिन जब कहीं सूखा पड़ता है, तो इसी पानी की एहमियत याद आती है। और जब बाढ़ आती है, तो हमें इसकी तबाही का अंदाज़ा होता है। कुरआन में अल्लाह तआला इंसान को याद दिलाता है कि "अगर तुम्हारा पानी ज़मीन के नीचे चला जाए, तो उसे फिर कौन लाएगा?" {कहो: बताओ अगर तुम्हारा पानी ज़मीन में समा जाए तो फिर कौन है जो तुम्हें साफ़ बहता हुआ पानी ला देगा?} (क़ुरआन 67:30)

जब हम पानी के बारे में ग़ौर करते हैं तो हमें अल्लाह की कुदरत का अंदाज़ा होता है, ये ऐसा साफ़ और बे-रंग, बे-ज़ायका, बे-बू माया (लिक्विड) है, जिसके बग़ैर ज़िन्दगी मुमकिन नहीं। इंसान की रूह भी इससे तस्कीन पाती है, चाहे दुनिया के कितने ही रंग-बिरंगे, स्वादिष्ट मशरूबात क्यूँ न हों। प्यास बुझाने के लिए सबसे पहले पानी ही चाहिए।

इंसान शुरू से इसका इस्तेमाल करता आया है, फिर भी आज तक साइंस नई-नई बातें पानी के बारे में जान रही है। पानी का बाक़ायदा एक इल्म है हाइड्रॉलोजी जो सिर्फ़ पानी को समझने के लिए है।

कुरआन क्या कहता है पानी के बारे में?

कुरआन में पानी की अहमियत का बार-बार ज़िक्र आता है। अल्लाह तआला फ़रमाता है:

{... और अल्लाह ने हर ज़िन्दा चीज़ को पानी से पैदा किया} (क़ुरआन 21:30)

{अल्लाह ने हर ज़िन्दा मख़लूक़ को पानी से पैदा किया} (क़ुरआन 24:45)

कुछ मुफस्सिरीन (कुरआन के व्याख्याकार) कहते हैं कि "हर ज़िन्दा चीज़" में जानवर भी शामिल हैं और पेड़-पौधे भी, क्योंकि उनकी नशो-नुमा (विकास) भी पानी से ही होती है। साइंस भी यही बताती है कि हर सेल (कोशिका) में पानी सबसे ज़्यादा होता है, और यही उसकी बुनियादी तामीर का हिस्सा है। इंसानी जिस्म में भी क़रीब 65% हिस्सा पानी से बना होता है।

{और वही (अल्लाह) है जो आसमान से बारिश बरसाता है और हम उससे तमाम चीज़ों को उगाते हैं... अंगूर, ज़ैतून, अनार वग़ैरह} (क़ुरआन 6:99)

पानी से ना सिर्फ़ इंसानों की ज़िन्दगी चलती है, बल्कि तमाम ज़मीन की हरियाली, जानवरों की ग़िज़ा, और फल-सब्ज़ियों की पैदावार भी होती है। कुरआन कई आयतों में पानी से उगने वाले मुख़्तलिफ़ फलों और फ़सलों का ज़िक्र करता है। इससे ये बात और वाज़ेह होती है कि पानी हर किस्म की ज़िन्दगी के लिए लाज़मी है।

पानी की पवित्रता भी एक नेमत है

अल्लाह तआला ने हमें सिर्फ़ पीने के लिए नहीं, बल्कि ग़ुस्ल, वुज़ू और नजासत (गंदगी) को साफ़ करने के लिए भी पानी अता किया। कुरआन कहता है: {और हमने आसमान से पाक पानी उतारा} (क़ुरआन 25:48)

पैग़म्बर मुहम्मद ﷺ भी अपनी दुआओं में पानी का ज़िक्र इस तरह करते थे: "ऐ अल्लाह, मेरे गुनाहों को पानी, बर्फ़ और ओले से धो दे।" (हदीस: मुस्लिम)

हदीसों में बताया गया है कि मरने के बाद जनाज़े की दुआ में भी यही अल्फ़ाज़ इस्तेमाल होते हैं — "ग़ुस्ल दे उसे पानी, बर्फ़ और ओले से..." क्योंकि ये सब अल्लाह की पाक चीज़ें हैं जो इंसान को पाक करती हैं।

इस्लाम कहता है कि पानी, घास और लकड़ी ये तीन चीज़ें तमाम मुसलमानों की साझी मिल्कियत हैं। कोई शख़्स किसी कुएँ या नहर के पानी को अपनी मिल्कियत बनाकर दूसरों को रोके, तो ये नाजायज़ है जब तक वो ख़ास तौर पर किसी की ज़मीन या प्राइवेट जगह न हो। हदीस में सख़्त अल्फ़ाज़ में उन लोगों की मज़म्मत की गई है जो रास्ते में पानी रखते हुए भी मुसाफ़िर को नहीं देते। इस्लामी तालीमात में पानी को बहुत बड़ी नेमत माना गया है। ये सिर्फ़ एक क़ुदरती ज़रूरत नहीं, बल्कि एक अमानत है जिसे सँभालना, ज़ाया होने से बचाना और दूसरों के साथ बाँटना, सबका फ़र्ज़ है। इस्लाम हमें न सिर्फ़ इसका शुकर अदा करना सिखाता है, बल्कि इसके इस्तेमाल के अदब भी बताता है।

दुआ की कुबुलियत

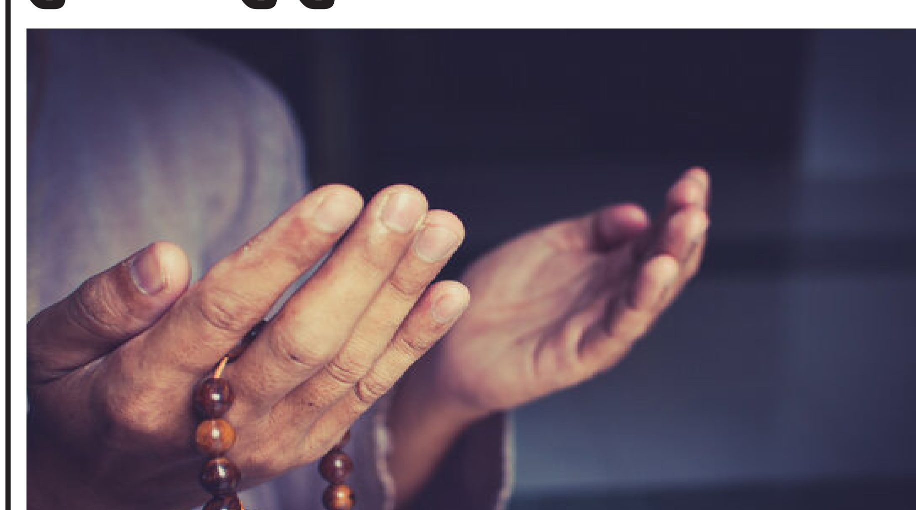

दुआ की कुबुलियत के लिए नमाज की पबंदी और अकीदे की दुरुस्तगी जरूरी है। अल्लाह तआला का कुर्ब दुआ करने से हासिल होता है। दुआओ से तकदीरें बदल जाती है और अल्लाह तआला इसांन को एक मुकाम से दूसरे मुकाम तक पहुंचा देता है। दुआ मोमीन का हथियार है और शैतान से बचाता है। दुआ इबादत की जान है और खुदा से मुलाकात का जरीया है। दुआ करने के लिए आगे पीछे दुरूद पढऩा लाजिमी है। यह एक ऐसी इबादत है जो समुद्री तूफानो को रोक देती है और दरियाओ के रूख को मोड़ देती है। दुआ बदंगी जो बकशीश के दरवाजे खोल देती है। और मुआफी का क्लम फैर देती है खुशु व खुजु अजीज व इन्केसारी और खुलुस के साथ मॉगी हुई दुआ कभी बारगाह इलाही से रद्द नही की जाती। हदीसं में है के दुआ के अलावा सदका भी बुराई के 70 दरवाजे बंद कर देता है। सदका कबर की गरमी को दूर करता है और तकब्बुर और फकीरी को हटा देता है। अल्लाह तआला इसकी आमदनी में खैर व बरकत अता करता है। अल्लाह की जात व सिफात में किसी को मिलाना शिर्क कहलाता है। हर मुराद पूरी करने वाला वह वहादाहुला शरीक कलाहु है। इसलिए सिर्फ अल्लाह तआला से ही मांगो मगर सच्चे अकीदे के साथ क्योंकि यही सच्चे मोमीन की निशानी है। शिर्क इसांन के अमाल को र्बबाद कर देता है चाहे वह कितना ही नेक इबादत गुजार या तहजुद गुजार ही क्यो ना हो। मुशरीक की जुबान सेनिकली हुई बात की कोई तासीर नही रखती। जब इसांन अपने अमाल में शिर्क को जगह देकर सीधी राह और इस्तेकामात से हट जाते है तो वह अल्लाह तआला की तरफ से किसी मदद और सहारे के मुस्तहिक नही रहते और अल्लाह तआला की नजर ऐ इनायत से मेहरूम रहते है। लिहाजा हमें अपने दामन को शिर्क के काटो से हमेशा दुर रखना चाहिए। गैर अल्लाह को पुकारना गुमराही का सबब है नेकी का बदला नेकी से देना अखलाक हसना की बेहतरीन मिसाल है। सब्र करना दिल की हिदायत और रोशनी का जरिया बनता है। जो शख्स अल्लाह तआला का वास्ता देकर पनाह तलब करता है तो इसको पनाह दी जाती है। आज कल लोग जहालत की तरफ तेजी से बढ़ कर अपनी अमली जिन्दगी में शिर्क को जगह देकर अपने इमान की रोशनी को गुल कर रहे है। अल्लाह तआला के साथ दूसरो कों शिर्क करके अपने अमाल में गिलाजत के अनबर लगा रहे है। अल्लाह तआला की तरफ निगाह रखो वह तुम्हें भी अपनी निगाह में रखेगा।

अगर तुम इसे अपनी निगाह में रखोगे तो इसे अपने सामने पाएंगें जब भी तुम कुछ मांगो अपने अल्लाह ही से मांगो और यकीन कर लो के अगर दुनिया में सब लोग जमा हो कर तुम्हें कुछ नफहा या नुकसान पहुंचाना चाहे तो हरगीज नही पहुचा सकते। अल्लाह के सिवा हर इला और हर मौला बालिक है हम को यह जैब नही देता के गुलाम किसी और के हो और हुकुम किसी और का माने। बंदे किसी और के हो और बदंगी किसी और की करें। खाऐ किसी और का और गुन किसी और के गाऐ। जो खुद हम जैसी मखलूक हो वह हमें क्या दे सकता है और दुख में मदद करने वाला और कुवत वाला वह अकेला जबरदस्त है। जो शख्स खुदा से नही डरता वह लोगो के गेज गजब का निशाना बन पाता है। और खुद को बेबस मजबूर पाता है।

जिस पर नसीहत असर नही करे इसका दिल इमान से खाली है। जो शख्स तकदीर पर इमान नही रखता वह इमान के मजे से बिल्कुल मेहरूम है। तुम में बेहतरीन वो लोग है जिन को देख कर अल्लाह तआला की याद ताजा होती है। इनके नेक अमाल को देख कर अपने लिऐ आखिरत की रूगबद पैदा करे। हर मांगी दुआ में यकीन का होना लाजमी है क्योकि अल्लाह कोई अमलऔर आपकी आँखों से निकला आसु जाये नही करता है। दिल से यकीन करे के हमने जो मांगा के वह अल्लाह जरूर देगा इंसान का यकीन ऐसा हो जैसे समुद्र में खड़े है और अल्लाह रास्ता निकालेगा। बस नियत पुखता रखे क्योकि अल्लाह नियत पर फैसला करता है और कुन फ्याकुन का नजारा दिखाता है। इसलिए कभी मायुस नही होना

चाहिए अल्लाह की जात से क्योकि अल्लाह यकीन करने वालो से मुहब्बत करता है और अल्लाह फरमाता है मेरे से मांगों में तुम्हे दूंगा यह मेरा वादा है लेकिन अल्लाह इंसान को आजमाता है उसकी सबसे महबूब चीज से और सब्र दुआ के जरियें इसांन को उसकी मंजिल तक पहुंचाता है। अगर इंसान को उसकी मंजिल मिलने में वक्त लग रहा है तो यकीन करे अल्लाह कुछ इस तरह की परेशानी देता है जिसे देखकर इसांन को लगता है के उसकी मंजिल मिलना मुश्किल ही नही बल्के ना मुमकिन है लेकिन इंसान भुल जाता है के अल्लाह के लिए कुछ भी ना मुमकिन नही है। अल्लाह सिर्फ इंसान का पुख्ता इरादा और नियत देखता है इसलिए नमाज सब्र के जरिये अल्लाह से मदद मांगें और यकीन करे वह जरूर देगा। मेरा यकीन यह है के अगर कोई मेरे से यह कहे के जमीन आसमान अपनी जगह से हिल गए है तो में यकीन कर लूगा लेकिन कोई यह कहे कि अल्लाह से मैने मांगा और उसने नही दिया तो में यकीन नही करूंगा। यही कहूगा यह हो नही सकता क्योकि अल्लाह से मांगो वह जरूर देगा।

मुकेश अंबानी के बाद कौन? रिलायंस में नेतृत्व परिवर्तन की तैयारी और चुनौतियाँ

रिलायंस इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड न सिर्फ भारत की सबसे बड़ी कंपनियों में से एक है, बल्कि इसकी कामयाबी का रिश्ता सीधे मुकेश अंबानी के नेतृत्व से जुड़ा रहा है। लेकिन अब जब वह धीरे-धीरे अपने बच्चों को कमान सौंपने की प्रक्रिया में हैं, तो सबसे बड़ा सवाल यह उठता है — क्या यह सत्ता हस्तांतरण उतना ही सहज, सशक्त और दूरदर्शी होगा जितना देश और दुनिया को उम्मीद है?

एक परिवार, कई आयाम

रिलायंस की अगली पीढ़ी अब नेतृत्व के अलग-अलग क्षेत्रों में कदम रख चुकी है। आकाश अंबानी को जियो (टेलीकॉम) की बागडोर सौंपी जा चुकी है। ईशा अंबानी रिटेल कारोबार को संभाल रही हैं। अनंत अंबानी को एनर्जी सेक्टर यानी भविष्य की ग्रीन एनर्जी परियोजनाओं में सक्रिय भूमिका दी जा रही है। यह विभाजन केवल औपचारिक नहीं है — यह एक रणनीतिक कोशिश है ताकि रिलायंस एक परिवार आधारित लेकिन पेशेवर संस्था के तौर पर उभरे।

नेतृत्व परिवर्तन की चुनौती

भारत में पारिवारिक कंपनियों में नेतृत्व का ट्रांज़िशन अक्सर विवादों, मतभेदों और अस्थिरता के साथ जुड़ा रहा है। रिलायंस खुद इस इतिहास का एक हिस्सा रहा है — धीरूभाई अंबानी के निधन के बाद मुकेश और अनिल अंबानी के बीच वर्चस्व की लड़ाई सबको याद है।

मुकेश अंबानी इस बार उस गलती को दोहराना नहीं चाहते। उन्होंने पहले से ही नेतृत्व में उत्तराधिकार की स्पष्ट रूपरेखा बना दी है। यह पारदर्शिता रिलायंस को स्थिरता और निवेशकों के भरोसे की दृष्टि से मजबूत बनाती है।

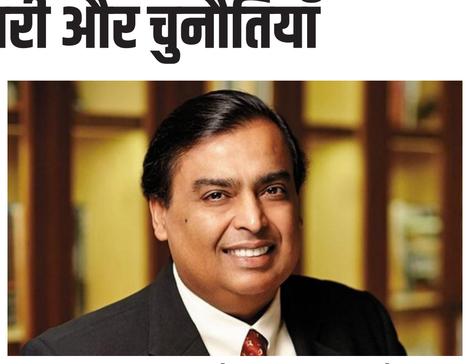

क्या नई पीढ़ी तैयार है?

यह सबसे अहम सवाल है। आकाश अंबानी के कार्यकाल में जियो ने 5G लॉन्च किया, डिज़्नी-स्टार जैसे मीडिया सौदों में हिस्सा लिया और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर में गहराई से निवेश किया। ईशा अंबानी की निगरानी में रिलायंस रिटेल ने कई नई साझेदारियाँ कीं और ऑनलाइन-ऑफलाइन मॉडल को बेहतर रूप में पेश किया।

अनंत अंबानी अभी सीखने की अवस्था में हैं, लेकिन हर सार्वजनिक मंच पर ग्रीन एनर्जी और हाइड्रोजन परियोजनाओं को लेकर उनकी जानकारी और दिलचस्पी साफ दिखती है। हालाँकि अभी इन्हें 'टेस्टेड एंड ट्रस्टेड' नहीं कहा जा सकता, लेकिन इनकी ट्रेनिंग और अंबानी परिवार का समर्थन इन्हें आगे बढ़ने में मदद करेगा।

मुकेश अंबानी की भूमिका अभी भी अहम

यह सत्ता हस्तांतरण कोई अचानक किया गया निर्णय नहीं है, बल्कि यह 'फेडेड लीडरशिप ट्रांज़िशन' की रणनीति है। मुकेश अंबानी अभी भी चेयरमैन के रूप में सक्रिय हैं। वे न सिर्फ अपने बच्चों को मार्गदर्शन दे रहे हैं, बल्कि पूरी कंपनी की नीतियों पर नज़र भी रखे हुए हैं। इसका फायदा यह है कि यदि किसी फैसले में अनुभव की ज़रूरत हो, तो अंबानी सीनियर की मौजूदगी गारंटी देती है कि कंपनी किसी गलत मोड़ पर नहीं जाएगी।

भविष्य की चुनौती: ग्रीन एनर्जी और टेक्नोलॉजी

रिलायंस अब तेल और गैस आधारित कंपनी नहीं रही। वह अब रिन्युएबल एनर्जी, डिजिटल कॉमर्स, क्लाउड कंप्यूटिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, जैसे भविष्य के क्षेत्रों में उतर चुकी है। इन क्षेत्रों में प्रतिस्पर्धा भी ज्यादा है और टेक्नोलॉजी का बदलता स्वरूप भी बड़ी चुनौती है। यह देखना दिलचस्प होगा कि अगली पीढ़ी किस हद तक कंपनी को इन उभरते क्षेत्रों में नेतृत्व दिला पाती है।

निवेशक क्या सोचते हैं?

अभी तक रिलायंस के शेयरधारकों और विश्लेषकों ने उत्तराधिकार योजना को सकारात्मक रूप से लिया है। शेयर की स्थिरता, ग्रोथ संकेत और विदेशी निवेशक की रुचि यह संकेत देते हैं कि उन्हें परिवार की इस ट्रांज़िशन योजना पर भरोसा है। हालांकि, दीर्घकालिक सफलता इसी पर निर्भर करेगी कि नई पीढ़ी किस हद तक मूल्य सृजन (Value Creation) कर पाती है।

राजस्थान अनुसूचित जनजाति परामर्शदात्री परिषद की बैठक आयोजित

-पंडित दीनदयाल उपाध्याय संबल पखवाड़े के आयोजन से जरूरतमंद तक पहुंचेगा योजनाओं का पूरा लाभ -भजनलाल शर्मा

जयपुर,(रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार अनुसूचित जनजातियों के कल्याण एवं टीएसपी क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए पूर्ण प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि राजस्थान अनुसूचित जनजाति परामर्शदात्री परिषद केन्द्र एवं राज्य सरकार की महत्वूपर्ण योजनाओं का सफल क्रियान्वयन सुनिश्चित कर रही है।

शर्मा शुक्रवार को मुख्यमंत्री निवास पर जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग की ओर से आयोजित राजस्थान अनुसूचित जनजाति परामर्शदात्री परिषद की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि स्थानीय जनप्रतिनिधि प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित कर भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के अवसर पर 15 से 30 जून तक चलाए जा रहे धरती आबा जन-भागीदारी अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाते हुए इसे सफल बनाएं। उन्होंने वनाधिकार अधिनियम-2006 के तहत लंबित व्यक्तिगत एवं सामुदायिक दावों का शीघ्र निस्तारण कर अधिकार पत्र जारी करने के निर्देश दिए।

बजट घोषणाओं व विकास कार्यों को समय से करें पूरा

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग द्वारा स्वीकृत किए गए कार्यों को गुणवत्ता के साथ शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश प्रदान किए। उन्होंने बजट घोषणा वर्ष 2024-25 के कार्यों को जल्द पूरा करने और बजट घोषणा वर्ष 2025-26 के कार्यों में गति लाने के निर्देश दिए। साथ ही, उन्होंने स्कूल शिक्षा, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता और उच्च शिक्षा विभाग के द्वारा विद्यार्थियों को दी जाने वाली छात्रवृत्ति का समयबद्ध भुगतान सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए।

शर्मा ने जल संसाधन विभाग की परियोजनाओं तथा कृषि एवं उद्यानिकी विभाग की गतिविधियों में प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को सड़क निर्माण एवं जल जीवन मिशन के कार्यों को पूर्ण गुणवत्ता के साथ पूरा करने के लिए निर्देशित किया। वहीं उन्होंने जनजाति क्षेत्र में बिजली कनेक्शन समय पर जारी करने के भी निर्देश दिए।

केन्द्र सरकार की योजनाओं से जनजाति समुदाय को करें लाभान्वित

मुख्यमंत्री ने टीएसपी क्षेत्र में प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत रोगियों की पहचान और उपचार सहायता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने पीएम-जनमन के तहत स्वीकृत कार्यों को गति प्रदान करने और धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत आयोजित हो रही विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से आदिवासी परिवार तक सरकारी योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ पहुंचाने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को प्रधानमंत्री वन-धन योजना के माध्यम से जनजाति समुदाय की आय बढ़ाने के लिए भी निर्देशित किया।

टीएसपी क्षेत्र में आवासीय विद्यालयों व छात्रावासों का हो नियमित निरीक्षण

शर्मा ने 24 जून से प्रारम्भ होने वाले पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़े में जनप्रतिनिधियों को पूर्ण सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए कहा, जिससे योजनाओं का पूरा लाभ जरूरतमंद तक पहुंच सके। उन्होंने अधिकारियों को आवासीय विद्यालयों और छात्रावासों का नियमित निरीक्षण करने सहित मां-बाड़ी केन्द्रों में भोजन और पोषाहार की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने टीएसपी क्षेत्र में मिनी बीज किट के शेष वितरण कार्य को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी, राजस्व मंत्री हेमन्त मीणा, विधायक समाराम, फूल सिंह मीणा, प्रताप लाल भील, श्रीमती शान्ता अमृत लाल मीणा, गोपीचंद मीणा, ललित मीणा, महेन्द्र पाल मीणा, हंसराज मीणा, राजेन्द्र मीणा, रामबिलास, शंकर लाल डेचा एवं मुख्य सचिव सुधांश पंत सहित विभिन्न विभागों के अतिरिक्त मुख्य सचिव, प्रमुख शासन सचिव, शासन सचिव एवं वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की पूर्व संध्या पर सरस योग संगम आयोजित

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने शुक्रवार को सेंट्रल पार्क में स्वयं योग करके आम जन को योग क्रियाएं करवाई। उन्होंने युवाओं और 50 वर्ष के ऊपर के लोगों के लिए योग और गति से जुड़ी विभिन्न शारीरिक मुद्राओं का प्रदर्शन कर प्रतिदिन इन्हें कर स्वस्थ जीवन जीने का संदेश दिया।

उन्होंने कहा कि योग हजारों साल से चली आ रही हमारी संस्कृति है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के लिए 21 जून को इसलिए चुना गया की वर्ष के 365 दिन में यह सबसे बड़ा दिन होता है। उन्होंने कहा कि मूलतः योग भारत का हैं। महर्षि पतंजलि ने इसकी शुरुआत की। जो योग नियमित करता है, वह जीवन पर्यंत स्वस्थ रहता है और उसकी आयु बढ़ती है।

राज्यपाल ने शुक्रवार को सेंट्रल पार्क में राजस्थान कॉपरेटिव फेडरेशन, सरस डेयरी द्वारा आयोजित सामूहिक योग एवं स्वास्थ्य शिविर कार्यक्रम में भाग लेने के साथ ही योग शिक्षकों, कलाकारों और योग शिक्षण से जुड़े प्रतिभावान बच्चों को प्रशस्ति पत्र और अपनी ओर से नकद पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित भी किया।

इस अवसर पर उद्योग, खेल एवं युवा मामले विभाग मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कहा कि योग मन, बुद्धि और शरीर की एकता स्थापित करता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार काम करते हैं और इसकी प्रेरणा योग को बताते हैं। उन्होंने कहा कि भागमभाग की इस जिंदगी में योग से ही स्वस्थ रहा जा सकता है।

विधायक गोपाल शर्मा ने योग की भारतीय परंपरा और योगेश्वर कृष्ण की चर्चा करते हुए प्रधानमंत्री के नेतृत्व में सीमा पर आतंकवाद के ठिकाने नष्ट करने को महती बताते हुए कहा कि यह भी योग से संभव हुआ।

आरंभ में प्रबंधक निदेशक श्रीमती श्रुति भारद्वाज ने स्वागत उद्बोधन में सरस की गतिविधियों और योग संस्कृति के लिए किए जा रहे कार्यों के बारे में अवगत कराया। सरस डेयरी के अध्यक्ष ओमप्रकाश पुनिया भी उपस्थित रहे। इससे पहले तन्मय सिंह राव और अंकुश ने दुर्लभ योग मुद्राओं का प्रदर्शन किया। डॉ. महेंद्र सिंह राव के नेतृत्व में लोगों ने सामूहिक योग, व्यायाम भी किया।

उपमुख्यमंत्री ने एसएमएस स्टेडियम में लिया राज्य स्तरीय कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (21 जून) के अवसर पर शनिवार को आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय कार्यक्रम को सफल एवं भव्य बनाने के लिए शुक्रवार को एसएमएस स्टेडियम पहुंचकर राज्य स्तरीय कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को सुरक्षा, पेयजल, यातायात, पार्किंग सहित तमाम आवश्यक व्यवस्थाओं के संबंध में दिशा-निर्देश प्रदान किए।

उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचन्द ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सतत प्रयासों एवं दूरदृष्टि के फलस्वरूप 21 जून को 'अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस' के रूप में वैश्विक मान्यता प्राप्त हुई है। यह दिवस न केवल भारत में, अपितु विश्वभर में उत्साह एवं उल्लास के साथ मनाया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि योग, हमारी सनातन संस्कृति की अमूल्य देन है, जिसे हमारे ऋषि-मुनियों ने मानवता को प्रदान किया। यह न केवल शारीरिक स्वास्थ्य का साधन है, बल्कि मानसिक संतुलन, आत्मिक शांति एवं जीवनशैली में संतुलन लाने का भी माध्यम है।

उप मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से अपील करते हुए कहा कि योग को अपने दैनिक जीवन का अनिवार्य अंग बनाएं और समाज में योग के प्रचार-प्रसार हेतु प्रेरक भूमिका निभाएं, ताकि हम सभी मिलकर 'स्वस्थ राजस्थान' एवं 'समर्थ भारत' के निर्माण में अपना सक्रिय योगदान दे सकें।

बावड़ी वाले बाबा का 2 दिवसीय वार्षिक उर्स कूल की रस्म के साथ मे सम्पन

मनोहरपूर, (रॉयल पत्रिका)। पुरानी सड़क के पास वाली बावड़ी में स्थित हिंदू मुस्लिम एकता के प्रतीक हजरत बावड़ी वाले सैय्यद बाबा का दो दिवसीय वार्षिक उर्स कूल की रस्म के साथ में विधिवत संपन्न हो गया।

दरगाह के खादीम सलीम शाह उर्फ छित्तर बाबा ने बताया कि उर्स की शुरुआत 19 जून गुरुवार को झंडे की रस्म के साथ में हुई इसी के साथ में जायरिनों का आना शुरू हुआ ।

इसके बाद में बाबा के शाम को चिराग रोशन किया गया रात्रि 10 बजे बाद में राजस्थान की मशहूर कव्वाल सिकंदर वारसी एन्ड कव्वाल पार्टी द्वारा महफिले शमा का आयोजन किया गया। जिसमें एक से बढ़कर एक कव्वाली सुनाकर जायरिनों को खुश कर दिया ।

शुक्रवार 20 जून को सुबह 4 बजे कूल की रस्म हुई इसी के साथ में पत्रकार और सराहनीय कार्य करने वाले तथा दूर दराज के आए हुए सूफियों का इस्तक़बाल किया गया ।

शुक्रवार 20 जून को दोपहर 2 बजे बाद में मोहल्ला सारवान से दरगाह तक चद्दर का जुलूस निकाला इस दौरान हिंदू मुस्लिम ग्रामीणों ने चद्दर के जुलूस पर पुष्प बरसाए व शरबत पिलाकर स्वागत किया। शाम 4 बजे बाद में लंगर का आयोजन किया गया जिसमें जायरिनों ने पंगत प्रसाद लेकर भारत देस की अमन चैन की दुआएं की। इस अवसर पर मुमताज बाबा, महमूद शाह, फज्जु शाह, इरफान शाह, मोहसिन खान आदि लोग उपस्थित थे।

एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग थीम पर मनाया जाएगा अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

- जयपुर जिले में 2 लाख 51 हजार से ज्यादा लोग करेंगे योगाभ्यास

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। जयपुर जिले में शनिवार, 21 जून को ग्यारहवां अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस, 2025 उमंग, उत्साह और उल्लास के साथ मनाया जाएगा। 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य' थीम पर आयोजित होने वाले अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के तहत जयपुर जिले में 2 लाख 51 हजार से अधिक लोग योग का अभ्यास करेंगे। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आमजन से योगाभ्यास करने एवं योग को अपने जीवन का हिस्सा बनाने की अपील की है।

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस आयोजन के प्रभारी एवं आयुर्वेद विभाग के अतिरिक्त निदेशक डॉ. बत्तीलाल बैरवा ने बताया कि जिले का मुख्य कार्यक्रम सवाई मान सिंह स्टेडियम में आयोजित होगा जिसमें राज्यपाल हरिभाऊ बागडे, उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, कैबिनेट मंत्री राज्यवर्द्धन सिंह राठौड़, सांसद श्रीमती मंजू शर्मा, नगर निगम जयपुर ग्रेटर की महापौर श्रीमती सौम्या गुर्जर, विधायक गोपाल शर्मा सहित कई अन्य गणमान्य जनप्रतिनिधिगणों सहित 3 हजार से अधिक प्रतिभागी योगाभ्यास करेंगे।

वहीं, अल्बर्ट हॉल, रामनिवास बाग पर 2000 प्रतिभागी, बिड़ला मन्दिर पर 600 प्रतिभागी, सिटी पार्क मानसरोवर में 200 प्रतिभागी, हवा महल के सामने 100 प्रतिभागी, पत्रिका गेट पर 700 प्रतिभागी, सेन्ट्रल पार्क में 600 प्रतिभागी, जलमहल की पाल पर 1000 प्रतिभागी, आमेर फोर्ट में 600 प्रतिभागी, श्री गलता जी मंदिर परिसर में 200 प्रतिभागी, सिटी पैलेस में 100 प्रतिभागी, श्री गोविन्द देव जी मंदिर में 200 प्रतिभागी, जयगढ़ फोर्ट में 100 प्रतिभागी कुल 9400 सम्मिलित होंगे।

उन्होंने बताया कि जिला कलक्टर के निर्देशों की अनुपालना में आयुर्वेद, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी एवं होम्योपैथी (आयुष) विभाग के तत्वाधान में जयपुर के प्रमुख स्थानों पर योग प्रशिक्षकों द्वारा आमजन को योग का अभ्यास करवाया गया है।

जयपुर शहर के विभिन्न धार्मिक व पर्यटन स्थलों प्रमुख स्थानों के साथ-साथ उपखंड एवं ग्राम पंचायत स्तर तक योग प्रशिक्षकों द्वारा आमजन को योग का अभ्यास करवाया जाएगा। सामूहिक योगाभ्यास से पूर्व आयोजन स्थल पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर संबोधन का सीधा प्रसारण किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि जयपुर ग्रामीण क्षेत्र में धार्मिक एवं पर्यटन स्थल जमवाय माता मन्दिर, जमवारामगढ, शीतला माता मंदिर, चाकसू, शाकम्भरी माता मन्दिर (कोरसीना), श्री दादू धाम पीठाधीश्वर मंदिर, नरैना, एवं ब्लॉक स्तर तथा ग्राम पंचायत स्तर पर एवं सभी आयुर्वेद चिकित्सालय, औषधालय, आयुष्मान आरोग्य मन्दिर में संभावित कुल 2 लाख 51 हजार योगाभ्यासियों को दक्ष योग प्रशिक्षकों द्वारा योगाभ्यास कराया जायेगा।

उन्होंने बताया कि जयपुर जिले में स्वयं सेवी संस्थाओं, योग संस्थाओं एवं विभिन्न सरकारी एवं गैर सरकारी शिक्षण संस्थाओं के द्वारा अन्य सार्वजनिक स्थानों पर भी योगा कराया जायेगा। योगा संगम पोर्टल पर अब तक 1 हजार 652 स्थानों का रजिस्ट्रेशन करवाया जा चुका है।

योग दिवस से पूर्व सैकड़ों लोगों ने किया योगाभ्यास

-विधायक गोपाल शर्मा और निगम चेयरमैन पवन शर्मा नटराज रहे मौजूद

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। विश्व योग दिवस से पूर्व हेरिटेज निगम की ओर से विवेक विहार स्थित अहिंसा पार्क में योग कार्यक्रम आयोजित किया गया। नगर निगम हेरिटेज जयपुर और विवेक विहार पर्यावरण-खेल एवं विकास समिति के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में मानस योगा क्लासेज के योगाचार्य डॉ प्रेम मेहता ने स्थानीय निवासियों को योग अभ्यास कराया। हेरिटेज निगम के स्वच्छता समिति के चेयरमैन पवन शर्मा नटराज ने बताया कि वर्ष 2025 में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का विषय " एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गोपाल शर्मा विधायक सिविल लाइन्स, विशिष्ठ अतिथिगण पवन शर्मा (नटराज), चेयरमैन स्वच्छता एवं स्वास्थ्य समिति, हैरिटेज नगर निगम जयपुर रहे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता सुभाष शर्मा ने की। इस दौरान भाजपा जिला मंत्री रेखा राठौड़, मण्डल अध्यक्ष इन्द परमार एवं गौरव अग्रवाल, पार्षद राजेश कुमावत, अशोक शर्मा, शैलेश माथुर, विनय चौधरी, वीना परिहार, भूपेन्द्र राजावत, एडवोकेट हिम्मत सिंह, अजय वशिष्ठ, मुकुट बापना सहित सैकड़ों लोगों ने योग कर एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य का संदेश दिया।

गांव-ढाणी तक योग की ज्योत जगा रहे आयुष्मान आरोग्य मंदिर

-21 जून को 11 हजार संस्थानों में आयोजित होंगे योग संगम शिविर

जयपुर,(रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर प्रदेश में योग गतिविधियों को व्यापक स्तर पर बढ़ावा मिल रहा है। चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के मार्गदर्शन में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इससे गांव-ढाणी तक योग गतिविधियों की पहुंच सुनिश्चित हो रही है और लाखों लोगों को इसका लाभ मिल रहा है। चिकित्सा विभाग के माध्यम से संचालित आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के माध्यम से योग गतिविधियां जन-जन तक पहुंच रही हैं। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर प्रदेश के 11 हजार से अधिक आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में योग संगम शिविर आयोजित होंगे। इन शिविरों में ग्रामीणजनों सहित शहरी घनी बस्तियों के निवासियों को भी योगाभ्यास करने की सुविधा मिलेगी।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव श्रीमती गायत्री राठौड़ ने बताया कि प्रदेशभर में चिकित्सा एवं आयुष विभाग के माध्यम से 11 हजार से अधिक आयुष्मान आरोग्य मंदिरों का संचालन किया जा रहा है। इन आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में रोगियों को 12 प्रकार की चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाती हैं, जिनमें योग एवं वैलनेस गतिविधियां भी शामिल हैं। अब तक इनके माध्यम से 42 लाख 59 हजार से अधिक योग सत्रों का आयोजन कर 5 करोड़ 28 लाख से अधिक लोगों को लाभान्वित किया गया है।

आमजन को निःशुल्क मिल रही योगाभ्यास की सुविधा—

श्रीमती राठौड़ ने बताया कि योग का जीवन में महत्व एवं इसका अनुसरण करने की भावना के साथ आमजन तक योगाभ्यास सेवा सुलभ करवाने के उद्देश्य में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग भी संकल्पबद्ध होकर सहभागिता निभा रहा है। ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में संचालित हैल्थ एंड वेलनेस सेंटर्स को आयुष्मान आरोग्य मंदिर के रूप में विकसित किया गया है और इन स्वास्थ्य केन्द्रों पर विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं के साथ ही योगाभ्यास की सेवाएं भी निःशुल्क उपलब्ध करवायी जा रही हैं। चिकित्सा विभाग द्वारा प्रारंभ किए गए निरामय राजस्थान अभियान में योगाभ्यास गतिविधियों को शामिल किया गया है एवं ग्रामीण-शहरी क्षेत्रों के आयुष्मान आरोग्य मंदिर केन्द्रों पर योग निपुण प्रशिक्षक के नेतृत्व में आमजन को योगाभ्यास करवाया जा रहा है। प्रत्येक केन्द्र पर प्रतिमाह कम से कम 10 योग सत्र आवश्यक रूप से संचालित करने का प्रावधान किया गया है और इसके लिए योगाभ्यास सत्र आयोजित करने वाले योग प्रशिक्षक को निश्चित पारिश्रमिक दिये जाने का प्रावधान है।

योगाभ्यास सत्रों के लिए ब्लॉक स्तर पर कमेटी—

निदेशक जनस्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश शर्मा ने बताया कि आयुष्मान आरोग्य मंदिर प्रांगण में योगाभ्यास सत्रों के आयोजन के लिए ब्लॉक स्तर पर कमेटी का गठन किया गया है, जिसमें उपखंड अधिकारी, ब्लॉक मुख्य चिकित्सा अधिकारी और जिला आयुर्वेद अधिकारी द्वारा मनोनती आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी शामिल होते हैं। आयुष्मान आरोग्य मंदिर पर आयोजित होने वाले योगाभ्यास सत्रों की व्यापक स्तर पर मॉनिटरिंग की जाती है एवं आयोजित सत्र की रिपोर्टिंग आयुष्मान आरोग्य मंदिर पोर्टल पर अपलोड की जाती है। जून 2025 तक आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में 42 लाख 59 हजार से अधिक योगाभ्यास शिविर आयोजित कर लगभग 5 करोड़ 28 लाख लोगों को योगाभ्यास करवाया गया है। फील्ड में कार्यरत स्वास्थ्यकार्मिकों के माध्यम से ज्यादा से ज्यादा लोगों को आयुष्मान आरोग्य मंदिर पर आयोजित होने वाले योगाभ्यास शिविरों में सहभागिता बढ़ाने हेतु निरंतर प्रयास किये जा रहे हैं।

राजस्थान गैस व्यावसायिक व औद्योगिक क्षेत्र में पीएनजी गैस की उपलब्धता में तीन गुणा बढ़ोतरी करेगी

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। राज्य सरकार के संयुक्त उपक्रम राजस्थान गैस के चेयरमैन टी. रविकान्त ने कहा है कि आरएसजीएल इस वर्ष व्यावसायिक व औद्योगिक क्षेत्र में पीएनजी गैस की उपलब्धता में तीन गुणा बढ़ोतरी करेगी वहीं जल्दी ही दो नए सीएनजी स्टेशन शुरु किये जाएंगे। उन्होंने बताया कि इस समय आरएसजीएल द्वारा कोटा, कूकस, नीमराना सहित 18 सीएनजी स्टेशनों से 24 गुणा 7 सीएनजी सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही है।

माइंस एवं पेट्रोलियम सचिव व चेयरमैन आरएसजीएल टी. रविकान्त शुक्रवार को आरएसजीएल के संचालक मण्डल की वर्चुअली बैठक ले रहे थे। संचालक मण्डल की बैठक में आरएसजीएल के वर्ष 2024-25 के अंकेक्षित लेखों का अनुमोदन किया गया। उन्होंने बताया कि ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा देने के लिए आरएसजीएल द्वारा 54 हजार से अधिक परिवारों तक डीपीएनजी सेवाएं पहुंचाने के लिए आधारभूत ढांचा विकसित कर लिया गया है। कोटा में 300 किमी एमडीपीई पाइपलाइन बिछाने का कार्य जारी है जिसमें से 21 किमी लाइन बिछा दी गई है। उन्होंने सीएनजी-डीपीएनजी सेवाओं को और अधिक नागरिकों तक पहुंचाने और कार्यों में विस्तार की आवश्यकता प्रतिपादित की।

आरएसजीएल के प्रबंध संचालक रणवीर सिंह ने बताया कि नवाचार करते हुए आरएसजीएल ने नीमराना में एलएनजी प्लांट का भूमि पूजन के साथ काम शुरु कर दिया है। जल्दी ही इस कार्य को पूरा होने से लंबी दूरी के भार वाहक वाहनों को एलएनजी गैस सुविधा उपलब्ध हो सकेगी।

एमडी रणवीर सिंह ने बताया कि इस साल पाइपलाइन से घरेलू गैस सुविधा का विस्तार करते हुए दो गुणा परिवारों को जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है। इसी तरह से सीएनजी सुविधाओं का विस्तार करने के लिए सीएनजी स्टेशन शुरु करने और औद्योगिक व व्यावसायिक इकाइयों को पीएनजी सेवा से जोड़ने के विशेष प्रयास किये जाएंगे।

होटल फेडरेशन की तरफ से हाजियों का इस्तकबाल

सवाई माधोपुर,(रॉयल पत्रिका)। हज के पाक मुकद्दस सफर से हाजियों के आने का सिलसिला लगातार जारी है। इसी कड़ी में पुराने शहर सवाई माधोपुर निवासी मोईन शेख और मोहम्मद नादिश होटल व्यापारियो का होटल फेडरेशन ऑफ राजस्थान सवाई माधोपुर के जिला अध्यक्ष काजी अहतशामुद्दीन और फ़ेडरेशन के मीडिया प्रभारी समीउद्दीन ने इस्तकबाल किया।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए

टोल फ्री नंबर	18001806507
वॉट्सएप नंबर	9414037085
कस्टमर केयर	2203000
आईवीआरएस	1912

कचरा गाड़ी के लिए

ग्रेटर	2747400
सीवरेज लीकेज	2607500
हेरिटेज	2607500
टोल फ्री नंबर	14420

पुलिस की मदद के लिए

साइबर क्राइम	1930/2360094
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098
महिला हेल्पलाइन	1090
मुख्यमंत्री पोर्टल	181

पानी के लिए

जलदाय कार्यालय	2706624
फायर ब्रिगेड	2747400

मेडिकल इमरजेंसी के लिए

एंबुलेंस	102/108
एसएमएस इमरजेंसी	2518333
महिला चिकित्सालय	22610616
जनाना हॉस्पिटल	22378721
SDMH	22574189
SMS ब्लड बैंक	22518222
कल्याण ब्लड बैंक	22721771

घायल पशुओं के लिए

नगर निगम	2747400
बर्ड बाइक	9887345580
हेल्प इन सफरिंग	8107299711
जनमंच ट्रस्ट	7230055800
पशु चिकित्सालय	2747400

ऊर्जा मंत्री ने 8.96 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का किया शिलान्यास

-33/11 केवी जीएसएस और उच्च जलाशय निर्माण कार्य का किया भूमि पूजन

शब्बीर हुसैन

कोटा, (रॉयल पत्रिका)। ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने शुक्रवार को सांगोद में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के पास 33/11 केवी जीएसएस के निर्माण कार्य का भूमि पूजन किया। वहीं पंचायत समिति सांगोद के पास बपावर रोड पर शहरी जल योजना के तहत उच्च जलाशय निर्माण कार्य का भूमि पूजन किया। साथ ही, काशीपुरी मांगलिक धर्मशाला में शिलापट्ट का शिलान्यास और लक्ष्मीपुरा स्थित तालाब पर 101 पौधे रोपने के कार्य का शुभारंभ किया। ऊर्जा मंत्री ने काशीपुरी मांगलिक धर्मशाला में आयोजित जनसुनवाई में आमजन की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को मौके पर ही निस्तारण के निर्देश दिए।

इस अवसर पर ऊर्जा मंत्री ने कहा कि सांगोद को सड़क, पानी, बिजली से लेकर हर आधारभूत आवश्यकता हमारी प्राथमिकता में है। सांगोद की जनता को निर्बाध और पूरे वोल्टेज से बिजली मिले, इसके लिए सांगोद में एक और जीएसएस बनाया जा रहा है। सांगोद की जनता को पीने के पानी की पर्याप्त आपूर्ति हो, पूरे प्रेशर से नलों में पानी आए, इसके लिए उच्च जलाशय के निर्माण कार्य का भूमि पूजन भी कर दिया है। पानी स्वच्छ हो, शुद्ध हो, पीने के योग्य हो, इसके लिए फिल्टर प्लांट की क्षमता बढ़ाएंगे। जिसके लिए भी 8 करोड़ रुपए की मंजूरी ले ली गई है।

उन्होंने कहा कि सांगोद में दोनों मुख्य रास्तों को डिवाइडर रोड़ बनाने के लिए 12 करोड़ रूपए स्वीकृत हो गए हैं। नालों का गंदा पानी नदी में जाने से रोकने के लिए सीवरेज के लिए भी 20 करोड़ रुपए की राशि मंजूर हो गई है।

उन्होंने कहा कि सांगोद क्षेत्र के लोगों के खेतों को पानी भी पहुंचाएंगे और खेतों के लिए रास्ता भी दिलवाएंगे, ये भी हमारा संकल्प है। खेतों के रास्ते के लिए मुख्यमंत्री ने 25 करोड़ रुपए सर्वाधिक सांगोद के लिए स्वीकृत किए हैं। नागर ने कहा कि गांव-गांव में वंचित लोगों की सूची बनाएं, इन्हें सरकारी योजनाओं से जोड़ें।

इस अवसर पर जिला प्रमुख मुकेश मेघवाल, प्रधान जयवीर सिंह, उप प्रधान ओम नागर अड़ूसा, भाजपा सांगोद देहात मंडल अध्यक्ष कृष्ण मुरारी मेहता, सांगोद नगर अध्यक्ष चंद्रप्रकाश सोनी, जिला उपाध्यक्ष दिलीप गर्ग, क्रय विक्रय सहकारी समिति के अध्यक्ष ओम मेहता उपस्थित रहे।

5.22 करोड रुपए की लागत से बनेगी टंकी

अमृत 2.0 के अंतर्गत शहरी जल योजना सांगोद में पेयजल के लिए 5.22 करोड रुपए की लागत से 300 किलो लीटर के अतिरिक्त उच्च जलाशय का

निर्माण कराया जाएगा। जिसमें पंप हाउस बनेगा। वहीं राइजिंग मेन पाइपलाइन डाली जाएगी। इसके अलावा पेयजल विहीन कॉलोनी में वितरण लाइन भी बिछेगी। साथ ही, 24 हजार मीटर जीर्ण शीर्ण पाइपलाइन भी बदली जाएगी। इस जलाशय के बनने से सांगोद नगर की सेन कॉलोनी, बपावर रोड, नसिया जी बाईपास, राधाकृष्ण कॉलोनी, सांगोद पंप हाउस से एसबीआई बैंक बाईपास, खटीक मोहल्ला, पुराना बाजार, कौड़ियों का चौक, रिवर फ्रंट बाईपास के बाशिंदों को लाभ होगा।

33/11 केवी जीएसएस से मिलेगी गुणवत्तापूर्ण बिजली

भगवानपुरा सांगोद में 3.76 करोड़ रुपए की लागत से नया 33/11 केवी जीएसएस बनेगा। इसके निर्माण से सांगोद क्षेत्र की बिजली सप्लाई सुदृढ़ होगी। ट्रिपिंग व कम वोल्टेज की समस्या से भी राहत मिल सकेगी। इसके निर्माण से परवन सिंचाई परियोजना के नांगलहेडी एवं गाडरवाड़ा के 33 केवी पर कनेक्शन जारी करने की राह भी खुल सकेगी। साथ ही, 132 केवी जीएसएस सांगोद के अंदर से निकलने वाले सभी 11 केवी फीडर इस नवनिर्मित जीएसएस पर शिफ्ट किए जाएंगे। इसके निर्माण के बाद सांगोद के 2 हजार उपभोक्ताओं को लाभ मिलेगा। साथ ही, औद्योगिक व पीएचईडी कनेक्शन को भी राहत मिल सकेगी। पूर्व स्थापित 33/11 केवी सब स्टेशन सांगोद के सघन बस्ती में आ जाने से नए 11 केवी फीडर निकालना संभव नहीं हो पा रहा था। अब इस नए जीएसएस के निर्माण से इस कठिनाई को भी दूर किया जा सकेगा।

जल संरक्षण की दिशा में बड़ी पहल, जलसंसाधन मंत्री ने किया अनेक कार्यों के लिए भूमिपूजन

-वंदे गंगा जल संरक्षण अभियान ले रहा सुनहरा आकार

बांसवाड़ा, (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर राजस्थान भर में संचालित वन्दे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के अन्तर्गत जल संसाधन विभाग द्वारा बांसवाड़ा जिले में गुरुवार को आयोजित कार्यक्रमों में जलसंसाधन मंत्री सुरेशसिंह रावत ने भूमि पूजन कर नहरी तंत्र के जीर्णोद्धार, सुदृढ़ीकरण एवं विस्तार कार्यों की शुरूआत की। जल संसाधन मंत्री ने दायीं मुख्य नहर अन्तर्गत आरडी 64 किमी, गनोड़ा पर आयोजित कार्यक्रम में गनोड़ा, लोहारिया, आसोड़ा और खोडन वितरिका एवं वितरण प्रणाली के जीर्णोद्धार कार्य का भूमि पूजन किया और हरियालो राजस्थान अभियान के अन्तर्गत पेड़ लगाकर वृक्षारोपण गतिविधियों का शुभारंभ किया।

जलसंसाधन मंत्री ने इसके बाद घाटोल के हारो बांध पर आयोजित कार्यक्रम में नरवाली, कंटाव, जगपुरा एवं हारो वितरिका एवं वितरण प्रणाली के जीर्णोद्धार कार्य का भूमिपूजन किया। इस मौके पर जल संरक्षण के प्रति व्यापक जनजागृति संचार के उद्देश्य से 'पानी रो मान राखो, जीवन रो ध्यान राखो' का संदेश भी दिया गया।

इन दोनों ही भूमि पूजन समारोहों को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि जल संसाधन मंत्री सुरेशसिंह रावत ने प्रदेश सरकार के इस अभियान को राजस्थान में बहुआयामी खुशहाली लाने का अभियान बताया। सुरेश सिंह रावत ने कहा जल अमूल्य संसाधन है और इसे संरक्षित करना हम सभी की सर्वोपरि जिम्मेदारी है। प्रदेश सरकार द्वारा इस अभियान के माध्यम से गांव-गांव में जल जागरूकता फैलाकर आगामी पीढ़ियों के लिए जल सुरक्षा सुनिश्चित की जा रही है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार सिंचाई सुविधाओं के विकास एवं विस्तार के लिए निरन्तर भरसक प्रयासों में जुटी हुई है और इनसे संबंधित कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ किया जा रहा है। कार्यक्रम में विशिष्ठ अतिथियों के रूप में गढ़ी विधायक कैलाश मीणा सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि गणमान्य उपस्थित रहे।

अभियान की विशेषताएं—

प्रदेश भर में शुक्रवार से जारी यह अभियान 20 जून 2025 तक चलेगा। इसके अन्तर्गत पीएमकेएसवाई (प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना) और मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान के अंतर्गत विभिन्न जल संरक्षण गतिविधियों का क्रियान्वयन किया जा रहा है। इनमें विशेष रूप से जल संरक्षण, सिंचाई क्षमता में वृद्धि और किसानों की उपज में सुधार आदि पर ध्यान केन्द्रित किया गया है।

इन आयोजनों में अंचल के किसानों एवं क्षेत्रीय ग्रामीणों ने जल संरक्षण के लिए अपनी सहभागिता का संकल्प लिया और प्रदेश सरकार द्वारा इस दिशा में संचालित अभियान पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए अभियान के उद्देश्यों में आशातीत सफलता के लिए अपनी आत्मीय सहभागिता दोहराई गई।

मिलावटी घी की सूचना पर देर रात दबिश देकर टेम्पो ट्रक से 1183 किलो घी व वेज फेट जब्त

मोहम्मद यासीन

पाली, (रॉयल पत्रिका)। जिले में मिलावट खोरों के खिलाफ विशेष अभियान चलाते हुये आयुक्त खाद्य सुरक्षा औषधि नियंत्रण एच गुईटे के दिशा निर्देश पर पाली जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. विकास मारवाल व खाद्य सुरक्षा अधिकारी के नेतृत्व में मिलावटी घी की सूचना पर देर रात को दबिश देकर नेशनल हाईवे 14 पर जाडन के समीप टेम्पो ट्रक से 1183 किलो घी व वेज फेट जब्त किया गया। सीएमएचओ डॉ. विकास मारवाल ने बताया की मुखबीर की सूचना पर खाद्य सुरक्षा अधिकारी मय दल द्वारा तेज गती से चल रहे टेम्पो ट्रक का पीछा कर उसे जाडन पेट्रोल पम्प पर रूकवाया गया। जिसकी जांच पड़ताल करने पर खाद्य सुरक्षा अधिकारी सुरेश चन्द्र शर्मा को बिना बिल के विक्रय होने जा रहे घी का मिलावटी होने का संदेह हुआ जिस पर विभाग द्वारा कार्यवाही करते हुये चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की आर्दश प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र जाडन पर टेम्पो ट्रक में भरे माल को खाली करवाया गया। एफएसओ द्वारा टेम्पो ट्रक के चालक शक्ती सिहं रावत से पूछतात करने पर बताया की श्री श्याम फुड प्रोडेक्ट अजमेर के निर्माण एवं उत्पादक इकाई से घी व वेज फेट टेम्पो ट्रक में भरवाया गया। जो पाली जिले के विभिन्न गावों में दुकान व प्रतिष्ठानों पर विक्रय हेतु जा रहा था। मामले को गम्भीरता से लेते हुये खाद्य सुरक्षा अधिकारी व सीएमएचओ ने जब्त सभी खाद्य पदार्थ को सीज कर उनके सेम्पल लिये गये। कार्यवाही के दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारी दल के साथ फुड सैफ्टी टैक्निशियन खुशाल चन्द सैन, ऑपरेटर ओम प्रकाश प्रजापत, लक्ष्मणदान चारण उपस्थित रहे।

टेम्पो ट्रक में 06 ब्रांड के घी व वेज फेट

डॉ. विकास मारवाल ने बताया की राज्य सरकार के शुद्ध आहार मिलावट पर वार अभियान के तहत मिलावट के रोकथाम पर कार्यवाही करते हुये टेम्पो ट्रक से 06 ब्रांड के घी व वेज फेट जब्त किये इनमे घी ब्रांड सरल, नमस्ते

कृष्णा, श्री राजंवशी सुपर सारथी घी, सरल के 15 किलो टीन व वेज फेट डेयरी सरस रिफायड पॉम ऑयल सारस कुंकीग मिडीयम ऑयल सहीत आधा लीटर 01 लीटर व 05 लीटर घी की सामग्री को सीज किया गया।

तेज बारीश के बावजूद देर रात तक चलती रही कार्यवाही

खाद्य सुरक्षा अधिकारी सुरेश चन्द्र शर्मा ने बताया की भारतीय खाद्य सुरक्षा मानक प्राधीकरण द्वारा बनाये गये खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 विनियम 2011 कानून के तहत खाद्य पदार्थो में मिलावट का संदेह होने होने पर अजमेर के सराधना स्थित श्री श्याम फूड प्रोडेक्टस निर्माण एवं उत्पादक इकाई द्वारा बाजार में विक्रय के लिए जाने वाले घी पर खाद्य सुरक्षा अधिकारी मय दल द्वारा तेज बारीश के बावजूद देर रात 12 बजे तक कार्यवाही को अंजाम दिया गया। उन्होने बताया कि आमजन को शुद्ध व सुरक्षित आहर उपलब्ध करवाने को लेकर प्रदेश के मुख्यमंत्री व राज्य सरकार की मंशा के अनुसार बडी कार्यवाही की गई। साथ ही खाद्य पदार्थो में मिलावट करने वाले एफबीओ की सूचना देने पर राज्य सरकार 51000 की ईनाम राशि दी जायेगी ।

सामूहिक प्रयासों से ही होगा सिकल सेल एनीमिया का उन्मूलन - टीएडी मंत्री बाबूलाल खराड़ी

-विश्व सिकल सेल दिवस पर उदयपुर में हुआ राज्य स्तरीय जागरुकता कार्यक्रम मरीजों की नि:शुल्क स्क्रीनिंग

उदयपुर, (रॉयल पत्रिका)। विश्व सिकल सेल दिवस के अवसर पर 'धरती आबा जनभागीदारी अभियान' के तहत उदयपुर जिले के महाराणा भूपाल राजकीय अस्पताल में सेंटर ऑफ कम्पीटेंस फॉर सिकल सेल डिजीज़ के तत्वावधान में राज्य स्तरीय जागरूकता कार्यक्रम गुरूवार को जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी के मुख्य आतिथ्य में आयोजित हुआ।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केबिनेट मंत्री खराड़ी ने कहा कि बीमारियों का खात्मा सरकार का कर्तव्य है। इस दिशा में सरकार निरंतर प्रयासरत है। सिकल सेल एनीमिया बीमारी जनजाति क्षेत्र में अधिक व्याप्त है। इसके उन्मूलन के लिए सामूहिक प्रयासों की दरकार है। उन्होंने लोगों को अधिक से अधिक बीमारी के संबंध में जागरूक करते हुए उपचार के लिए प्रेरित करने की आवश्यकता जताई। खराडी ने 'स्वस्थ व्यक्ति, स्वस्थ समाज, स्वस्थ देश' का नारा देते हुए सभी की सहभागिता की अपील की।

56 की जांच, 15 को बांटे प्रमाण पत्र —

कार्यक्रम में सिकल सेल मिशन, इस बीमारी के कारण, लक्षण, निदान और उपचार के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। मुख्य आकर्षण के रूप में दो विशेष टेबल्स पर निःशुल्क सिकल सेल स्क्रीनिंग एवं दिव्यांग प्रमाण पत्र जारी करने की सुविधा उपलब्ध कराई गई। कार्यक्रम के दौरान 56 लोगों की जांच की गई। साथ ही 15 लोगों को दिव्यांगता प्रमाण पत्र वितरित किए गए। डॉ. सुमन ने बताया कि उदयपुर में संचालित यह सेंटर भारत का दूसरा डिजीज सेंटर ऑफ कॉम्पीटेंस है, जो विश्व का पहला सिकल सेल वेलनेस हब है और एनएन ऑर्गेनाइजेशन द्वारा समर्थित है। यह वेलनेस हब समर्पित उपचार, निदान और प्रशिक्षण के साथ सिकल सेल रोगियों के जीवन में सुधार लाने के लिए प्रतिबद्ध है। यहां दैनिक ओपीडी एवं आईपीडी सेवाएं, सिकल सेल रोग का नैदानिक परीक्षण, समग्र उपचार एवं देखभाल, जनजागरूकता हेतु आउटरीच कार्यक्रम और सभी 9 जनजातीय जिलों में स्वास्थ्य

कार्यकर्ताओं के लिए प्रशिक्षण जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं।

हेल्पलाइन का शुभारंभ —

कार्यक्रम के दौरान केबिनेट मंत्री बाबूलाल खराड़ी ने साथ ही सिकल सेल हेल्पलाईन का शुभारभ किया। खराड़ी ने फोन लगाकर मोबाईल नम्बर-8690088847 उदयपुर एवं राज्य के नागरिकों को समर्पित किया। डॉ. सुमन ने सभी नागरिकों से अनुरोध किया कि सिकल सेल रोग के प्रति जागरूक रहें, समय पर जांच करवाएं और इस मिशन में भागीदार बनें। अधिक जानकारी एवं सहायता के लिए बाल चिकित्सालय, महाराणा भूपाल राजकीय अस्पताल, रूम नंबर 524 पर संपर्क कर सकते हैं या हेल्पलाइन नंबर 8690088847, 0294-2528811-17 (एक्सटेंशन 2410) पर कॉल कर सकते हैं।

कार्यक्रम के दौरान सेन्टर के साथ अच्छा कार्य करने के लिये 10 चिकित्सक एवं अन्य स्टाफ को सम्मानित किया गया।

संभागीय आयुक्त ने केशोरायपाटन में किसानों से किया संवाद

शब्बीर हुसैन

कोटा, (रॉयल पत्रिका)। संभागीय आयुक्त राजेन्द्र सिंह शेखावत ने शुक्रवार को केशोरायपाटन के हनुमान मंदिर परिसर में किसानों से संवाद किया और उनकी समस्याओं को सुना। किसानों ने सिंचाई के पानी व कृषि संबंधी विषयों पर अपनी समस्याएं रखीं। संभागीय आयुक्त ने किसानों को उनकी समस्याओं के जल्द समाधान का आश्वासन दिया।

संवाद से पहले संभागीय आयुक्त ने हनुमान मंदिर में 'वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान' और 'हरियालो राजस्थान' के तहत पौधारोपण किया। इस अवसर पर संभागीय आयुक्त ने पर्यावरण संरक्षण और जल संरक्षण के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि पौधारोपण वर्तमान समय की आवश्यकता है और सभी को इसमें अपना योगदान देना चाहिए। उन्होंने 'वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान' के उद्देश्यों के बारे में बताते हुए जल स्रोतों को स्वच्छ रखने और जल का सदुपयोग करने की अपील की।

बारां-शाहाबाद सड़क का किया निरीक्षण

संभागीय आयुक्त ने समाज कल्याण विभाग के कार्यालय का निरीक्षण किया। उन्होंने देवनारायण छात्रावास, बारां-शाहाबाद सड़क का भी निरीक्षण किया उन्होंने सड़क पर शीघ्र ही पेचवर्क करने के संबंध में विभाग को निर्देश दिए।

जिला स्तरीय जनसुनवाई कलक्टर एलएन मंत्री ने सुनी आमजन की समस्यायें

पाली, (रॉयल पत्रिका)। जिला स्तरीय जनसुनवाई गुरूवार को जिला कलेक्ट्रेट परिसर स्थित सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग कार्यालय में वीडियो कॉन्फ्रेसिंग के माध्यम से जिला कलक्टर एलएन मंत्री की अध्यक्षता में आयोजित हुयी। जनसुनवाई में जिला कलक्टर मंत्री ने आमजन की समस्याओं को सुना और उनके निराकरणा के लिये संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये और उनकी समस्याओं का समाधान हो। जनसुनवाई में मारवाड विधायक केसाराम चौधरी भी मौजूद रहे और आवश्यक निर्देश दिये।

जनसुनवाई में जिला कलक्टर मंत्री ने विभिन्न विभागों के आये हुये प्रकरणों की सुनवाई की और सम्बन्धित अधिकारियों को निस्तारण के निर्देश दिये। जिला कलक्टर ने पानी, बिजली, राजस्व, पुलिस, अतिक्रमण व अन्य प्रकरणों की सुनवाई की व समाधान के निर्देश दिये। जनसुनवाई में कुल 63 प्रकरण आएं। जनसुनवाई में नगर परिषद के सबसे अधिक प्रकरण दर्ज हुए,

इसी प्रकार पंचायतीराज, पुलिस, बिजली, यूआईटी, जलदाय एवं रेवेन्यु आदि प्रकरण प्राप्त हुए जिनकी सुनवाई कर समाधान के निर्देश दिए।

सम्पर्क पोर्टल पर दर्ज प्रकरणों के निस्तारण के दिये निर्देश

इस अवसर पर जिला कलक्टर एलएन मंत्री ने बैठक में सम्पर्क पोर्टल पर दर्ज प्रकरणों की समीक्षा की और लम्बित प्रकरणों के निस्तारण के निर्देश दियें। सतर्कता समिति की बैठक में कुल 9 प्रकरण रखे 3 का निस्तारण

जिला कलेक्टर एलएन मंत्री ने आयोजित जिला सतर्कता समिति की बैठक में 3 प्रकरणों का निस्तारण किया व कुल 9 प्रकरणों की सुनवाई की अन्य मामलों में संबंधित अधिकारियों को निस्तारण के निर्देश दिये।

बिजली के बिलों में भारी धांधली

-उपभोक्ताओ से विद्युत विभाग द्वारा एक महीने के बिजली के बिल के साथ दो महीने का फ्यूल चार्ज वसूल किया जा रहा

-सरकार से स्मार्ट मीटर नहीं लगाने की मांग -जागरवाल

पाली, (रॉयल पत्रिका)। राजीव गांधी पंचायती राज के पाली जिलाध्यक्ष मदनसिंह जागरवाल ने राज्य के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को पत्र और जिला कलेक्टर पाली को ज्ञापन देकर पाली जिले में जोधपुर विद्त निगम द्वारा बिजली के बिल एक माह में वितरण करने पर भी फ्यूल चार्ज दो माह के लगा कर भेजने की उच्च स्तरीय जांच के साथ स्मार्ट बिजली के मीटर नहीं लगाने की मांग की। मुख्यमंत्री को पत्र में लिखा पिछले चार माह से जोधपुर विद्त निगम द्वारा बिजली के बिल प्रति एक माह से भिजवाए जा रहे है। लेकिन बिल में मीटर चार्ज फ्यूल चार्ज ओर अन्य चार्ज पहले की तरह दो माह के बिलों की तरह उपभोक्ताओं से चार्ज कर रहे हे जो जनता के साथ सरासर अन्याय हे ओर जोधपुर विद्त निगम की खुली लूट हो रही है। अब पाली शहर में स्मार्ट बिजली के मीटर लगाने की शुरुआत गरीब बस्तियों से कर दी गई है।

जिससे उपभोक्ताओं पर दोहरी मार पड़ेगी, अभी भी इलेक्ट्रिक मीटर से गर्मी में मीटर अपने आप यूनिट निकाल देते है और उपभोक्ताओं को दो माह की बिल भरने में छूट मिलती थी अब एक माह में ही बिल भरना पड़ता है

गरीब और आम आदमी दिनों दिन दबता जा रहा है अब स्मार्ट मीटर लगाने से यूनिट अधिक आयेंगे अब बिजली कंपनियां पहले रिचार्ज करवाओ और फिर बिजली पाओ के रास्ते पर चल पड़ी है। जिससे जनता की आर्थिक स्थिति ओर कमजोर होगी।

इस तरह बिजली कंपनियां की मनमानी का आम जनता के साथ राजीव गांधी पंचायती राज संगठन भारी विरोध करेगी और शहर तहसील उपखंड ओर जिला मुख्यालय पर धरना दिया जाएगा। जागरवाल ने बताया कि राज्य की भाजपा सरकार ने सत्ता में आने से पहले प्रदेश में बिजली पानी सड़क चिकित्सा और मूलभूत सुविधा उपलब्ध करने का वादा किया था और प्रदेश की जनता को मूर्ख बना कर सत्ता तो हासिल कर ली मगर धीरे धीरे जनता पर बोझ डाल रही है। सरकार द्वारा स्मार्ट मीटर लगाने की स्कीम को बंद नहीं किया गया तो आगामी दिनों में पंचायती राज और नगर निकायों के चुनावों में जनता करारा जवाब देगी।

राजीव गांधी पंचायती राज जिला अध्यक्ष मदनसिंह जागरवाल ने मुख्यमंत्री से पुर जोर मांग की है की सरकार बिजली कंपनियों को निर्देश देकर बिजली के बिलों में दो माह के लग रहे सरचार्ज अन्य चार्ज एक माह का करे और स्मार्ट मीटर लगाने पर रोक लगाई जाए। अन्यथा पूरे प्रदेश में आंदोलन होगे। मुख्यमंत्री को दिए ज्ञापन में जिला उपाध्यक्ष दिनेश आदिवाल अमर सिंह पवार घाणेराव, दीपक शर्मा मारवाड़ समन्वयक पहलाद कंडारा, राजेंद्र लहर भंवरलाल मेघवाल, अनिल भाटी बाली पंकज सेनी ब्लॉक अध्यक्ष बगदाराम

मेघवाल सुमेरपुर, सदाराम विश्नोई रोहट, मोहन लाल दादालिया मारवाड़ थानाराम प्रजापत बाली रमेश चावला पाली शहर लक्माराम जाट देसूरी, मिश्रीमल परमार रानी बंशीधर वैष्णव सोजत चिमनाराम मेघवाल पाली देहात वेलाराम पटेल खुदाबख्श पठान ओगड राम लुहार इंद्रजीत सिंह आहू वालिया आदि अनेक जिला पदाधिकारियों ने हस्ताक्षर किए।

अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस की पूर्व तैयारी व जागरूकता का दस दिवसीय योग शिविर सम्पन्न

पाली, (रॉयल पत्रिका)। अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस की पूर्व तैयारी व जागरूकता का दस दिवसीय योग शिविर शुक्रवार को सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम संयोजक तिलोक चौधरी ने बताया कि योग शिविर विजय बालाजी कैलाश धाम सरदार समंद रोड पर आयोजित हुआ धार्मिक स्थल पर आयोजित योग मे पाली के प्रभुतनागरिकगण व आमजन भाग लिया 21 जुन को लाखोटिया उधान मे आयोजित कार्यक्रम मे सभी को भाग लेने का आह्वान किया इस अवसर पर योग गुरु नरेंद्रजी माछर विजयराजजी सोनी व आयुर्वेद विभाग के बजरंगलाल जी शर्मा व डॉ. सिवकुमार शर्मा ने योग के बारे में विस्तार से चर्चा कर आमजन को जागरूक किया और योग के महत्व के बारे मे बताया उचित खान-पान और योग प्रति जागरूक रहे ओर स्वस्थ रहे इस अवसर पर जिला अध्यक्ष सुनिल भंडारी पुर्व सभापति महेंद्र बोहरा जिला प्रवक्ता त्रिलोक चौधरी पुर्व पार्षद सवाईसिह जैतावत गणपत बावरी रमाकांत मिश्रा नारायण कुमावत मानवेंद्र सिंह भाटी नरपत दवे मागीलाल सुथार सहित गणमान्य नागरिक गण उपस्थित हुए।

खबर संक्षेप

कमजोर वैश्विक संकेतों के बीच सोना 150 रुपए टूटा

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में बहुमूल्य धातुओं की कीमतों में गिरावट के बीच बृहस्पतिवार को राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में सोने की कीमत 150 रुपये टूटकर 1,00,560 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गई। पिछले कारोबारी सत्र में 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 1,00,710 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था।

रुपया 30 पैसे की गिरावट के साथ 86.73 प्रति डॉलर पर

मुंबई। रुपये में लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में गिरावट देखी गई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में बृहस्पतिवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 30 पैसे की गिरावट के साथ 86.73 पर बंद हुआ। विदेशी बाजारों में डॉलर के मजबूत होने तथा कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के कारण डॉलर के मुकाबले रुपया 30 पैसे लुढ़ककर 86.73 पर बंद हुआ।

कल्पतरु का आईपीओ 24 जून को खुलेगा, मूल्य दायरा तय

नई दिल्ली। रियल एस्टेट डेवलपर कल्पतरु लिमिटेड ने अपने 1,590 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए 387-414 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। आईपीओ 24 जून को खुलेगा और 26 जून का संपन्न होगा। बड़े (एंकर) निवेशक 23 जून को बोली लगा पाएंगे।

क्रिसिल ने 33 करोड़ में ओपीएल में अल्पांश हिस्सेदारी खरीदी

नई दिल्ली। डेटा, अनुसंधान, विश्लेषण एवं समाधान प्रदाता क्रिसिल ने ऑनलाइन पीएसबी लोन्स लिमिटेड में अल्पांश हिस्सेदारी हासिल करने के लिए 33.25 करोड़ रुपये का निवेश किया है। दिसंबर, 2024 में निवेश की इच्छा जाहिर की थी। 'डिजिटल क्रेडिट इन्फ्रास्ट्रक्चर' कंपनी है, जो उन्नत प्रौद्योगिकियों का विकास एवं एकीकरण करती है।

एलेनबैरी इंडस्ट्रियल का आईपीओ 24 को खुलेगा

नई दिल्ली। एलेनबैरी इंडस्ट्रियल गैसेज ने अपने 852 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम के लिए 380-400 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। 26 जून को बंद होगा। आईपीओ 400 करोड़ रुपये के नए शेयरों के निर्गम और 452.53 करोड़ रुपये के 1.13 करोड़ शेयरों की बिक्री पेशकश का संयोजन है।

सरकार ने कोलाइडल धातुओं के आयात पर अंकुश लगाया

नई दिल्ली। सरकार ने देश के भीतर तरल रूप में सोने के अवैध प्रवाह को रोकने के मकसद से कुछ कोलाइडल बहुमूल्य धातुओं पर आयात अंकुश लगा दिया है। कोलाइडल बहुमूल्य धातुएं तरल रूप में फैले सोने या चांदी के नैनो कणों के विलयन होते हैं। उद्योग विशेषज्ञों का कहना है कि कुछ आयातक थाईलैंड जैसे देशों से आयात के लिए तरल रूप में स्वर्ण कणों का सहारा ले रहे थे। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने एक अधिसूचना में कहा, ''सीटीएच 2843 श्रेणी के तहत आने वाली वस्तुओं की आयात नीति को तत्काल प्रभाव से 'मुक्त' से संशोधित कर 'अंकुश' किया जाता है।''

निजी क्षेत्र के बैंकों में 1 जुलाई से होंगे बदलाव, महंगे होंगे डेबिट कार्ड से जुड़े चार्ज

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

प्राइवेट सेक्टर के बैंकों के कुछ नियमों में एक जुलाई से बदलाव होने जा रहा है। एक तरफ जहां एचडीएफसी बैंक ने क्रेडिट कार्ड को लेकर कुछ नियमों में बदलाव किया है तो वहीं आईसीआईसीआई बैंक की तरफ से कुछ ट्रांजेक्शन पर लगने वाले चार्ज में भी बदलाव किया गया है।

- फ्यूल पर 15 हजार से ज्यादा खर्च करने पर एक फीसदी ज्यादा शुल्क

एचडीएफसी बैंक के क्रेडिट कार्ड का अगर इस्तेमाल करके आप एमपीएल, ड्रीम 11 जैसे गेमिंग एप्स पर दस हजार रुपए से ज्यादा प्रति महीने खर्च करते हैं तो आपको उसके ऊपर एक प्रतिशत से ज्यादा चार्ज देना होगा। ऐसे ही मोबिक्विक, पेटीएम, ओला मनी और फ्रीचार्ज जैसे थर्ड पार्टी वॉलेट्स पर दस हजार रुपए से ज्यादा एक महीने में डालते हैं तो उस पर भी एक प्रतिशत चार्ज लगेगा। फ्यूल पर 15 हजार रुपए से ज्यादा खर्च करने पर एक प्रतिशत का अतिरिक्त चार्ज देना होगा। इसके अलावा, अगर बिजली-पानी और गैस पर पचास हजार रुपए से ज्यादा चुकाते हैं तो भी उस पर एक प्रतिशत चार्ज देना होगा।

क्रेडिट कार्ड का उपयोग गेमिंग ऐप पर करने से ज्यादा लगेगा चार्ज

मेट्रो शहरों में तीन बार ट्रांजेक्शन फ्री

मेट्रो शहरों में हर महीने तीन बार ट्रांजेक्शन फ्री मिलेगा। जबकि छोटे शहरों में आपको पांच ट्रांजेक्शन तक फ्री दिया जाएगा। इसके बाद पैसे निकालने पर पहले जहां 21 रुपए लगते थे तो वहीं अब आपको 23 रुपए चार्ज के तौर पर देना होगा। जबकि सिर्फ बैंलेंस चेक करते हैं या गैर वित्तीय काम करते हैं तो फिर उस पर 8.5 रुपए प्रति ट्रांजेक्शन चार्ज लगेगा।

पांच लाख के ऊपर 15 रुपए प्रति ट्रांजेक्शन देना होगा

इसके अलावा, आईएमपीएस यानी तत्काल सेवा के जरिए पैसे भेजने के ऊपर अब आपके ट्रांजेक्शन के हिसाब से चार्ज देना होगा। जैसे 1 हजार रुपए पर ढाई रुपये प्रति ट्रांजेक्शन, जबकि एक हजार से लेकर एक लाख तक के ऊपर 5 रुपये प्रति ट्रांजेक्शन। वहीं एक लाख से लेकर पांच लाख तक के ऊपर 15 रुपये प्रति ट्रांजेक्शन देना होगा।

आईसीआईसीआई बैंक के नियमों में बदलाव

प्राइवेट सेक्टर के एक और बड़े बैंक आईसीआईसीआई बैंक ने आईएमपीएस और एटीएम पर लगने वाले कुछ शुल्कों में बदलाव किया है। इसके बाद अगर आप अब अगर किसी दूसरे बैंक का इस्तेमाल करेंगे तो उस पर कुछ अतिरिक्त चार्ज देना होगा।

ईरान ने सिर्फ कूटनीतिक दबाव के लिए बंद करने की दी धमकी

धमकियों के बावजूद ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य को कभी बंद नहीं किया

एजेंसी ▶▶ मुंबई

वैश्विक तेल एवं गैस परिवहन के लगभग पांचवें हिस्से और भारत की एक-तिहाई से अधिक ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने वाला रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य कभी बंद नहीं हुआ है और ईरान ने सिर्फ कूटनीतिक दबाव के लिए इसे बंद करने की धमकी दी है।

विश्लेषकों ने यह कहा है। उनका यह भी कहना है कि पेट्रोलियम उत्पादों की अच्छी आपूर्ति है और मौजूदा ईरान-इजराइल संघर्ष के बावजूद वैश्विक ऊर्जा परिदृश्य के समक्ष कोई खतरा नहीं है। होर्मुज जलडमरूमध्य ईरान, ओमान और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के बीच स्थित है और यह सऊदी अरब, ईरान, इराक, कुवैत एवं यूएई से तेल निर्यात का मुख्य मार्ग है।

एलएनजी जहाज इसी मार्ग से गुजरते है

कतर से आने वाले कई तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) जहाज भी इसी मार्ग से गुजरते हैं। यस सिक्योरिटीज में संस्थागत इक्विटी शोध के रणनीतिकार हितेश जैन ने कहा कि ईरान इस जलडमरूमध्य को बंद करने की धमकियों का इस्तेमाल केवल एक कूटनीतिक दबाव के तौर पर करता है, क्योंकि इसे बंद करने की रणनीतिक एवं आर्थिक लागत खुद ईरान पर ही अधिक भारी पड़ेगी।

विश्लेषकों का कहना, अभी भी पेट्रोलियम उत्पादों की अच्छी आपूर्ति

मौजूदा ईरान-इजराइल युद्ध के दौरान वैश्विक ऊर्जा परिदृश्य को खतरा नहीं

होर्मुज ईरान, ओमान और संयुक्त अरब अमीरात के बीच स्थित

तेल बाजार में अच्छी आपूर्ति

जैन ने कहा कि तेल बाजार में फिलहाल अच्छी आपूर्ति है। तेल निर्यातक देशों के समूह ओपेक की 40 लाख बैरल प्रतिदिन (बीपीडी) की क्षमता बढ़ाने और संघर्ष शुरू होने के पहले 90 लाख बीपीडी का वैश्विक अधिशेष होने से एक महत्वपूर्ण बफर बना हुआ है। इसके अलावा अमेरिकी शैल तेल के उत्पादन में वृद्धि ने भी वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति में लचीलापन बढ़ाया है।

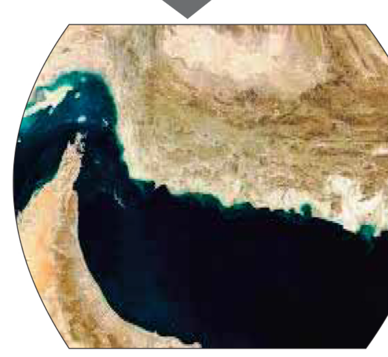

वैश्विक तेल मांग नरम पड़ रहे : मांग के मोर्चे पर, महामारी के बाद चीन में आर्थिक पुनरुद्धार कमजोर रहने और इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की ओर संरचनात्मक बदलाव होने से भी वैश्विक तेल मांग के अनुमानों नरम पड़ रहे हैं।

चालू खाता घाटा बढ़ने के आसार

हालांकि पश्चिम एशिया में लगातार तनाव बने रहने की सूरत में कच्चे तेल के दाम इस अनुमान से अधिक जा सकते हैं। इक्रा ने कहा, ।''कच्चे तेल की औसत कीमत में 10 डॉलर प्रति बैरल की वृद्धि होने पर वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान शुद्ध तेल आयात बिल में 13-14 अरब डॉलर की वृद्धि हो जाएगी। ऐसा होने पर देश के चालू खाता घाटा में 0.3 प्रतिशत की बढ़ोतरी हो जाएगी।।''

भारत का 85 फीसदी हिस्सा आयात से

भारत अपनी तेल जरूरतों को 85 प्रतिशत से अधिक हिस्सा आयात से पूरा करता है। ऐसे में कच्चे तेल के दाम बढ़ने से उसके आयात बिल पर सीधा असर पड़ेगा। जैन ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद न किए जाने या खाड़ी के महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे पर हमला न होने तक कच्चे तेल का 80 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर जाना मुश्किल है।

इक्रा ने दी चेतावनी

होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर गुजरने वाला तेल भारत के कुल कच्चे तेल आयात का लगभग 40-45 प्रतिशत और प्राकृतिक गैस आयात का 60 प्रतिशत है। इक्रा ने चेतावनी दी है कि पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने का पेट्रोलियम उत्पादों की वैश्विक आपूर्ति और कीमतों पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ सकता है।

भारत में इस वर्ष अमेजन 2000 करोड़ रुपए का करेगी निवेश

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

ई-कॉमर्स क्षेत्र की दिग्गज कंपनी अमेजन ने अपने अखिल भारतीय परिचालन नेटवर्क का विस्तार करने के लिए 2025 में 2,000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश करने की बृहस्पतिवार को घोषणा की।

अमेजन ने प्रेस विज्ञप्ति में कहा, निवेश से नेटवर्क विस्तार एवं उन्नयन में सहायता मिलेगी, जिससे ग्राहकों को अधिक तेजी से और अधिक विश्वसनीय सेवा प्रदान की जा सकेगी। साथ ही प्रौद्योगिकी तथा नवाचार को बढ़ावा मिलेगा और कर्मचारियों व सहयोगियों को बेहतर अनुभव मिलेगा।''

कंपनी ने 2,000 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश की घोषणा करते हुए कहा कि यह नया निवेश परिचालन नेटवर्क बनाने में किए गए निवेश के अतिरिक्त है, जो कंपनी को समूचे भारत में सभी सेवा योग्य क्षेत्रों तक आपूर्ति करने में मदद करेगा।

- निवेश से नेटवर्क विस्तार व उन्नयन में सहायता मिलेगी
- ग्राहकों को अधिक तेजी से विश्वसनीय सेवा मिलेगी

अमेजन ने साथ ही कहा कि वह आपूर्ति करने वाले सहयोगियों और साझेदारों को सचेत करने और उन्हें आराम के लिए उचित समय देते रहेगा। साथ ही नवीनतम प्रौद्योगिकियों का इस्तेमाल करके सड़क सुरक्षा को बढ़ाने का प्रयास जारी रखेगा।

राष्ट्रव्यापी पहल शुरू की

कंपनी ने हाल ही में, 2025 के अंत तक चिकित्सकीय शिविरों के माध्यम से 80,000 से अधिक आपूर्ति सहयोगियों व साझेदारों को मुफ्त स्वास्थ्य जांच प्रदान करने के लिए एक राष्ट्रव्यापी पहल शुरू की है।

पश्चिम एशिया में जारी तनाव से शेयर बाजार में गिरावट जारी

एजेंसी ▶▶ मुंबई

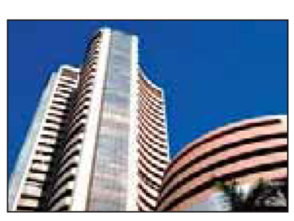

स्थानीय शेयर बाजार में बृहस्पतिवार को लगातार तीसरे दिन गिरावट रही और दोनों मानक सूचकांक नीचे आ गए। बीएसई सेंसेक्स जहां 83 अंक के नुकसान में रहा, वहीं एनएसई निफ्टी 19 अंक नीचे आया। ईरान-इजराइल के बीच जारी संघर्ष के बीच वैश्विक स्तर पर कमजोर रुख के साथ घरेलू बाजार में गिरावट आई।

- सेंसेक्स में 83 अंक और निफ्टी में 19 अंक की गिरावट

विशेषज्ञों के अनुसार, अमेरिकी फेडरल रिजर्व के नीतिगत दर को यथावत रखने के निर्णय से भी बाजार धारणा प्रभावित हुई।उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 82.79 अंक की गिरावट के साथ 81,361.87 अंक पर बंद हुआ। बीएसई के 3,018 शेयर नुकसान में जबकि 959 बढ़त में रहे। वहीं 140 शेयर के भाव अपरिवर्तित रहे।

जियोजीत इन्वेस्टमेंट लि. के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''भारतीय शेयर सूचकांक में नकारात्मक रुख के साथ सीमित दायरे में उतार-चढ़ाव रहा। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष में अमेरिका की संभावित भागीदारी को लेकर चिंताओं के कारण दुनियाभर में निवेशक सतर्क रुख अपना रहे हैं।''

एशियाई बाजारों में, जापान का निक्की, चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग नुकसान में रहे, जबकि दक्षिण कोरिया का कॉस्पी मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ।

यूरोप के प्रमुख बाजारों में दोपहर के कारोबार में गिरावट का रुख था। अमेरिकी बाजार बुधवार को मिले-जुले रुख के साथ बंद हुए थे।

इन शेयरों में रही घट-बढ़

सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में अदाणी पोर्ट्स, बजाज फाइनेंस, टेक महिंद्रा, इंडसइंड बैंक, नेस्ले और टाटा स्टील प्रमुख रूप से नुकसान में रहीं। दूसरी तरफ महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाइटन, लार्सन एंड टुब्रो, भारती एयरटेल और मारुति के शेयर लाभ में रहे।

पश्चिमी नेपाल में मीथेन गैस का विशाल भंडार मिला

एजेंसी ▶▶ काठमांडू

पश्चिमी नेपाल में कुल मीथेन गैस भंडार लगभग 430 अरब घन मीटर तक पहुंच सकता है, जो संभवतः देश की गैस की मांग को लगभग 50 वर्षों तक पूरा करने के लिए पर्याप्त है। बृहस्पतिवार को प्रकाशित एक रिपोर्ट में यह कहा गया है।

सरकारी दैनिक गोरखापत्र के अनुसार, चीन भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (सीजीएस) द्वारा तैयार की गई रिपोर्ट में दैलेख जिले के जलजले क्षेत्र में लक्षित चार कुओं में से केवल एक से प्रारंभिक निष्कर्ष पेश किए गए हैं। इससे देश के घरेलू ऊर्जा स्रोतों का दोहन करने की संभावना बढ़ गई है। बृहस्पतिवार को नेपाल सरकार के साथ निष्कर्ष साझा किए गए। यह अन्वेषण नेपाल और चीन के बीच 2019 में हस्ताक्षरित एक द्विपक्षीय समझौते के तहत किया गया था।

- भंडार 430 अरब घन मीटर तक पहुंच सकता है

रिपोर्ट में कहा गया है, "पहला खुदाई अभियान 11 मई, 2021 को शुरू किया गया, जो 4,000 मीटर से अधिक की गहराई तक पहुंच गया। इससे एक ही कुएं में अनुमानित 1.12 अरब घन मीटर मीथेन का पता चला।

सबसे गहरा व उन्नत अन्वेषण : खान एवं भूविज्ञान विभाग के उप महानिदेशक तथा पेट्रोलियम अन्वेषण परियोजना के प्रमुख दिनेश कुमार नापित ने कहा कि यह स्थल नेपाल में अब तक किया गया सबसे गहरा तथा वैज्ञानिक रूप से उन्नत अन्वेषण है। गैस की गुणवत्ता, वाणिज्यिक व्यवहार्यता और आर्थिक क्षमता का आकलन करने के लिए आगे का परीक्षण जारी है।

एलएंडटी ने डिबेंचर के जरिए 500 करोड़ रुपए जुटाए

नई दिल्ली। बुनियादी ढांचा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी लार्सन एंड टुब्रो ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसने डिबेंचर के जरिये 500 करोड़ रुपये जुटाए हैं। एलएंडटी ने बीएसई को दी सूचना में कहा, "कंपनी ने आज 50,000 या 6.35 प्रतिशत सूचीबद्ध, रेटेड, बिना गारंटी वाले, विमोच्य, गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर एक लाख रुपये प्रत्येक (एनसीडी) आवंटित किए हैं, जो कुल मिलाकर 500 करोड़ रुपये हैं। डिबेंचर चिह्नित पर्यावरण अनुकूल लक्ष्यों से जुड़े हैं और शेयर बाजार नियामक सेबी द्वारा जारी पर्यावरण, सामाजिक और शासन ऋण प्रतिभूतियों के ढांचे के तहत जारी किए गए हैं।

सीमेंस लिमिटेड अलग इकाई के रूप में शेयर बाजार में सूचीबद्ध

- बीएसई पर 2,850 रुपए पर कारोबार किया शुरू

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सीमेंस लिमिटेड का ऊर्जा कारोबार अलग होने के बाद सीमेंस एनर्जी इंडिया लिमिटेड (एसईआईएल) बृहस्पतिवार को घरेलू शेयर बाजारों पर सूचीबद्ध हो गई।

सीमेंस एनर्जी इंडिया लिमिटेड के शेयर ने बीएसई पर 2,850 रुपये पर कारोबार शुरू किया। बाद में, यह 2,992.45 रुपये की ऊपरी सर्किट सीमा को छू गया, जो शुरुआती कीमत से पांच प्रतिशत अधिक था। बाद में कंपनी का शेयर 3.92 प्रतिशत की गिरावट के साथ 2,738.35 रुपये पर बंद हुआ। एनएसई पर कंपनी का शेयर 2,840 रुपये पर खुला और बाद में कारोबार के दौरान पांच प्रतिशत की बढ़त के साथ 2,982 रुपये की ऊपरी सर्किट सीमा को छू गया। कंपनी का शेयर 3.69 प्रतिशत की गिरावट के साथ 2,735 रुपये पर बंद हुआ। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 97,518.26 करोड़ रुपये रहा।

भारत के 91 फीसदी खिलौने गुणवत्ता मानदंडों के अनुरूप

मुंबई। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने जनवरी, 2021 में गुणवत्ता नियंत्रण आदेश के कार्यान्वयन के बाद से खिलौनों के 17,860 नमूनों में से 91 प्रतिशत को इस आदेश के अनुरूप पाया है। यह घरेलू बाजार में गुणवत्ता वाले उत्पादों की उपलब्धता को दर्शाता है। बीआईएस, मुंबई के निदेशक और प्रमुख (पश्चिमी क्षेत्रीय प्रयोगशाला) अनिल कापड़ी ने कहा कि ब्यूरो ने जनवरी, 2021 में खिलौना (गुणवत्ता नियंत्रण) आदेश के कार्यान्वयन के बाद व्यापक प्रवर्तन गतिविधियां शुरू की हैं। केंद्र सरकार में उपभोक्ता मामलों के विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, "बाजार में उपलब्ध प्रमाणित खिलौनों की गुणवत्ता की जांच रखने के लिए बीआईएस लगातार परीक्षण को लिए गए नमूनों की संख्या में वृद्धि कर रहा है। वर्ष 2021 से डेटा निगरानी गतिविधियों में वृद्धि का रुझान है।"

'इंडिया मीट्स ब्रिटेन ट्रैकर' के अनुसार कंपनियों की संख्या बढ़कर 1,197 हुई

ब्रिटेन में भारतीय स्वामित्व वाली कंपनियां 23 प्रतिशत बढ़ी

एजेंसी ▶▶ लंदन

ब्रिटेन में काम कर रहीं भारतीय स्वामित्व वाली कंपनियों की संख्या 2025 में सालाना आधार पर 23 प्रतिशत बढ़कर 1,197 हो गई है। किसी एक वर्ष में दर्ज यह सबसे तेज वृद्धि है।

- किसी एक वर्ष में दर्ज यह सबसे तेज वृद्धि

वैश्विक वित्तीय सलाहकार कंपनी ग्रांट थॉर्नटन द्वारा उद्योग निकाय सीआईआई (भारतीय उद्योग परिसंघ) के सहयोग से किए गए विश्लेषण, 'इंडिया मीट्स ब्रिटेन ट्रैकर' के अनुसार ब्रिटेन में भारतीय स्वामित्व वाली कंपनियों की संख्या तय संयुक्त राजस्व 2024 के 68.09 अरब पाउंड (जीबीपी) से बढ़कर 2025 में 72.14 अरब जीबीपी हो गया। विश्लेषण के 12वें संस्करण में पाया गया कि अब ब्रिटेन में 1,197 भारतीय स्वामित्व वाली कंपनियां कार्यरत हैं, जो 2024 के आंकड़ों की तुलना में 23 प्रतिशत अधिक है।

कंपनियों का सामूहिक राजस्व 72.14

इस वर्ष के विश्लेषण से पता चला है कि ब्रिटेन में भारतीय स्वामित्व वाली कंपनियों का सामूहिक राजस्व 2024 के 68.09 अरब जीबीपी (ब्रिटेन मुद्रा) से बढ़कर 72.14 अरब जीबीपी हो गया। ये कारोबार पूरे ब्रिटेन में 1,26,720 लोगों को रोजगार देते हैं। पिछले वर्ष इन्होंने 8,000 से अधिक नई नौकरियों का सृजन किया।

नई प्रवेशी कंपनी जोहो

इसके बाद नई प्रवेशी आईटी प्रबंधन कंपनी जोहो कॉरपोरेशन लिमिटेड है जिसने 197 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। कुल मिलाकर 20 कंपनियां 2025 में पहली बार इसमें (ट्रैकर में) शामिल हुईं, जबकि 41 कंपनियां पिछले साल से इसमें बनी हुई हैं।

विप्रो वृद्धि रैंकिंग में शीर्ष पर

आईजीएफ के चेयरमैन मनोज एल. ने कहा, " इस वर्ष का 'इंडिया मीट्स ब्रिटेन ट्रैकर' इस बात को रेखांकित करता है कि भारतीय व्यवसाय एक प्रमुख व्यापारिक साझेदार और निवेश केंद्र के रूप में ब्रिटेन के साथ कितने जुड़े हुए हैं।" विप्रो आईटी सर्विसेज यूके 2025 के विश्लेषण में 448 प्रतिशत राजस्व वृद्धि के साथ वृद्धि रैंकिंग में शीर्ष पर है।

'इंडिया मीट्स ब्रिटेन ट्रैकर' को लंदन में 'इंडिया ग्लोबल फोरम (आईजीएफ) यूके-इंडिया वीक' के दौरान वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और ब्रिटेन के उनके समकक्ष जोनाथन रेनॉल्ड्स ने बुधवार को पेश किया।

एफटीए के क्रियान्वयन पर चर्चा

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ब्रिटेन और भारत के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के क्रियान्वयन से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करने तथा दोनों देशों के बीच व्यापार एवं निवेश को बढ़ावा देने के तरीकों का पता लगाने के लिए दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर लंदन में हैं।

जेएसडब्ल्यू एनर्जी राशि जुटाने शेयरधारकों की मंजूरी लेगी

नई दिल्ली। जेएसडब्ल्यू एनर्जी 11 जुलाई को अपनी वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में प्रतिभूतियों जारी कर एक या अधिक किस्तों में 10,000 करोड़ रुपये तक की राशि जुटाने के लिए शेयरधारकों की मंजूरी मांगेगी। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि वह वित्त वर्ष 2029-30 तक 30 गीगावाट स्थापित क्षमता और 40 गीगावाट घंटे की भंडारण क्षमता का लक्ष्य हासिल करने के अनुरूप कारोबार वृद्धि के विभिन्न रास्ते तलाश रही है।

सितारे जमीन पर के प्रीमियर में साथ दिखे तीनों खान शाहरुख-सलमान, आमिर को सपोर्ट करने पहुंचे

पत्नी गौरी स्प्रैट ने हाथ थामकर दिए पोज; रेखा भी पहुंचीं

आमिर खान और जेनेलिया डिसूजा की फिल्म सितारे जमीन पर आज रिलीज हो चुकी है। रिलीज से पहले गुरुवार को मुंबई में सेलेब्स के लिए इसकी स्पेशल स्क्रीनिंग रखी गई थी, जिसमें बॉलीवुड इंडस्ट्री के कई दिग्गज कलाकार पहुंचे हैं। इस दौरान शाहरुख खान और सलमान खान भी आमिर को सपोर्ट करने पहुंचे।

बॉलीवुड में जब भी तीनों खानों—शाहरुख खान, सलमान खान और आमिर खान—की एक साथ मौजूदगी की बात होती है, तो फैंस के दिलों की धड़कनें तेज़ हो जाती हैं। ऐसा ही नज़ारा एक बार फिर देखने को मिला 18 साल पहले रिलीज़ हुई फ़िल्म 'तारे ज़मीन पर' के री-प्रीमियर या विशेष स्क्रीनिंग के दौरान। इस खास मौके पर आमिर खान के साथ बॉलीवुड की चकाचौंध भी नज़र आई। प्रीमियर का सबसे बड़ा आकर्षण रहा – शाहरुख, सलमान और आमिर का एक साथ दिखना।

आमिर खान की फिल्म का प्रीमियर, लेकिन स्टार आकर्षण बना 'खान मिलन'

2007 में रिलीज़ हुई 'तारे ज़मीन पर' को आज भी भारतीय सिनेमा की सबसे संवेदनशील फिल्मों में गिना जाता है। फ़िल्म के पुनः प्रदर्शन के मौके पर मुंबई में आयोजित प्रीमियर में सिनेमा जगत की कई मशहूर हस्तियां पहुंचीं। लेकिन जब शाहरुख खान और सलमान खान, आमिर को सपोर्ट करने पहुंचे, तो फैंस और मीडिया दोनों के लिए यह एक सरप्राइज़ रहा। तीनों खानों को एक फ्रेम में देखना आजकल दुर्लभ होता जा रहा है, लेकिन इस मौके पर उन्होंने एक साथ मुस्कुराकर पोज़ दिए, जिससे पुराना दौर याद आ गया। तीनों की कैमिस्ट्री ने साबित कर दिया कि चाहे प्रोफेशनल कॉम्पिटिशन कितना भी हो, लेकिन जब बात सिनेमा की हो, तो सब एक साथ खड़े हो सकते हैं।

शाहरुख खान अपनी पत्नी गौरी स्प्रैट के साथ

इस इवेंट में शाहरुख खान गर्लफ्रेंड गौरी स्प्रैट के साथ पहुंचे। दोनों ने हाथों में हाथ डालकर मीडिया के सामने पोज़ दिए। शाहरुख ने ब्लैक सूट पहना था, वहीं गौरी ने गोल्डन शिमरी गाउन में एंट्री ली। दोनों की केमिस्ट्री और सहजता देखकर यह साफ़ था कि वे लाइमलाइट में सहज हैं। इस दौरान फैंस ने गौरी को देख कर चौंकने वाला रिएक्शन दिया क्योंकि आमतौर पर वे मीडिया से दूर रहती हैं। लेकिन शाहरुख के साथ उनका यह सार्वजनिक रूप से आना दर्शाता है कि अब वे रिश्ते को खुलकर स्वीकार कर चुके हैं।

रेखा की एंट्री बनी चर्चा का विषय

जहां आज की पीढ़ी के सितारे पहुंचे, वहीं बॉलीवुड की एवरग्रीन एक्ट्रेस रेखा भी प्रीमियर में शामिल हुईं। रेखा ने अपनी ट्रेडिशनल कांजीवरम साड़ी और क्लासिक अंदाज़ से रेड कार्पेट पर तहलका मचा दिया। रेखा और आमिर की गहरी बातचीत और गर्मजोशी ने यह दिखा दिया कि सिनेमा सिर्फ पीढ़ियों का नहीं, भावनाओं का संगम भी है।

इमोशन और समाज को जोड़ने वाली फिल्म: तारे ज़मीन पर

फ़िल्म 'तारे ज़मीन पर' एक डिस्लेक्सिक बच्चे ईशान अवस्थी की कहानी है, जो पढ़ाई में कमजोर होता है, लेकिन कला में बेजोड़ होता है। आमिर खान इस फिल्म में टीचर राम शंकर निकुंभ के रोल में हैं, जो बच्चे की प्रतिभा को पहचान कर उसे आत्मविश्वास दिलाते हैं। इस फिल्म ने न सिर्फ बच्चों के मनोविज्ञान को पर्दे पर बेहतरीन ढंग से पेश किया, बल्कि अभिभावकों की सोच में भी बदलाव लाने का काम किया। यही कारण है कि इस फिल्म को बार-बार देखने का मन करता है और इस री-प्रीमियर में फिल्म इंडस्ट्री के दिग्गजों की मौजूदगी इस बात का प्रमाण थी कि यह फिल्म आज भी उतनी ही प्रासंगिक है।

प्रीमियर में दिखे ये सितारे भी

करण जौहर अपने ट्रेडमार्क स्टाइल में नजर आए। उन्होंने कहा, "तारे ज़मीन पर सिर्फ एक फिल्म नहीं, एक सोच है।"

विद्या बालन भी क्लासिक साड़ी लुक में दिखीं और आमिर की तारीफ करते हुए बोलीं कि उन्होंने एक समाज को सोचने पर मजबूर कर दिया। रणबीर कपूर और आलिया भट्ट भी इस खास मौके पर पहुंचे। दोनों ने मीडिया से बातचीत में बताया कि उन्होंने यह फिल्म पहली बार किशोरावस्था में देखी थी और यह उनके दिल के बेहद करीब है।

प्रीमियर बना इंडस्ट्री यूनिटी का उदाहरण

आमिर खान हमेशा इंडस्ट्री से थोड़े अलग-थलग माने जाते हैं, लेकिन इस मौके पर शाहरुख और सलमान की मौजूदगी ने साबित कर दिया कि बॉलीवुड में अब भी दोस्ती और सम्मान ज़िंदा है। एक समय था जब तीनों खान के रिश्तों में तल्ख़ी की खबरें आती थीं, लेकिन बीते कुछ वर्षों में उन्होंने मतभेदों को पीछे छोड़ एक नया अध्याय शुरू किया है।

इस मौके पर शाहरुख ने कहा,

"जब एक फिल्म समाज को बदलने का माद्दा रखती है, तो हमें साथ खड़े होना चाहिए, और आज मैं उसी सोच के साथ यहां हूं। आमिर को मेरा सलाम।"

वहीं सलमान ने कहा,

"मैं ये फिल्म हमेशा से पसंद करता रहा हूं, और यह देखना बेहद सुखद है कि इतने सालों बाद भी ये उतनी ही असरदार है।"

सोशल मीडिया पर छा गईं तस्वीरें

जैसे ही तीनों खानों की साथ की तस्वीरें सामने आईं, सोशल मीडिया पर #ThreeKhansReunite और #TaareZameenParPremier ट्रेंड करने लगे। फैंस ने इस लम्हे को बॉलीवुड का "गोल्डन फ्रेम" कहा और उम्मीद जताई कि शायद भविष्य में ये तीनों किसी फिल्म में एक साथ भी नज़र आएं।

इवेंट में सलमान खान के करीब पहुंचा अनजान शख्स

-सिक्योरिटी ने तुरंत पकड़ा, फैन होने का दावा

मुंबई: बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान अपनी फिल्मों और स्टारडम के लिए तो जाने ही जाते हैं, लेकिन बीते दिनों एक ऐसी घटना घटी जिसने उनकी सुरक्षा को लेकर फिर से कई सवाल खड़े कर दिए हैं। एक इवेंट के दौरान अचानक एक अज्ञात शख्स जबरदस्ती सलमान खान के पास जाने लगा। मामला बढ़ता, इससे पहले ही सिक्योरिटी टीम ने फौरन एक्शन लिया और स्थिति को काबू में किया। घटना ने न सिर्फ कार्यक्रम में मौजूद लोगों को चौंका दिया बल्कि सोशल मीडिया पर भी हलचल मचा दी है।

घटना कब और कहां हुई?

यह घटना मुंबई के एक प्रतिष्ठित फाइव स्टार होटल में हुई, जहां सलमान खान एक ब्रांड प्रमोशन इवेंट के लिए पहुंचे थे। इवेंट में मीडिया, फैंस और ब्रांड से जुड़े कई लोग मौजूद थे। कार्यक्रम अपने निर्धारित समय पर चल रहा था। सलमान मंच पर थे, और कैमरों की चमक के बीच वह फैंस की ओर हाथ हिला रहे थे।

इसी दौरान एक युवक दर्शकों की भीड़ से निकलकर मंच की तरफ दौड़ने लगा। शुरुआती तौर पर किसी को समझ नहीं आया कि वह क्या करने जा रहा है। लेकिन जैसे ही वह सलमान के काफी करीब पहुंच गया, सिक्योरिटी टीम हरकत में आई और उसे रोक लिया।

सिक्योरिटी ने लिया तुरंत एक्शन

सलमान खान की सुरक्षा में Y+ श्रेणी की सुरक्षा होती है, जो उन्हें हाल के सालों में लॉरेंस बिश्नोई गैंग से मिल रही धमकियों के चलते दी गई है। उनके आसपास हमेशा प्राइवेट सिक्योरिटी और मुंबई पुलिस के जवान तैनात रहते हैं। घटना के वक्त भी सलमान की टीम अलर्ट थी। जैसे ही वह युवक तेजी से आगे बढ़ा, चार सुरक्षा कर्मियों ने उसे पकड़ लिया और वहां से खींचकर बाहर ले गए। इस दौरान हल्का-फुल्का धक्का-मुक्की भी हुई, लेकिन किसी को चोट नहीं आई।

सलमान खान ने कैसी प्रतिक्रिया दी?

हालांकि सलमान खान ने मंच पर शांति बनाए रखी और किसी तरह का डर जाहिर नहीं किया, लेकिन कैमरे में कैद फुटेज में साफ नजर आया कि जैसे ही युवक उनके पास पहुंचने लगा, सलमान ने उसकी ओर देखा और दो कदम पीछे हट गए। उसके बाद सलमान ने सिक्योरिटी टीम की ओर इशारा कर हल्की मुस्कान के साथ कहा - "सब ठीक है।" इसके बाद कार्यक्रम को बिना किसी रुकावट के आगे बढ़ाया गया। सलमान की यही प्रोफेशनल अप्रोच फैंस को खासा पसंद आई।

आखिर कौन था वह शख्स?

पकड़े गए युवक की पहचान अभी तक सार्वजनिक नहीं की गई है, लेकिन सूत्रों के अनुसार वह एक 25 वर्षीय युवक है जो उत्तर भारत से मुंबई आया था। उसके पास से कोई हथियार नहीं मिला, लेकिन वह सलमान खान से मिलने के लिए बेताबी दिखा रहा था। पुलिस पूछताछ में उसने बताया कि वह सलमान का बहुत बड़ा फैन है और उनसे एक बार मिलना चाहता था। उसका दावा है कि वह किसी गलत मंशा से नहीं आया था। हालांकि, यह जांच का विषय है कि उसने सिक्योरिटी नियमों की अनदेखी क्यों की और ऐसा दुस्साहसिक कदम क्यों उठाया।

क्या यह केवल एक फैन का जुनून था या कुछ और?

आज के दौर में जब सोशल मीडिया और सेल्फी कल्चर का बोलबाला है, ऐसे मामलों में अंतर करना कठिन हो जाता है कि कौन सच्चा फैन है और कौन प्रसिद्धि पाने के लिए ऐसा कर रहा है। लेकिन सलमान खान के खिलाफ लगातार मिल रही धमकियों को देखते हुए किसी भी घटना को हल्के में नहीं लिया जा सकता। कई एक्सपर्ट्स का मानना है कि ऐसे "फैन एटैम्प्ट्स" के पीछे कभी-कभी गहरी साजिश भी हो सकती है। इसलिए जांच एजेंसियां हर पहलू से इस मामले को देख रही हैं।

पहले भी हो चुके हैं ऐसे वाकये

यह पहली बार नहीं है जब किसी फैन ने सलमान खान के पास जबरन पहुंचने की कोशिश की हो। इससे पहले भी कई बार उनकी शूटिंग या इवेंट्स के दौरान फैंस ने बैरिकेडिंग तोड़ने की कोशिश की है। कुछ साल पहले एक फैन उनके घर 'गैलेक्सी अपार्टमेंट' के बाहर सुरक्षा तोड़कर अंदर घुस गया था। इन्हीं घटनाओं के मद्देनज़र सलमान खान की सुरक्षा को बढ़ाया गया है। उनके हर मूवमेंट पर खास निगरानी रहती है और बिना अनुमति किसी को पास जाने की इजाज़त नहीं होती।

सोशल मीडिया पर प्रतिक्रियाएं

घटना का वीडियो वायरल होने के बाद सोशल मीडिया पर तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं। कई फैंस सलमान की बहादुरी और संयम की तारीफ कर रहे हैं। वहीं कुछ लोग यह सवाल भी उठा रहे हैं कि इतनी कड़ी सुरक्षा के बावजूद कोई व्यक्ति इतनी आसानी से सलमान के करीब कैसे पहुंच गया?

ट्विटर पर एक यूज़र ने लिखा –

"सलमान भाई की सुरक्षा में इतनी चूक? शुक्र है कुछ गंभीर नहीं हुआ। प्रशासन को अलर्ट रहना होगा।"

एक अन्य यूज़र ने लिखा –

"भाई (सलमान) का रिएक्शन देखो, कितने शांत और प्रोफेशनल हैं। ऐसे ही नहीं बनते सुपरस्टार!"

क्या अब सुरक्षा में और बदलाव होगा?

मुंबई पुलिस और सलमान की निजी सुरक्षा एजेंसी ने इस घटना को गंभीरता से लिया है। सूत्रों के मुताबिक, आने वाले दिनों में उनकी सुरक्षा में कुछ नए प्रोटोकॉल जोड़े जा सकते हैं। खासकर सार्वजनिक इवेंट्स में सलमान से फैंस की दूरी को और बढ़ाया जाएगा और मंच के आसपास अतिरिक्त जवानों की तैनाती की जाएगी।

'ABCD' फेम लॉरेन गॉटलिब ने रचाई शादी, इटली में रॉयल सेरेमनी

- लंदन के डायरेक्टर टोबियस जोन्स बने जीवनसाथी

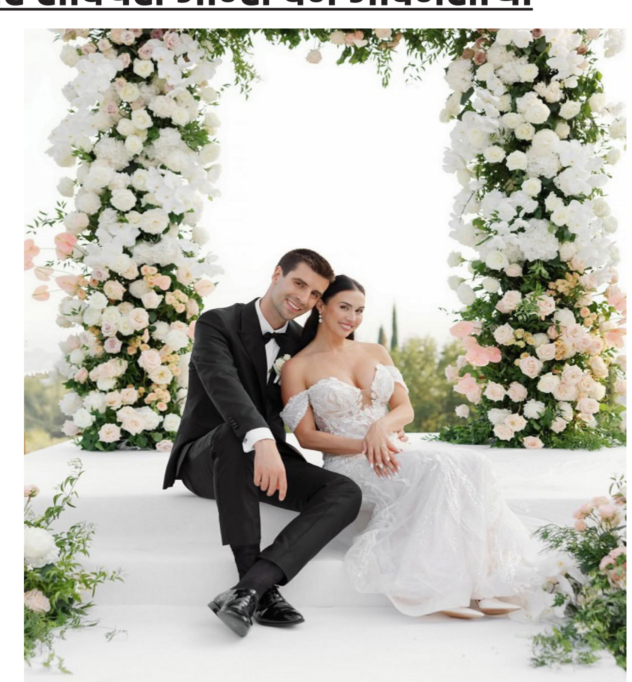

हॉलीवुड और बॉलीवुड दोनों में अपनी छाप छोड़ने वाली मशहूर डांसर और एक्ट्रेस लॉरेन गॉटलिब ने आखिरकार शादी के बंधन में बंधकर अपने फैंस को सरप्राइज़ दे दिया है। लॉरेन ने लंदन के चर्चित फिल्म निर्देशक टोबियस जोन्स से शादी कर ली है। यह खूबसूरत शादी इटली में एक शानदार सेरेमनी के दौरान संपन्न हुई, जिसमें परिवार के बेहद करीबी लोग और चुनिंदा दोस्त शामिल हुए।

कौन हैं लॉरेन गॉटलिब?

लॉरेन गॉटलिब एक अमेरिकन डांसर, कोरियोग्राफर और एक्ट्रेस हैं जिन्हें भारतीय दर्शकों ने सबसे पहले टीवी शो 'झलक दिखला जा' में देखा था। इसके बाद वो रेमो डिसूज़ा की फिल्म 'ABCD: Any Body Can Dance' से चर्चा में आईं और भारतीय दर्शकों के दिलों में खास जगह बना ली। लॉरेन की डांसिंग स्किल्स, उनकी परफॉर्मेंस और इंडियन कल्चर के प्रति उनका लगाव कई बार सुर्खियों में रहा है।

शादी की खास बातें

लोकेशन – इटली की रोमांटिक वादियों में शादी

लॉरेन और टोबियस की शादी इटली के एक प्राचीन किले (castle) में हुई, जो कि पहाड़ों से घिरा हुआ था और वहां का दृश्य बिल्कुल परी कथा जैसा लग रहा था। लॉरेन ने सोशल मीडिया पर **शादी की तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा –**

"We did it From the moment I met you, my heart knew..."

इस शादी को बहुत ही प्राइवेट और क्लासिक रखा गया। दोनों परिवारों और चुनिंदा दोस्तों की मौजूदगी में सातों वचन लिए गए।

लॉरेन और टोबियस की लव स्टोरी

लॉरेन और टोबियस की मुलाकात कुछ साल पहले एक डांस इवेंट के दौरान हुई थी। दोनों ने धीरे-धीरे दोस्ती शुरू की और समय के साथ यह दोस्ती गहरे प्यार में बदल गई। टोबियस एक टैलेंटेड फिल्म डायरेक्टर और विजुअल स्टोरीटेलर हैं, जिन्होंने यूरोप और अमेरिका में कई प्रोजेक्ट्स किए हैं। 2023 में लॉरेन ने अपनी सगाई की खबर फैंस से शेयर की थी और उसके बाद से ही फैंस को उनकी शादी का बेसब्री से इंतज़ार था।

लॉरेन की वेडिंग ड्रेस

लॉरेन ने अपने शादी के दिन एक खूबसूरत व्हाइट गाउन पहना था जिसमें फ्लोरल एम्ब्रॉयडरी और लॉन्ग ट्रेल था। उनका मेकअप मिनिमल और हेयरस्टाइल क्लासिक बन था। उन्होंने अपने ब्राइडल लुक में बेहद ग्रेसफुल और रॉयल अपीयरेंस दिया। वहीं टोबियस ने ब्लैक एंड व्हाइट टक्सीडो पहना, जिसमें वह किसी हॉलीवुड क्लासिक मूवी के हीरो की तरह नज़र आ रहे थे। दोनों का लुक सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है।

शादी की रस्में और सेलिब्रेशन

शादी से एक दिन पहले मेहंदी और संगीत जैसा फंक्शन भी रखा गया था जिसमें कुछ भारतीय और कुछ वेस्टर्न एलिमेंट्स का मिश्रण देखने को मिला। लॉरेन ने मेहंदी सेरेमनी में इंडियन लहंगा पहना था और बॉलीवुड गानों पर खूब डांस भी किया। शादी के बाद ग्रैंड रिसेप्शन रखा गया जिसमें कपल ने वाइन टोस्ट किया और मेहमानों ने उनके लिए स्पीच दी। यह फंक्शन रात भर चला और संगीत, मस्ती और रोमांटिक माहौल से भरपूर रहा।

भारत से रिश्ता और फैंस का रिएक्शन

लॉरेन का भारत से खास जुड़ाव है। उन्होंने भारत में कई साल काम किया है और बॉलीवुड को एक नया वेस्टर्न डांसिंग टच देने में अहम भूमिका निभाई है। उनकी शादी की खबर सुनकर इंडियन फैंस और सेलिब्रिटीज़ ने उन्हें ढेर सारी बधाइयां दीं। मशहूर कोरियोग्राफर रेमो डिसूज़ा, नोरा फतेही, शक्ति मोहन, और टेरेंस लुईस जैसे लोगों ने सोशल मीडिया पर उन्हें विश किया।

लॉरेन का पोस्ट और संदेश

लॉरेन ने इंस्टाग्राम पर लिखा –"आज मैंने उस इंसान से शादी की जिसे पाकर मैं खुद को सबसे ज़्यादा खुशनसीब समझती हूं। हर दिन तुम्हारे साथ बिताना एक नई कहानी लिखने जैसा है। तुम्हारे साथ जीवन बिताना मेरे लिए एक आशीर्वाद है।"

टोबियस ने भी एक भावुक पोस्ट शेयर करते हुए कहा –

"लॉरेन ने मेरी जिंदगी को नई रोशनी दी है। उनका दिल, जुनून और सच्चाई ने मुझे बेहतर इंसान बनाया है।"

आगे की योजनाएं : कपल फिलहाल यूरोप में हनीमून पर जाने की तैयारी कर रहा है। लॉरेन ने कहा है कि वह शादी के बाद भी अपने प्रोफेशनल प्रोजेक्ट्स पर काम करती रहेंगी, लेकिन कुछ समय निजी जीवन को भी देंगी। वहीं टोबियस भी अपनी अगली डॉक्यूमेंट्री फिल्म की स्क्रिप्टिंग कर रहे हैं।

एकता कपूर से विवाद के बाद राम कपूर का यू-टर्न

-बोले- जो कहना है कहें, मैं अब एक शब्द नहीं कहूंगा

टेलीविज़न और बॉलीवुड की दुनिया में जब कोई बड़ा नाम किसी विवाद में आता है, तो वह सुर्खियों में आना तय होता है। इस बार सुर्खियों में हैं टीवी और फिल्म जगत के चर्चित अभिनेता राम कपूर और फेमस प्रोड्यूसर एकता कपूर। दोनों के बीच लंबे समय से चली आ रही पेशेवर साझेदारी अचानक विवादों में आ गई, जब कुछ समय पहले एकता कपूर की तरफ से राम कपूर को "अनप्रोफेशनल" कहे जाने की खबरें सामने आईं।

हालांकि, अब इस पूरे विवाद ने एक नया मोड़ ले लिया है। राम कपूर, जो पहले कुछ रिपोर्ट्स के अनुसार एकता के खिलाफ नाराज़ नज़र आ रहे थे, अब अचानक चुप्पी साधे हुए हैं और उन्होंने सार्वजनिक रूप से कहा है - "जो कहना है कहें, मैं अब इस मुद्दे पर एक शब्द नहीं कहूंगा।"

विवाद की शुरुआत: क्या हुआ था?

टीवी इंडस्ट्री में एकता कपूर और राम कपूर की जोड़ी को एक मजबूत और हिट साझेदारी माना जाता रहा है। 'बड़े अच्छे लगते हैं', 'कसम से', 'कर ले तू भी मोहब्बत' जैसे शोज़ में राम कपूर ने एकता की प्रोडक्शन कंपनी के साथ मिलकर काम किया और दर्शकों का खूब प्यार बटोरा। लेकिन बीते कुछ हफ्तों में अचानक यह खबर आई कि एकता कपूर ने अपने एक इंटरव्यू में कहा कि "कुछ कलाकार बहुत ज्यादा अनप्रोफेशनल हो जाते हैं, टाइम की वैल्यू नहीं करते और अपने स्टारडम को ऊपर रखने लगते हैं।" हालांकि उन्होंने नाम नहीं लिया, लेकिन इंडस्ट्री में कई लोगों ने अनुमान लगाया कि यह टिप्पणी राम कपूर के लिए थी, क्योंकि हाल ही में एक वेब शो की शूटिंग को लेकर समय और अनुशासन पर मतभेद की खबरें आ रही थीं।

राम कपूर का शुरुआती रिएक्शन

शुरुआती दिनों में राम कपूर ने इस पर टिप्पणी करने से परहेज़ किया, लेकिन सोशल मीडिया पर उनके कुछ पोस्टों को इस विवाद से जोड़कर देखा गया। एक पोस्ट में उन्होंने लिखा था, "कुछ रिश्ते वक्त के साथ बदल जाते हैं, लेकिन इज्ज़त हमेशा दोतरफा होनी चाहिए।"

इसके बाद चर्चा और गर्मा गई। कई फैंस ने एकता कपूर को ट्रोल करना शुरू कर दिया, तो कुछ लोग राम कपूर की तरफ सवाल उठाने लगे। तभी एकता कपूर की टीम से एक सूत्र ने मीडिया को बताया, "प्रोडक्शन में अगर कोई बार-बार सेट पर देर से आता है और कॉन्ट्रैक्ट के नियमों को हल्के में लेता है, तो उसे प्रोफेशनल नहीं कहा जा सकता।"

सोशल मीडिया पर बहस

ट्विटर और इंस्टाग्राम पर इस मामले ने जोर पकड़ा। कई टीवी कलाकार भी अप्रत्यक्ष रूप से इस बहस में कूद पड़े। कुछ ने राम कपूर का समर्थन किया, तो कुछ ने एकता की बात को सही ठहराया। एक टीवी अभिनेत्री ने बिना नाम लिए लिखा, "कुछ कलाकार सोचते हैं कि वो किसी भी सेट पर देर से आएंगे और सब उन्हें झेलेंगे, ये सही नहीं है।"

वहीं, राम कपूर के एक पुराने को-एक्टर ने कहा, "राम एक समर्पित और मेहनती एक्टर हैं, उन्हें यूं 'अनप्रोफेशनल' कहना बेहद गलत है।"

राम कपूर का यू-टर्न: शांति का संकेत?

इस सबके बीच राम कपूर ने अब एक इंटरव्यू में यू-टर्न लेते हुए कहा है, "मैं अब इस मामले में कुछ नहीं बोलना चाहता। जो भी कहना है लोग कहें, मैं अब इस विवाद को हवा नहीं देना चाहता।"

उन्होंने आगे कहा, "मैंने अपने करियर में बहुत कुछ देखा है। मैं बस अब अपने काम पर ध्यान देना चाहता हूं। जहां तक इंडस्ट्री के रिश्तों की बात है, मैं किसी के खिलाफ कोई बयान नहीं देना चाहता।"

यह बयान न केवल हैरान करने वाला था, बल्कि यह भी दिखाता है कि शायद राम अब यह विवाद खत्म करना चाहते हैं और अपने फोकस को दोबारा अभिनय और प्रोजेक्ट्स पर लाना चाहते हैं।

एकता कपूर की प्रतिक्रिया

राम कपूर के इस शांत रवैये पर अब एकता कपूर की ओर से कोई नई प्रतिक्रिया नहीं आई है। हालांकि, उनके करीबी सूत्रों का कहना है कि "एकता किसी से व्यक्तिगत दुश्मनी नहीं रखतीं, लेकिन काम में अनुशासन और डेडलाइन उनके लिए बहुत ज़रूरी हैं।"

कुछ मीडिया रिपोर्ट्स का यह भी कहना है कि एकता की कंपनी फिलहाल राम कपूर के साथ आगे किसी प्रोजेक्ट को लेकर विचार नहीं कर रही है।

इंडस्ट्री का रिएक्शन

टीवी और फिल्म इंडस्ट्री के अंदरूनी गलियारों में इस विवाद को लेकर हलचल जरूर रही है, लेकिन अधिकांश कलाकारों ने इससे दूरी बनाए रखी है। हालांकि, कुछ निर्माता और निर्देशकों ने इस विवाद को 'बड़े नामों के बीच की आम बात' बताकर नज़रअंदाज़ करने की कोशिश की है। एक वरिष्ठ टीवी लेखक ने कहा, "राम और एकता ने मिलकर शानदार काम किया है। यह संभव है कि किसी एक शूट के दौरान कोई ग़लतफ़हमी हो गई हो, लेकिन ऐसे मुद्दों को सार्वजनिक करना दोनों के कद के हिसाब से ठीक नहीं।"

अनिल कपूर पर फूटा पहलाज निहलानी का गुस्सा: बोले- 'अंदाज़' करने को बेताब थे

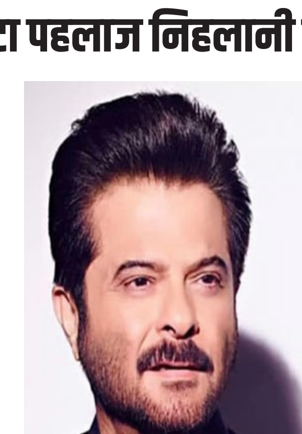
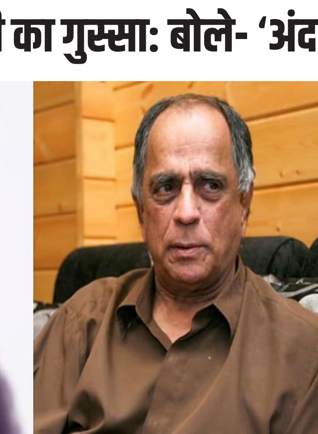

फिल्म निर्माता और पूर्व सेंसर बोर्ड अध्यक्ष पहलाज निहलानी ने एक पुराने विवाद को लेकर अभिनेता अनिल कपूर पर जमकर निशाना साधा है। हाल ही में एक इंटरव्यू में उन्होंने अनिल कपूर को 'झूठा नंबर वन' करार दिया और आरोप लगाया कि अनिल ने फिल्म अंदाज़ को लेकर झूठ फैलाया है।

'अंदाज़' को लेकर पुराना विवाद फिर उभरा

पहलाज निहलानी ने बताया कि जब वे फिल्म अंदाज़ (1994) बना रहे थे, उस वक्त अनिल कपूर फिल्म का हिस्सा बनने के लिए काफी उत्साहित थे। निहलानी के मुताबिक, अनिल ने फिल्म के एक गाने 'जुबां पे दर्द भरी दास्तान चली आई' को करीब 50 बार सुना था और खुद डायरेक्टर राजकंवर को कॉल कर के पूछा था कि ये गाना उन्हें ही क्यों नहीं मिला।

अनिल ने किया था फिल्म से इनकार?

दरअसल, कुछ समय पहले अनिल कपूर ने एक इंटरव्यू में कहा था कि उन्होंने अंदाज़ जैसी फिल्मों को रिजेक्ट किया था क्योंकि उन्हें लगा कि ऐसी मसाला फिल्में उनके करियर के लिए सही नहीं थीं। इसी बयान से नाराज़ निहलानी ने कहा: अनिल कपूर झूठ बोल रहे हैं। उन्होंने खुद अंदाज़ करने की गुज़ारिश की थी। अगर वो फिल्म इतनी बुरी थी तो 50 बार उसका गाना क्यों सुना?

'झूठा नंबर वन' की उपाधि

निहलानी यहीं नहीं रुके। उन्होंने अनिल कपूर को सीधे तौर पर 'झूठा नंबर वन' कहते हुए कहा: मैंने गोविंदा को 'हीरो नंबर वन' बनाया और अनिल कपूर को 'झूठा नंबर वन'।

उन्होंने यह भी कहा कि जो कलाकार इंडस्ट्री में कुछ बन जाते हैं, वे अपने पुराने दिनों को भूल जाते हैं और अपने हिसाब से इतिहास लिखने की कोशिश करते हैं।

मूवी रिव्यू: 'सितारे ज़मीन पर' -एक मासूम दिल को छू लेने वाली कहानी

आमिर ख़ान की फिल्म सितारे ज़मीन पर एक संवेदनशील, भावनात्मक और प्रेरणादायक फिल्म है जो शिक्षा प्रणाली और एक विशेष बच्चे की मानसिक दुनिया को बेहद खूबसूरती से पेश करती है। फिल्म का केंद्रीय किरदार ईशान अवस्थी (दर्शील सफ़ारी) डिस्लेक्सिया से जूझ रहा है, जिसे समाज और स्कूल "नालायक" समझते हैं।

आमिर ख़ान ने एक समर्पित शिक्षक "निकुंभ सर" का किरदार निभाया है, जो न सिर्फ ईशान की प्रतिभा को पहचानता है, बल्कि उसे समझने और सुधारने का रास्ता भी दिखाता है। फिल्म की कहानी, संगीत (विशेषकर "माँ" और "जिंदगी रोशनी") और संवाद दिल को छू जाते हैं।

यह फिल्म शिक्षा, माता-पिता और समाज को यह संदेश देती है कि हर बच्चा खास होता है। किसी की कमी नहीं, बस उसे समझने की ज़रूरत है।

सितारे ज़मीन पर डाउन सिंड्रोम पर नहीं बल्कि डिस्लेक्सिया (पढ़ने-लिखने की कठिनाई) पर आधारित है, लेकिन इसमें आमिर की अदाकारी, निर्देशन और इमोशनल अपील इसे एक यादगार और जरूरी फिल्म बनाते हैं। यह फिल्म बच्चों और बड़ों – दोनों के लिए एक ज़रूरी सबक है। आमिर ख़ान द्वारा निर्देशित सितारे ज़मीन पर एक दिल को छू लेने वाली फिल्म है, जो एक डिस्लेक्सिक बच्चे की जद्दोजहद को उजागर करती है।

दर्शील सफ़ारी ने ईशान के रूप में शानदार प्रदर्शन किया है, जो पढ़ाई में कमजोर समझा जाता है लेकिन कल्पनाओं की उड़ान में बेहद आगे है।

तेंदुलकर-एंडरसन ट्रॉफी लॉन्च, अब पटौदी के नाम पर मिलेगा मेडल

-सचिन बोले- टाइगर पटौदी ने कई पीढ़ियों को किया प्रेरित

(लीड्स भाषा),भारतीय क्रिकेट के इतिहास में एक नया अध्याय जुड़ गया है। अब जब भी भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट सीरीज खेली जाएगी, वह 'तेंदुलकर-एंडरसन ट्रॉफी' के नाम से जानी जाएगी। इस ट्रॉफी का नाम भारत के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर और इंग्लैंड के दिग्गज तेज गेंदबाज़ जेम्स एंडरसन के सम्मान में रखा गया है। इसके साथ ही, सीरीज में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी को अब 'पटौदी मेडल' दिया जाएगा, जो भारतीय क्रिकेट के एक और महानतम सितारे 'टाइगर' मंसूर अली खान पटौदी के नाम पर होगा।

क्यों जरूरी था नाम बदलना?

अब तक भारत और इंग्लैंड के बीच जब टेस्ट सीरीज़ इंग्लैंड में होती थी, उसे "पटौदी ट्रॉफी" कहा जाता था। यह ट्रॉफी 2007 में शुरू हुई थी। लेकिन भारत में होने वाली सीरीज़ का कोई नाम नहीं था। इससे विवाद खड़ा हो गया था। क्रिकेट प्रेमियों और खेल विशेषज्ञों का मानना था कि पटौदी जैसे महान खिलाड़ी के नाम पर पूरी द्विपक्षीय टेस्ट सीरीज होनी चाहिए, न कि सिर्फ इंग्लैंड में होने वाली। लेकिन इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ECB) और बीसीसीआई ने अब इस विवाद को शांत करते हुए नई ट्रॉफी लॉन्च की है, जो दोनों देशों के महान खिलाड़ियों के नाम पर रखी गई है और इसका सम्मान दोनों ही देशों में समान रूप से होगा।

सचिन और एंडरसन: रिकॉर्ड और सम्मान का संगम

सचिन तेंदुलकर ने 1989 से 2013 तक भारत के लिए टेस्ट क्रिकेट खेला और 200 टेस्ट मैचों में 15,921 रन बनाए। वहीं जेम्स एंडरसन, जिन्होंने 2003 में टेस्ट डेब्यू किया था, हाल ही में संन्यास की घोषणा की है और उन्होंने 700 से ज़्यादा टेस्ट विकेट लिए हैं। दोनों खिलाड़ियों ने अपनी-अपनी टीमों के लिए लंबे समय तक खेलते हुए अपार योगदान दिया है।

इस ट्रॉफी का नाम इन दोनों खिलाड़ियों के नाम पर रखना भविष्य की पीढ़ियों को प्रेरणा देने के उद्देश्य से लिया गया निर्णय है।

सचिन तेंदुलकर का बयान

ट्रॉफी लॉन्च के मौके पर सचिन तेंदुलकर ने कहा,

"टाइगर पटौदी साहब न सिर्फ एक महान क्रिकेटर थे, बल्कि वो भारतीय क्रिकेट को आत्मविश्वास देने वाले पहले कप्तानों में से एक थे। उनका दृष्टिकोण, उनकी आक्रामक कप्तानी और क्रिकेट के प्रति जुनून ने कई पीढ़ियों को प्रेरित किया है। मैं खुद उनके योगदान से प्रभावित रहा हूं।"

सचिन ने एंडरसन के बारे में भी कहा, "एंडरसन ने तेज गेंदबाज़ी को एक नई ऊंचाई दी। उनका अनुशासन और तकनीक आने वाली पीढ़ियों के लिए मिसाल हैं।"

जेम्स एंडरसन की विदाई और ट्रॉफी में उनका नाम

इंग्लैंड के सबसे सफल टेस्ट गेंदबाज़ जेम्स एंडरसन ने 2025 की गर्मियों में अपने करियर का आखिरी टेस्ट मैच खेलने की घोषणा की। 700 से ज्यादा विकेट लेकर वह टेस्ट क्रिकेट के सबसे सफल गेंदबाज़ों में शामिल हैं। उनके संन्यास के समय ही यह ट्रॉफी लॉन्च की गई है ताकि उनके अद्भुत करियर को सम्मान मिल सके। यह निर्णय इस बात को भी दर्शाता है कि आधुनिक युग के खिलाड़ियों को भी अब क्रिकेट की विरासत में शामिल किया जा रहा है।

पटौदी मेडल: क्यों खास है ये सम्मान?

पटौदी मेडल अब भारत-इंग्लैंड टेस्ट सीरीज में उस खिलाड़ी को मिलेगा जो पूरे सीरीज में सबसे शानदार प्रदर्शन करेगा। मंसूर अली खान पटौदी, जिन्हें 'टाइगर' के नाम से जाना जाता था, 1962 में मात्र 21 साल की उम्र में भारतीय टीम के कप्तान बने थे। वह अपने जमाने के सबसे आक्रामक कप्तानों में से एक माने जाते थे। उन्होंने भारतीय क्रिकेट को आत्मविश्वास, आक्रामक सोच और साहस का परिचय कराया।

उनका खेल केवल बल्लेबाज़ी तक सीमित नहीं था, बल्कि उन्होंने भारतीय टीम की सोच में क्रांतिकारी बदलाव लाए। उनके नाम पर मेडल दिया जाना, नई पीढ़ी को क्रिकेट की जड़ों से जोड़ने की एक कोशिश मानी जा रही है।

पहले कौन सी ट्रॉफी थी?

2007 में जब इंग्लैंड में भारत-इंग्लैंड टेस्ट सीरीज़ खेली गई, तब से इसे "पटौदी ट्रॉफी" कहा जाता था।

लेकिन भारत में जब इंग्लैंड का दौरा होता था, तब उस सीरीज का कोई नाम नहीं रखा गया था।

अब 'तेंदुलकर-एंडरसन ट्रॉफी' के आने से यह भ्रम खत्म हो गया है और दोनों देशों में समान रूप से यह ट्रॉफी लागू होगी।

आलोचना और विवाद क्यों हुए थे?

जब 2024 में पटौदी ट्रॉफी को "रिटायर" करने की खबरें आईं, तो कई दिग्गज खिलाड़ियों और क्रिकेट प्रेमियों ने इसे असहमति के साथ देखा। पटौदी परिवार और कई पूर्व क्रिकेटरों ने बीसीसीआई से आग्रह किया था कि टाइगर पटौदी जैसे खिलाड़ी के योगदान को नजरअंदाज़ नहीं किया जाना चाहिए। इसके बाद बोर्ड को अपनी रणनीति पर पुनर्विचार करना पड़ा और अब पटौदी को मेडल के ज़रिये सम्मानित करने का रास्ता निकाला गया है।

क्या कहते हैं क्रिकेट जानकार?

क्रिकेट लेखक हरिशंकर वर्मा के अनुसार, "यह एक संतुलित और समझदारी भरा फैसला है। सचिन और एंडरसन जैसे दो महान खिलाड़ियों को ट्रॉफी का नाम देकर आधुनिक युग को सम्मान मिला और पटौदी को मेडल के रूप में याद रखकर अतीत को भी समर्पण मिला।"

अब यह परंपरा कैसे चलेगी?

भारत-इंग्लैंड टेस्ट सीरीज का नाम अब **'तेंदुलकर-एंडरसन ट्रॉफी' होगा।**

सीरीज के अंत में 'पटौदी मेडल' उस खिलाड़ी को मिलेगा जिसने पूरे सीरीज में सबसे बेहतरीन प्रदर्शन किया हो।

बीसीसीआई और ईसीबी मिलकर हर सीरीज से पहले ट्रॉफी लॉन्च और मेडल के प्रोटोकॉल को लागू करेंगे।

"फुटबॉल के आकाश के पांच सितारे, जिनसे चमका पूरा खेल जगत"

(लीड्स भाषा), फुटबॉल को 'द ब्यूटीफुल गेम' कहा जाता है — और इस खेल की खूबसूरती को नए आयाम देने वाले कुछ ऐसे दिग्गज हुए हैं जिन्होंने न सिर्फ मैदान पर इतिहास रचा बल्कि दुनिया भर में फुटबॉल की सोच, शैली और रणनीति को बदल डाला। वे खिलाड़ी नहीं बल्कि 'महागुरु' थे – जिन्होंने अपने कौशल, दिमाग और दृष्टिकोण से फुटबॉल की तक़दीर ही बदल दी। आइए जानते हैं ऐसे ही 5 फुटबॉल के 'महागुरुओं' के बारे में जिन्होंने इस खेल के इतिहास और भूगोल में अमिट छाप छोड़ी:

1. योहान क्रुफ़ (Johan Cruyff) – "टोटल फुटबॉल" का वास्तुकार

नीदरलैंड्स के योहान क्रुफ़ सिर्फ एक बेहतरीन खिलाड़ी ही नहीं थे, बल्कि एक महान विचारक भी थे। उन्होंने 1970 के दशक में "टोटल फुटबॉल" का दर्शन पेश किया — जिसमें खिलाड़ी पोज़िशनल भूमिका में नहीं बंधते थे, बल्कि खेल की स्थिति के अनुसार अपनी जगह और भूमिका बदलते रहते थे।

प्रभाव:

इस प्रणाली ने विरोधी टीम की रणनीति को ध्वस्त करना शुरू किया।

क्रुफ़ के विचारों ने बार्सिलोना के फुटबॉल ढांचे को पूरी तरह बदल दिया।

आज भी पेप गार्डिओला जैसे कोच "क्रुफ़िज़्म" को अपनाते हैं।

उपलब्धियां:

बार्सिलोना के लिए कोच रहते हुए 'ड्रीम टीम' बनाई।

अजाक्स को यूरोप की सबसे क्रांतिकारी टीमों में बदल दिया।

2. पेले (Pelé) – फुटबॉल का पहला सुपरस्टार

ब्राज़ील के पेले को 'फुटबॉल का राजा' कहा जाता है। उन्होंने दुनिया को दिखाया कि कैसे खेल को कला की तरह खेला जा सकता है। उनके गोल, ड्रिब्लिंग, स्पीड और टीम वर्क ने फुटबॉल की नई परिभाषा गढ़ी।

प्रभाव:

उन्होंने फुटबॉल को ग्लोबल स्पोर्ट बनाने में सबसे बड़ा रोल निभाया।

तीन बार विश्व कप जीतने वाले इकलौते खिलाड़ी बने।

अफ्रीका से लेकर अमेरिका तक लाखों युवाओं को प्रेरित किया।

उपलब्धियां:

1958, 1962 और 1970 में ब्राज़ील को विश्व कप जितवाया।

1000 से ज्यादा करियर गोल किए।

3. डिएगो माराडोना (Diego Maradona) – जुनून और जादू का प्रतीक

अर्जेंटीना के डिएगो माराडोना फुटबॉल की दुनिया में 'जादूगर' की तरह थे। उनके पैरों से गेंद ऐसे चिपकी रहती थी जैसे कोई चुंबक। 1986 विश्व कप में उन्होंने जो कारनामे किए, उसने उन्हें अमर बना दिया।

प्रभाव:

कमजोर टीमों को भी बड़े मुकाम पर पहुंचाने का जज़्बा दिया।

फुटबॉल को सिर्फ खेल नहीं, बल्कि इमोशन्स से जोड़ दिया।

उनकी 'हैंड ऑफ गॉड' और 'गोल ऑफ द सेंचुरी' आज भी चर्चा में रहते हैं।

उपलब्धियां:

1986 में अर्जेंटीना को वर्ल्ड कप दिलाया।

नेपोली जैसे मिड-टेबल क्लब को इटली की चैंपियन बनाया।

4. पेप गार्डिओला (Pep Guardiola) – आधुनिक युग का रणनीतिकार

स्पेन के पेप गार्डिओला ने बतौर कोच फुटबॉल को 'वैज्ञानिक रणनीति' के साथ जोड़ दिया। वे हर मैच को एक गणितीय समस्या की तरह हल करते हैं। उनकी कोचिंग में बार्सिलोना, बायर्न म्यूनिख और मैनचेस्टर सिटी ने इतिहास रचा।

प्रभाव:

'तिका-टका' फुटबॉल शैली को विश्व स्तर पर लोकप्रिय किया।

पोज़िशनल प्ले, प्रेसिंग और पासिंग की नई परिभाषा दी।

कोचिंग को सिर्फ निर्देश नहीं, बल्कि दर्शन के रूप में प्रस्तुत किया।

उपलब्धियां:

बार्सिलोना को 2009 में 'ट्रेबल' जितवाया (La Liga, Copa del Rey, Champions League)।

मैनचेस्टर सिटी को इंग्लिश फुटबॉल में बेजोड़ बना दिया।

5. लियोनेल मेसी (Lionel Messi) – प्रतिभा की पराकाष्ठा

लियोनेल मेसी फुटबॉल के आधुनिक युग के 'कला-पुजारी' हैं। उन्होंने दिखाया कि तकनीक, बुद्धि और समर्पण के बल पर कोई भी खिलाड़ी सीमाओं को पार कर सकता है। उनका हर गोल एक कविता लगता है।

प्रभाव:

उन्होंने शारीरिक कमजोरी को अपनी ताकत में बदला।

एक ही क्लब (बार्सिलोना) के साथ दो दशक में इतने रिकॉर्ड बनाए जो सदियों में कोई न तोड़े।

अर्जेंटीना को Copa América और 2022 में वर्ल्ड कप दिलाकर आलोचकों का मुंह बंद कर दिया।

उपलब्धियां:

8 बार Ballon d'Or जीता (अब तक रिकॉर्ड)।

2022 में फीफा वर्ल्ड कप जीतकर 'GOAT' की बहस को विराम दिया।

ऑस्ट्रेलिया की टेस्ट टीम में बड़ा बदलाव

-वेस्टइंडीज के खिलाफ स्मिथ-लाबुशेन बाहर, कॉन्स्टास और इंग्लिस को पहला मौका

(लीड्स भाषा),ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम में एक बड़ा और चौंकाने वाला बदलाव सामने आया है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज़ के लिए स्टीव स्मिथ और मार्नस लाबुशेन जैसे अनुभवी खिलाड़ियों को बाहर कर दिया है, जबकि युवा खिलाड़ियों जैसे कैमरन कॉन्स्टास और जोश इंग्लिस को टीम में शामिल किया गया है। यह फैसला ऑस्ट्रेलिया की चयन समिति द्वारा भविष्य की तैयारियों और टीम में नई ऊर्जा लाने के मकसद से लिया गया है।

बदलाव का कारण: भविष्य की सोच और फॉर्म

ऑस्ट्रेलियाई चयनकर्ताओं का कहना है कि यह बदलाव अचानक नहीं है बल्कि लंबे समय से चल रही रणनीति का हिस्सा है। चयन समिति के अध्यक्ष जॉर्ज बेली ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि,

"हमें अब भविष्य की ओर देखना है। स्मिथ और लाबुशेन जैसे दिग्गज खिलाड़ियों ने देश के लिए शानदार प्रदर्शन किया है, लेकिन अब कुछ नए चेहरों को मौका देने का समय है।"

इसके साथ ही, दोनों खिलाड़ियों की हालिया टेस्ट फॉर्म भी औसत रही है। मार्नस लाबुशेन पिछले 12 टेस्ट मैचों में केवल एक शतक ही बना सके हैं, जबकि स्टीव स्मिथ का स्ट्राइक रेट और औसत दोनों में गिरावट आई है। चयनकर्ताओं का मानना है कि अब समय है कुछ नए चेहरों को मौका देकर उन्हें अंतरराष्ट्रीय अनुभव दिलाया जाए।

कैमरन कॉन्स्टास और जोश इंग्लिस को मिला इनाम

कैमरन कॉन्स्टास और जोश इंग्लिस को टीम में शामिल किया गया है, और यह चयन ऑस्ट्रेलियाई घरेलू क्रिकेट में उनके प्रदर्शन पर आधारित है।

कैमरन कॉन्स्टास:

23 वर्षीय कैमरन कॉन्स्टास घरेलू शेफील्ड शील्ड में शानदार प्रदर्शन कर चुके हैं। उन्होंने पिछले सीजन में 900 से ज्यादा रन बनाए थे, जिसमें तीन शतक और चार अर्धशतक शामिल थे। एक टॉप ऑर्डर बल्लेबाज़ के रूप में उनकी तकनीक मजबूत है और चयनकर्ता उन्हें टेस्ट क्रिकेट के लिए उपयुक्त मानते हैं।

जोश इंग्लिस:

जोश इंग्लिस एक प्रतिभाशाली विकेटकीपर-बल्लेबाज़ हैं, जो पहले से ही सीमित ओवरों की टीम का हिस्सा रहे हैं।

हालांकि टेस्ट क्रिकेट में यह उनका पहला मौका होगा। मैथ्यू वेड और एलेक्स कैरी के रहते उन्हें ज्यादा मौके नहीं मिल सके, लेकिन अब उन्हें साबित करने का एक बड़ा मौका मिला है।

स्मिथ और लाबुशेन के बाहर होने का असर

स्टीव स्मिथ और लाबुशेन टेस्ट टीम की रीढ़ माने जाते हैं। दोनों ने कई बार मुश्किल परिस्थितियों में टीम को संभाला है।

स्मिथ का टेस्ट औसत 57 से भी ऊपर है और वह टेस्ट क्रिकेट में 32 शतक लगा चुके हैं। लाबुशेन ने भी पिछले 5 वर्षों में खुद को एक विश्वस्तरीय बल्लेबाज़ के रूप में स्थापित किया है।

उनका बाहर होना यह संकेत है कि ऑस्ट्रेलियाई टीम अब धीरे-धीरे "ट्रांज़िशन फेस" में प्रवेश कर रही है, जहां सीनियर खिलाड़ियों की जगह नए चेहरे लिए जा रहे हैं ताकि 2027 तक एक मजबूत टीम तैयार की जा सके।

कप्तान पैट कमिंस का बयान

टीम के कप्तान पैट कमिंस ने भी इस बदलाव का समर्थन किया है। उन्होंने कहा,

"हर खिलाड़ी का करियर एक पड़ाव पर आता है जहां उसे आराम दिया जाता है या उसे ब्रेक की ज़रूरत होती है। हमें यह देखने की ज़रूरत है कि आने वाले सालों में टीम किस दिशा में जा रही है। जोश और कैमरन जैसे खिलाड़ियों को मौका मिलना टीम के लिए अच्छा संकेत है।"

वेस्टइंडीज के खिलाफ चुनौती

ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज के बीच यह टेस्ट सीरीज़ वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (WTC) के लिहाज से भी अहम मानी जा रही है।

वेस्टइंडीज की टीम फिलहाल पुनर्निर्माण के दौर से गुजर रही है, लेकिन उनमें युवा ऊर्जा और आक्रामकता है। हालांकि, ऑस्ट्रेलिया के लिए यह चुनौती कुछ अलग होगी क्योंकि टीम अपने दो सबसे भरोसेमंद बल्लेबाज़ों के बिना उतरेगी। ऐसे में कॉन्स्टास और इंग्लिस के ऊपर प्रदर्शन करने का अतिरिक्त दबाव होगा।

सोशल मीडिया पर प्रतिक्रियाएं

स्मिथ और लाबुशेन को बाहर किए जाने की खबर ने सोशल मीडिया पर मिलीजुली प्रतिक्रिया दी है।

कुछ फैंस ने इसे "नया युग" बताया, तो कुछ ने इसे "अन्यायपूर्ण" और "जल्दबाज़ी" करार दिया। खासकर स्मिथ के प्रशंसक इस फैसले से निराश हैं। ट्विटर पर #BringBackSmith ट्रेंड करने लगा है।

वहीं कई क्रिकेट विशेषज्ञों ने इसे "साहसी लेकिन ज़रूरी" फैसला बताया है। माइकल वॉन, रिकी पोंटिंग और शेन वॉटसन जैसे पूर्व खिलाड़ियों ने कहा कि यह जरूरी है कि टीम समय रहते बदलाव करे ताकि भविष्य की तैयारियां बेहतर हो सकें।

IPL 2025 ने तोड़े व्यूअरशिप के सारे रिकॉर्ड 840 बिलियन मिनट का वॉचटाइम

-पंजाब-बेंगलुरु फाइनल बना सबसे ज्यादा देखा गया T20 मुकाबला

IPL 2025 ट्रॉफी के साथ जश्न मनाते RCB खिलाड़ी और भावुक विराट कोहली

इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) 2025 ने इतिहास रच दिया है। इस सीजन ने न केवल मनोरंजन के मामले में बल्कि दर्शकों की संख्या के लिहाज से भी सारे रिकॉर्ड तोड़ डाले। टेलीविजन और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर IPL 2025 को कुल 840 बिलियन मिनट देखा गया। यह आंकड़ा IPL के इतिहास में अब तक का सबसे ऊंचा है और यह साबित करता है कि क्रिकेट प्रेमियों के बीच इस लीग की दीवानगी साल दर साल बढ़ती जा रही है।

रिकॉर्ड-ब्रेकिंग व्यूअरशिप

IPL 2025 का फाइनल मुकाबला पंजाब किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच खेला गया, जिसे अब तक का सबसे ज्यादा देखा जाने वाला T20 मैच घोषित किया गया है। इस रोमांचक फाइनल को अकेले टीवी और ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर मिलाकर करीब 100 करोड़ से ज़्यादा दर्शकों ने देखा, जिसने क्रिकेट की दुनिया में एक नया बेंचमार्क सेट कर दिया।

IPL 2025 व्यूअरशिप के प्रमुख आंकड़े

पैरामीटर आंकड़ा

कुल वॉचटाइम 840 बिलियन मिनट

सबसे ज़्यादा देखा गया मैच

फाइनल: पंजाब किंग्स बनाम RCB

डिजिटल व्यूअरशिप ग्रोथ 18% की वृद्धि

टीवी व्यूअरशिप ग्रोथ 12% की वृद्धि

हाइएस्ट पिक कॉनकरेंट व्यूअर्स 6.2 करोड़ (फाइनल में)

डिजिटल क्रांति ने बढ़ाया ग्राफ

IPL 2025 में JioCinema और Jio+ Hotstar जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म्स की भूमिका बेहद अहम रही। । 4K क्वालिटी, मल्टीकैम विकल्प और अलग-अलग भाषाओं में कमेंट्री ने दर्शकों को बेहतर अनुभव दिया। यही वजह रही कि इस बार डिजिटल व्यूअरशिप में 18% की वृद्धि दर्ज की गई।

पंजाब और बेंगलुरु की भिड़ंत ने बटोरी सुर्खियाँ

RCB और पंजाब किंग्स, दोनों ही फ्रेंचाइज़ियों ने पहली बार IPL फाइनल में एक-दूसरे का सामना किया। यह फाइनल मुकाबला केवल ट्रॉफी की जंग नहीं था, बल्कि फैंस के लिए एक भावनात्मक सफर भी था। RCB ने जहां विराट कोहली और रजत की कप्तानी में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया, वहीं पंजाब किंग्स ने श्रेयस अय्यर ने फाइनल में पंजाब में अच्छा परफ़ॉर्म किया ।

मार्केटिंग और इन्नोवेशन का असर

BCCI और IPL के आयोजकों ने इस बार कई डिजिटल और मार्केटिंग इनोवेशन किए, जिनमें शामिल हैं:

AI-कमेंट्री विकल्प: दर्शकों को अपने मनपसंद कमेंट्री स्टाइल चुनने का विकल्प मिला।

फैन कैम फीड: लाइव ब्रॉडकास्ट में दर्शकों की लाइव प्रतिक्रियाएं भी दिखाई गईं।

AR/VR अनुभव: मोबाइल यूज़र्स को वर्चुअल स्टेडियम जैसा अनुभव दिया गया।

हाइपरलोकल विज्ञापन रणनीति: दर्शकों की क्षेत्रीय पसंद को ध्यान में रखकर प्रचार किया गया।

खिलाड़ियों और एक्सपर्ट्स की प्रतिक्रिया

विराट कोहली ने फाइनल के बाद कहा, "इतनी बड़ी संख्या में फैंस का साथ मिलना गर्व की बात है। यह लीग अब सिर्फ भारत नहीं, पूरी दुनिया की है।"

हरभजन सिंह, जो कमेंट्री पैनल में शामिल थे, बोले, "IPL ने टीवी व्यूअरशिप को नए मायने दिए हैं। युवा वर्ग अब मोबाइल पर मैच देखता है, और यही ट्रेंड भविष्य को आकार देगा।"

ब्रॉडकास्टर्स के लिए बड़ी जीत

Star Sports और jio Hotstar दोनों को इस बार विज्ञापन से भारी मुनाफा हुआ। IPL 2025 के ब्रॉडकास्ट राइट्स में पहले से ही भारी निवेश हुआ था, और व्यूअरशिप के इन रिकॉर्ड्स ने उन्हें व्यावसायिक रूप से भी सफल बना दिया। कंपनियों ने IPL को अपने विज्ञापन अभियानों के केंद्र में रखा, जिससे FMCG, इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल और फूड ब्रांड्स को बड़ा फायदा मिला।

हाले ओपन में बड़ा उलटफेर: वर्ल्ड नंबर-1 सिनर को 45वें नंबर के एलेकजेंडर बब्लिक ने हराया

- ज्वेरेव और एचेवेरी क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

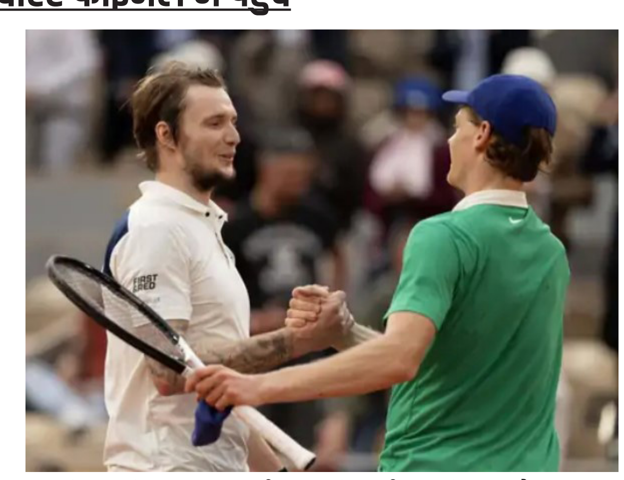

कजाखस्तान के एलेक्जेंडर बब्लिक ने हाले ग्रास टूर्नामेंट में एक बड़ा उलटफेर करते हुए मौजूदा चैंपियन जैनिक सिनर को हरा दिया। वर्ल्ड के नंबर-1 खिलाड़ी सिनर को 45वीं रैंकिंग वाले बब्लिक ने 6-3, 3-6, 6-4 से मात दी। समर 2023 के बाद यह पहला मौका है जब सिनर को टॉप-20 से बाहर के किसी खिलाड़ी ने हराया है।

सिनर ने फ्रेंच ओपन के क्वार्टर फाइनल में बब्लिक को केवल छह गेम में हराया था, लेकिन इस बार बब्लिक ने शानदार प्रदर्शन किया। अब तक दोनों 6 बार एक-दूसरे का आमना-सामना कर चुके हैं। बब्लिक ने कहा, 'हम टेनिस खिलाड़ी हर मैच जीतने की कोशिश करते हैं, लेकिन यह जीत खास है। मैंने पहली बार नंबर एक खिलाड़ी को हराया।'

बब्लिक अब क्वार्टर फाइनल में चेक गणराज्य के टॉमस मचाक से भिड़ेंगे, जिन्होंने हंगरी के फैबियन मारोजसान को 6-2, 6-3 से हराया। एलेक्जेंडर ज्वेरेव क्वार्टर फाइनल में पहुंचे वर्ल्ड नंबर-3 एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने इटली के लोरेंजो सोनेगो को तीन सेटों में 3-6, 6-4, 7-6 (7/2) से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। ज्वेरेव ने सोनेगो के खिलाफ अपनी पांचवीं जीत हासिल की। पहला सेट हारने के बाद ज्वेरेव ने दूसरे सेट में वापसी की और तीसरे सेट के टाईब्रेक में दबदबा बनाया। अब उनका मुकाबला इटली के फ्लावियो कोबोली से होगा। एक अन्य मैच में, अर्जेंटीना के 63वें रैंक के टॉमस मार्टिन एचेवेरी ने चौथी वरीयता प्राप्त आंद्रे रुबलेव को तीन घंटे के कड़े मुकाबले में 6-3, 6-7 (4/7), 7-6 (8/6) से हराया। एचेवेरी ने अंतिम सेट के टाईब्रेक में दो मैच पॉइंट बचाए और अब क्वार्टर फाइनल में रूस के करेन खाचानोव से खेलेंगे।

सिनर की हार: एक झटका या सीख?

इटली के यानिक सिनर, जिन्होंने हाल ही में रोलां गैरों (फ्रेंच ओपन) में सेमीफाइनल तक का सफर तय कर टॉप रैंकिंग हासिल की थी, इस हार से न केवल हाले ओपन से बाहर हो गए हैं, बल्कि उनके खेल पर भी सवाल उठने लगे हैं कि क्या वे घास के कोर्ट पर उतने सहज नहीं हैं। बब्लिक ने पहले सेट से ही आक्रामक खेल दिखाया और सिनर को बैकफुट पर रखा। उनकी सर्विस और वॉली ने सिनर को कोई भी वापसी का मौका नहीं दिया।

बब्लिक ने मैच के बाद कहा,

"सिनर जैसा खिलाड़ी कभी भी कमजोर नहीं होता, लेकिन आज मैं बेहतर था। मेरी सर्विस अच्छी रही और मैंने हर पॉइंट के लिए संघर्ष किया।"

एलेक्जेंडर बब्लिक: घास के स्पेशलिस्ट?

बब्लिक की रैंकिंग भले ही 45 हो, लेकिन घास के कोर्ट पर उनका रिकॉर्ड बेहतरीन रहा है। 2023 में भी वे हाले ओपन के फाइनल तक पहुंचे थे और यहां उनका अनुभव काम आया। उनकी सर्विस की स्पीड 220 किमी/घंटा तक रही, जिसने सिनर जैसे बेसलाइनर को भी परेशानी में डाल दिया।

अन्य मुकाबलों में भी हुआ रोमांच

अलेक्जेंडर ज्वेरेव क्वार्टर फाइनल में

दुनिया के चौथे नंबर के खिलाड़ी और जर्मनी के अपने स्टार खिलाड़ी अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए फ्रांस के ह्गो हम्बर्ट को 7-6(5), 6-4 से हराया। ज्वेरेव की सर्विस और बैकहैंड शॉट्स बेहद प्रभावशाली रहे। हाले की यह जीत उनके घरेलू मैदान पर आत्मविश्वास को और बढ़ा रही है।

थॉमस एचेवेरी की ऐतिहासिक जीत

अर्जेंटीना के थॉमस एचेवेरी ने ब्रिटेन के कैमरन नॉरी को 6-7(3), 7-5, 6-3 से हराकर हाले ओपन के अपने पहले क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। यह उनके करियर की सबसे बड़ी जीतों में से एक है क्योंकि घास पर उनका प्रदर्शन अब तक औसत रहा था।

गॉल टेस्ट के तीसरे दिन पाथुम निसांका की सेंचुरी: श्रीलंका मजबूत स्थिति में बांग्लादेश पर 127 रन का दबाव

श्रीलंकाई ओपनर पाथुम निसांका के शतक के दम पर पहले टेस्ट के तीसरे दिन टीम ने 4 विकेट खोकर 368 रन बना लिए हैं। गॉल टेस्ट में पहली पारी के आधार पर अब बांग्लादेश के पास 127 रन की बढ़त ही बची है। श्रीलंका से कमिंडू मेंडिस और कप्तान धनंजय डी सिल्वा स्टंप्स के बाद नाबाद लौटे हैं।

27 साल के निसांका ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 187 रन की पारी खेली। इसी पारी की सहायता से उन्होंने अपने टेस्ट करियर के एक हजार रन भी पूरे किए।

बांग्लादेश से हसन महमूद, नईम हसन, तैजुल इस्लाम और मोमिनुल हक को एक-एक विकेट मिला। हसन महमूद ने शतकवीर पाथुम निसांका को बोल्ड कर दिया। तैजुल इस्लाम ने लाहिरू उदारा और नईम हसन ने दिनेश चांदीमल को आउट किया। वहीं मोमिनुल हक ने विकेटकीपर लिट्टन दास के हाथों एंजेलो मैथ्यूज को कैच आउट कराया। पहले दिन बल्लेबाजी करने उतरी बांग्लादेशी टीम की शुरुआत खराब रही। टीम ने ओपनर अनामुल हक का विकेट मात्र 5 रन पर गंवा दिया। इसके बाद शादमान इस्लाम और मोमिनुल हक ने मिलकर पारी संभाली और 64 बॉल पर 34 रन जोड़े। शादमान 14 रन बनाकर पवेलियन लौटे। मोमिनुल ने 4 चौके की मदद से 29 रन बनाए।

पीएम मोदी की कनाडा साइप्रस, क्रोएशिया यात्रा पूरी

अपने दौरे पर पीएम मोदी देश के पारंपरिक उपहार लेकर गए थे। यात्रा के दौरान उन्होंने साइप्रस, कनाडा के जी-7 शिखर सम्मेलन और क्रोएशिया में जिन-जिन नेताओं से मुलाकात की, सभी को उपहार भेंट किए

नेताओं को दिए खास पारंपरिक तोहफे, भारत के आठ राज्यों से है गहरा नाता

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी की साइप्रस, कनाडा और क्रोएशिया की यात्रा पूरी हो गई है। पीएम मोदी ने साइप्रस में राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलिडेस से मुलाकात की। इसके बाद कनाडा में जी-7 शिखर सम्मेलन में भाग लिया। इसके बाद पीएम मोदी क्रोएशिया पहुंचे और वहां राष्ट्रपति जोरान मिलनोविच और पीएम आंद्रेज प्लेंकोविच से मुलाकात की। अपने दौरे पर पीएम मोदी देश के पारंपरिक उपहार लेकर गए थे। पीएम नरेंद्र मोदी ने दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे-म्यांग को मधुबनी पेंटिंग भेंट की। मधुबनी पेंटिंग को मिथिला कला भी कहा जाता है।

ओडिशा का पट्टचित्र

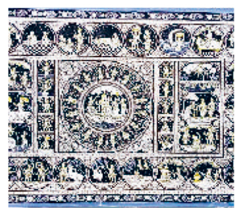

क्रोएशिया के राष्ट्रपति जोरान मिलनोविच को ओडिशा की एक पट्टचित्र पेंटिंग उपहार में दी। पट्टचित्र ओडिशा की पारंपरिक कला रूप है। ये कलाकृतियां आमतौर पर भारतीय पौराणिक कथाओं, खासकर भगवान कृष्ण और जगन्नाथ परंपरा से जुड़ी हैं। कलाकार प्राकृतिक रंगों और हस्तनिर्मित ब्रश का उपयोग करते हैं।

सिल्वर कैंडल स्टैंड

पीएम मोदी ने क्रोएशिया के पीएम आंद्रेज प्लेंकोविच को सिल्वर कैंडल स्टैंड उपहार में दिया। राजस्थान का यह सिल्वर कैंडल स्टैंड क्षेत्र की पारंपरिक धातु कला का सुंदर उदाहरण है। कुशल कारीगरों द्वारा हस्तनिर्मित और उत्कीर्णन तकनीकों का उपयोग करके बनाए गए विस्तृत पुष्प और ज्यामितीय डिजाइन हैं।

पीतल का बोधि वृक्ष

पीएम मोदी ने कनाडा के पीएम मार्क कार्नी को पीतल का बोधि वृक्ष भेंट किया। बिहार से पीतल का यह बोधि वृक्ष मूर्ति कला का एक सुंदर और सार्थक नमूना है। पीतल से हाथ से बनाया गया। यह पवित्र बोधि वृक्ष उस स्थान को दिखाता है जहा बुद्ध को बोधगया में ज्ञान प्राप्त हुआ था।

कोल्हापुरी सिल्वर पॉट

ऑस्ट्रेलिया के पीएम एंथनी अल्बानीज़ को कोल्हापुरी सिल्वर पॉट भेंट किया। यह खूबसूरत कोल्हापुरी सिल्वर पॉट महाराष्ट्र के कोल्हापुर में बना है। जो चांदी की शिल्पकला की अपनी समृद्ध परंपरा के लिए जाना जाता है। शुद्ध चांदी से बने इस बर्तन को विस्तृत पुष्प और पैस्ले डिज़ाइनों से सजाया गया है।

सोने की पत्ती से बना पेपर माचे बॉक्स

अल्बर्टा की लेफ्टिनेंट गवर्नर सलमा लखानी को सोने की पत्ती से बना एक पेपर माचे बॉक्स उपहार में दिया। जम्मू और कश्मीर का यह पेपर माचे बॉक्स इस क्षेत्र की समृद्ध कला परंपरा का एक सुंदर उदाहरण है। यह एक सजावटी वस्तु है।

डोकरा नंदी मूर्ति

पीएम नरेंद्र मोदी ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों को डोकरा नंदी की मूर्ति भेंट की। तमिलनाडु की यह खूबसूरत डोकरा नंदी मूर्ति पारंपरिक धातु शिल्प और आध्यात्मिक कला का बेहतरीन मिश्रण है। यह प्राचीन खोई हुई मोम विधि का उपयोग करके बनाई गई है।

हंस मूर्ति के साथ बेंत और बांस की नाव

ब्राजील के राष्ट्रपति लुईज इनासियो लूला दा सिल्वा को हंस की मूर्ति के साथ बेंत और बांस की नाव उपहार में दी। हंस की मूर्ति के साथ बेंत और बांस की यह नाव मेघालय का एक सुंदर हस्तनिर्मित शिल्प है। बेंत और बांस जैसी प्राकृतिक सामग्रियों का उपयोग करके बनाई गई यह नाव पर्यावरण के अनुकूल है।

ईरान ने यूएस को बीच में न आने की सलाह दी

◆ उधर, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने पेशकश की कि वे ईरान और इजराइल के बीच जारी जंग में मध्यस्थता करा सकते हैं

ईरान पर हमले की पूरी तैयारी, रवाना हुए अमेरिकी लड़ाकू विमान, दूतावास के लिए जारी हुआ अलर्ट

***पुतिन ने कहा** कि रूस के ईरान के साथ अच्छे संबंध हैं और ईरान के बुशेहर में पहला परमाणु पावर प्लांट लगाने में भी रूस ने मदद की थी। रूस के 200 कर्मचारी बुशेहर में दो अन्य परमाणु प्लांट बनाने में ईरान की मदद कर रहे हैं*

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

ईरान और इजराइल के बीच युद्ध जारी है, जिसमें ईरान को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। अमेरिका ने स्थिति पर सख्त रुख अपनाया है और सुरक्षाबलों की तैनाती शुरू कर दी है। इसके साथ ही अमेरिकी दूतावास से गैर-जरूरी राजनयिकों और उनके परिवारों की निकासी शुरू कर दी है। अमेरिका भी ईरान को चेतावनी दे रहा है और ईरान के सर्वोच्च नेता को सरेंडर करने के लिए कह रहा है लेकिन ईरान ने अमेरिका को बीच में न आने की सलाह दी है।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान पर हमले की तैयारी के मद्देनजर बड़ी संख्या में अमेरिका द्वारा लड़ाकू विमान और मालवाहक विमान मध्य पूर्व रवाना किए गए हैं। अमेरिका ने और अधिक सुरक्षा बलों को सेंट्रल कमांड के संचालन क्षेत्र में तैनात कर दिया है।

इजराइल में अमेरिकी दूतावास से गैर-जरूरी राजनयिकों और उनके परिवारों की निकासी शुरू कर दी

2 अमेरिकी एयरक्राफ्ट कैरियर और एक ब्रिटिश कैरियर इजराइल और ईरान के पास तैनात होंगे

अमेरिका ईरान को चेता रहा है और उसे सरेंडर करने को कह रहा है

पुतिन का मानना है...

शांति समझौते से परमाणु कार्यक्रम भी चलता रहेगा व इजराइल की सुरक्षा चिंताएं भी खत्म हो जाएंगी

उधर, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बुधवार को पेशकश की कि वे ईरान और इजराइल के बीच जारी जंग में मध्यस्थता करा सकते हैं। पुतिन ने कहा कि मॉस्को ऐसा समझौता करा सकता है, जिससे ईरान शांतिपूर्ण तरीके से अपना परमाणु कार्यक्रम भी संचालित कर सकेगा और इजराइल की सुरक्षा संबंधी चिंताओं का भी समाधान हो सकेगा।

इराक के शीर्ष शिया धर्मगुरु अयातुल्ला अली सिस्तानी ने चेतावनी दी

खामनेई पर हमला तो मिडिल ईस्ट जल उठेगा

इस बीच इराक के शीर्ष शिया धर्मगुरु अयातुल्ला अली सिस्तानी ने चेतावनी दी है कि अगर ईरान के नेतृत्व को निशाना बनाया जाता है तो क्षेत्र में अराजकता फैल

जाएगी। उन्होंने कहा कि इससे क्षेत्र में लोगों की मुश्किलें बढ़ जाएंगी और सभी के हितों को गंभीर नुकसान पहुंचेगा। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से आग्रह किया कि वे इस युद्ध को समाप्त करने और ईरान के परमाणु कार्यक्रम का शांतिपूर्ण समाधान खोजने के लिए हर संभव कोशिश करें।

कारोबारी मस्क के स्टारशिप में बड़ा धमाका, टेस्टिंग के दौरान फटा रॉकेट

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी इलॉन मस्क का स्टारशिप-36 रॉकेट टेक्सास के स्टारबेस टेस्टिंग साइट पर अचानक धमाके के साथ फट गया। इसकी लपटें और धुआं दूर-दूर तक दिखाई दिया। ये धमाका भारतीय समयानुसार 19 जून को सुबह करीब 09:30 बजे हुआ। धमाका उस वक्त हुआ जब 29 जून को होने वाले स्टारशिप के 10वें टेस्ट फ्लाइट से पहले रॉकेट का दूसरा स्टैटिक फायर टेस्ट चल रहा था। इस टेस्ट में रॉकेट को जमीन पर ही रखकर उसके इंजन को चालू किया जाता है, ताकि लॉन्च से पहले सब कुछ ठीक हो, ये चेक किया जा सके। टेस्ट शुरू होने से ठीक पहले, रॉकेट के ऊपरी हिस्से में, जहां फ्यूल टैंक होते हैं,

अचानक विस्फोट शुरू हुआ। देखते ही देखते पूरा रॉकेट आग के गोले में बदल गया। आसपास के इलाकों में रहने वाले लोगों ने बताया कि धमाका इतना जोरदार था कि उनके घरों की खिड़कियां हिल गईं। इस धमाके का जो वीडियो सामने आया है उसमें दिख रहा है कि रॉकेट के नोज यानी, ऊपरी हिस्से से अचानक आग की लपटें निकलती हैं और फिर पूरा रॉकेट धमाके के साथ फट जाता है।

कोई हताहत नहीं, लेकिन नुकसान बड़ा

स्पेसएक्स ने इस हादसे के बाद बयान जारी कर बताया कि टेस्ट साइट के आसपास पहले से ही सुरक्षा का पूरा इंतजाम था। सभी कर्मचारी सुरक्षित हैं और आसपास के इलाकों में रहने वालों को भी कोई नुकसान नहीं हुआ। कंपनी ने लोगों से अपील की है कि वो टेस्ट साइट के पास न जाएं, क्योंकि अभी भी वहां आग बुझाने और सफाई का काम चल रहा है।

धोखाधडी की आरोपी महिला की अग्रिम ज़मानत ख़ारिज

-एडवोकेट अन्सार इन्दौरी ने की पीड़ित की पैरवी

कोटा, (रॉयल पत्रिका)। कोटा की अपर सेशन न्यायालय क्रम 4 की न्यायाधीश बीना गुप्ता ने एक महत्वपूर्ण निर्णय में धोखाधड़ी के मामले में आरोपी महिला रणजीत कौर की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी। रणजीत कौर पर आरोप है कि वह अपने मकान के सौदे के बाद खरीददार के नाम रजिस्ट्री नहीं करवा रही हैं और न ही एडवांस की रकम लिखित सहमति होने के बावजूद फरियादी को दे रही हैं। इस तरह प्रारंभ से ही आरोपी ने खरीददार को धोखा दिया।

पीड़ित शाहिक़ मोहम्मद के वकील एडवोकेट अंसार इंदौरी ने बताया कि आरोपी महिला द्वारा प्रताप नगर तृतीय के मकान नंबर 104 को पच्चीस लाख दस हजार रुपए में फरियादी से सौदा तय करके बतौर एडवांस चार लाख रुपए के लिए गए थे। बकाया राशि एक माह में अदा करके रजिस्ट्री फरियादी के नाम करवाने का लिखित एग्रीमेंट हुआ था। जब समयावधि पर फरियादी ने आरोपी महिला से रजिस्ट्री करवाने और बकाया रकम लेने को कहा तो आरोपी महिला एक माह तक आनाकानी करते हुए रजिस्ट्री करवाने से इनकार कर दिया और अंत में एडवांस रकम भी वादा खिलाफी करके नहीं लौटाई। पीड़ित द्वारा एसपी से शिकायत करने के बाद थाना बोरखेड़ा द्वारा आरोपी महिला के खिलाफ 318(4) धोखाधड़ी और 316(2) आपराधिक विश्वाशघात का मुकदमा नम्बर 164/25 दर्ज किया गया।

अदालत ने अभियोजन पक्ष और पीड़ित के वकील की दलीलों को सुनने के बाद रणजीत कौर की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी। अदालत का मानना था कि आरोपी महिला ने नियत सही न रख कर मामले का समाधान नहीं किया।

फरियादी के वकील एडवोकेट अन्सार इन्दौरी ने अदालत में तर्क दिया कि आरोपी ने जानबूझकर, शुरुआत से ही साजिश के तहत फरियादी को धोखा दिया और एडवांस राशि प्राप्त करने के लिए अपने खरीदशुदा मकान का इस्तेमाल किया। आरोपी महिला ने न केवल फरियादी से बल्कि अन्य व्यक्ति से भी एडवांस राशि लेकर उक्त मकान का सौदा किया हुआ है। आरोपी महिला ने न केवल एडवांस राशि का दुरुपयोग किया, बल्कि फरियादी के साथ धोखाधड़ी करने की कोशिश की। दौराने बहस एडवोकेट अन्सार इन्दौरी ने कहा कि अपना खुद का मकान होना एक इंसान की पूरी जिंदगी सपना होता है,जिसे आरोपी महिला ने बेदर्दी के साथ तोड़ दिया।

आरोपी के वकील ने अदालत में तर्क दिया कि रणजीत कौर निर्दोष हैं और उनके खिलाफ लगाए गए आरोप झूठे हैं। हालांकि, अदालत ने अभियोजन पक्ष और फरियादी के वकील के तर्कों को अधिक महत्व दिया और जमानत याचिका खारिज कर दी। अदालत का यह निर्णय दर्शाता है कि धोखाधड़ी और जालसाजी जैसे गंभीर अपराधों में आरोपी को आसानी से जमानत नहीं दी जा सकती है। यह मामला उन लोगों के लिए एक सबक है जो अपने घर का सपना देखने वालो को धोखा देने की कोशिश करते हैं।

इंडिया ग्लोबल फोरम में केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल बोले

भारत दे सकता है यूके की अर्थव्यवस्था को रफ्तार, एफटीए से मजबूत होंगे रिश्ते

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

वैश्विक अनिश्चितता के बीच भारत यूनाइटेड किंगडम की अर्थव्यवस्था को तेजी से बढ़ने में मदद कर सकता है। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने इंडिया ग्लोबल फोरम में यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि इस समय पूरी दुनिया संकटों और चुनौतियों से भरी है। फिर भी भारत स्थिरता, तेज विकास के दौर में है। यहां के लोग अपने शांत स्वभाव के कारण पूरे विश्वभर में जाने जाते हैं। चार करोड़ भारतीय विश्व के अलग-अलग देशों में रहते हैं जिन्हें उनकी प्रतिभा और कौशल के लिए पहचाना जाता है।

मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के तहत भारत 90 प्रतिशत ब्रिटिश वस्तुओं पर आयात शुल्क कम करेगा, जिसमें 85 प्रतिशत दस वर्ष की अवधि में पूरी तरह से शुल्क मुक्त हो जाएंगे। इसके बदले में ब्रिटेन ने भारत के कुछ उत्पादों पर टैरिफ को कम करने पर सहमति जताई है। इससे 99 प्रतिशत भारतीय वस्तुओं पर कोई शुल्क नहीं लगेगा।

ब्रिटेन मंत्री लिसा नंदी से की मुलाकात

पीयूष गोयल दो दिवसीय यूके दौरे पर हैं। वहां उन्होंने ब्रिटेन की संस्कृति, मीडिया और खेल मंत्री लिसा नंदी से मुलाकात की। गोयल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस बैठक से संबंधित पोस्ट किया। उन्होंने कहा कि लीसा नंदी के साथ अच्छी चर्चा हुई। दो महान लोकतंत्रों के बीच द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने के लिए अधिक अवसरों की खोज की। हमारे जीवंत द्विपक्षीय संबंधों के एक आवश्यक स्तंभ, अधिक सांस्कृतिक सहयोग और रचनात्मक अदान-प्रदान के लिए रास्ते तलाशे।

केदारनाथ धाम यात्राः हेलीकॉप्टर सेवा पर संशय

मानसून के चलते लग सकता है ब्रेक, 22 जून के बाद बुकिंग नहीं

एजेंसी ▶▶ रुद्रप्रयाग

केदारनाथ धाम यात्रा के लिए हेलीकॉप्टर सेवा पर एक बार फिर ब्रेक लग सकता है। इस बार मानसून के चलते आगे सेवा बाधित हो सकती है। 22 जून के बाद केदारनाथ हेली सेवा की टिकट बुकिंग पर संशय बना हुआ है। अभी तक उत्तराखंड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण व आईआरसीटीसी ने तीसरे चरण के स्लॉट में टिकट बुकिंग की डेट जारी नहीं की है। केदारनाथ धाम के कपाट 2 मई को खुलने के साथ ही हेली सेवा शुरू हो गई थी।

राज्य सरकार ने एसओपी तैयार की

पहले स्लॉट में दो से 31 मई की यात्रा के लिए टिकट बुकिंग की गई। जबकि दूसरे स्लॉट में एक से 22 जून तक की यात्रा की टिकट बुकिंग की गई। 22 जून तक के टिकट फुल है। इससे आगे के लिए हेली टिकटों की बुकिंग पर संशय बना हुआ है। केदारनाथ धाम में हुए हेलीकॉप्टर हादसे के बाद से सीएम धामी के निर्देश पर प्रदेश में हेली सेवाओं के संचालन के लिए सख्त एसओपी तैयार की जा रही है। जिसमें हेलिकॉप्टर की तकनीकी स्थिति की पूर्ण जांच और उड़ान से पूर्व मौसम की सटीक जानकारी लेना अनिवार्य करने का फैसला लिया गया है। इसके अलावा तकनीकी विशेषज्ञों की एक समिति का गठन करने का निर्णय लिया गया है।

विधानसभा अध्यक्ष ने फ्रांस की संसदीय परंपराओं एवं सीनेट की कार्यप्रणाली का किया गहन अध्ययन

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने फ्रांस दौरे के दौरान शुक्रवार को पेरिस में फ्रांसीसी सीनेट (Sénat de France) का औपचारिक दौरा कर वहां की संसदीय प्रणाली, समितियों की संरचना तथा लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं का अवलोकन एवं अध्ययन किया। देवनानी इस अध्ययन यात्रा में फ्रांसीसी विधायिका की कार्य प्रणाली के बारे में जानकारी ली। देवनानी ने सीनेट के सीनेटर श्रीमती नथाली गौलेट से संसदीय दक्षता बढ़ाने बाली बिंदुओं पर चर्चा की तथा दोनों देशों की लोकतांत्रिक संस्थाओं के मध्य सहयोग की नई संभावनाओं को तलाशा।

देवनानी ने फ्रांस की द्विसदनीय प्रणाली, विशेषतः सीनेट की भूमिका, उसकी संवैधानिक स्थिति तथा विधायी प्रक्रियाओं में उसकी भागीदारी का राज्यसभा और राज्य विधान परिषद का तुलनात्मक अध्ययन किया। उन्होंने सीनेट की स्थायी समितियों के कार्य, उनके अनुसंधान आधारित निर्णय लेने की प्रणाली तथा प्रशासन और विधायिका के बीच संतुलन बनाए

रखने की प्रक्रिया में गहरी रुचि दिखाई।

इस अवसर पर उन्होंने फ्रांस सीनेट उपाध्यक्ष, संसदीय सचिवों एवं विधि विशेषज्ञों से संवाद कर विचारों का आदान-प्रदान किया। चर्चाओं में जलवायु नीति, शिक्षा सुधार, बजट प्रक्रिया एवं साइबर सुरक्षा जैसे समसामयिक विषयों पर दोनों पक्षों ने विचार रखे।

देवनानी ने कहा कि फ्रांस की संसदीय परंपराएँ लोकतंत्र की परिपक्वता का परिचायक हैं। भारत और फ्रांस की विधायिकाओं के मध्य संवाद एवं सहयोग की निरंतरता से हम पारस्परिक समृद्धि, विधायी दक्षता और सुशासन के नए प्रतिमान स्थापित कर सकते हैं।

देवनानी ने बताया कि यह अध्ययन यात्रा भारत-फ्रांस संसदीय संबंधों को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण है। राजस्थान विधानसभा अब इस अनुभव का लाभ उठाकर अपनी विधायी कार्यप्रणाली में नवाचार, पारदर्शिता और वैश्विक संवाद की नई दृष्टि समाविष्ट करने की दिशा में अग्रसर होगी।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,